राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान
National Institute of Design
मध्यप्रदेश Madhya Pradesh

द्वितीय
वार्षिक प्रतिवेदन
2020-21

द्वितीय
वार्षिक प्रतिवेदन
2020-21

अनुक्रमणिका

डायरेक्टर का संदेश 5

1. परिचय 9
1.1 हमारे बारे में 9
1.2 वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय 9
1.3 एनआईडी का अधिदेश 10
1.4 राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान अधिनियम 11

2. वैधानिक निकाय 15
2.1 शासी परिषद एवं इसके सदस्य 15
2.2 शासी परिषद की स्थायी समिति 21
2.3 सीनेट 22
2.4 संकाय फोरम 22

3. ऑर्गनोग्राम एवम शैक्षणिक कार्यप्रवाह 28
3.1 फैकल्टी स्ट्रीम 28
औद्योगिक डिजाइन संकाय (एफआईडी) 28
संचार डिजाइन संकाय (एफसीडी) 28
कपड़ा तथा परिधान डिजाइन संकाय (एफटीएडी) 28
सूचना प्रौद्योगिकी एकीकृत डिजाइन संकाय (एफआईटीआईडी) 29
डिजाइन आधारित ट्रांसडिसिप्लिनरी स्टडीज संकाय (एफडीबीटीएस) 29
3.2 संस्थान का प्रबंधन 30
3.3 गतिविधि अध्यक्ष 31
गतिविधि अध्यक्ष के कार्य -शिक्षा एवम प्रशिक्षण 31
गतिविधि अध्यक्ष के कार्य—रणनीति एवम योजना 31
गतिविधि अध्यक्ष के कार्य- अनुसंधान विकास एवम ज्ञान प्रबंधन केंद्र 31
गतिविधि अध्यक्ष के कार्य-ग्लोबल आउटरीच सेल 31
गतिविधि अध्यक्ष के कार्य- वेलनेस सेंटर 31

4. शैक्षणिक कार्यक्रम 35
4.1 फाउंडेशन अध्ययन (यूजी कार्यक्रम) 1 वर्ष 35
4.2 डिजाइन में स्नातक बी.डेस. (औद्योगिक डिजाइन) 44
4.3 डिजाइन में स्नातक बी.डेस (संचार डिजाइन) 46
4.4 डिजाइन में स्नातक बी.डेस. (कपड़ा तथा परिधान डिजाइन) 48
4.5 गुणवत्ता प्रबंधन 52
4.6 प्रवेश 53

5. उपलब्धियां तथा गतिविधियां 57

5.1 संबद्धता तथा सदस्यता 57
5.2 पुरस्कार एवं मान्यताएं 57
5.3 विशिष्ट आगंतुक 57
5.4 आयोजन 60
5.5 संकाय तथा कर्मचारियों के लिए मानव संसाधन विकास गतिविधियां 63

6. शिक्षण एवम सीखने के संसाधन 67

6.1 पदों की स्थिति 31 मार्च 2021 को 67
6.2 परिसर तथा बुनियादी ढाँचा 68

7. कैंपस जीवन 75

7.1 मध्य प्रदेश डिजाइन उत्सव 75
7.2 थिंकिन (संगोष्ठी) 75
7.3 ग्रीन ड्राइव 76
7.4 स्थापना दिवस 77
7.5 समारोह 77
7.6 स्वच्छता ही सेवा 79
7.7 निवासियों के लिए एनआईडी एमपी में जीवन चर्या 79
7.8 छात्र गतिविधियां 81
7.9 अच्छे कदम 83

8. वित्तीय संसाधन 84

8.1 पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन 84
8.2 अंकेक्षित वार्षिक लेखा 89

निदेशक का संदेश

वर्ष 2020-21 हम सब पर भारी रहा है तथा दुनिया की सबसे बड़ी महामारी से जीवन बाधित होकर पूरा ग्रह एक ठहराव पर आ गया था। स्थिति से निपटने के तरीके के बारे में कोई संदर्भ नहीं होने के कारण एनआईडी एमपी की टीम ने सबसे अधिक क्रियात्मक तरीके से तुरंत प्रतिक्रिया दी तथा न्यूनतम नुकसान के साथ सीखने की निरंतरता सुनिश्चित की।

हालांकि लोगों को अपने निजी जीवन की मांगों के साथ हाइब्रिड काम को संतुलित करना चुनौतीपूर्ण लगा, तथापि हमारे छात्रों के दृढ़ संकल्प तथा अकादमिक गतिविधियों को जारी रखने के लिए कर्मचारियों के समर्पण, दृढ़ता तथा पूर्ण समर्थन ने मुझे बहुत प्रभावित किया है। इसके लिए मैं अपनी गहरी कृतज्ञता तथा प्रशंसा व्यक्त करता हूं। विभागीय टीमों ने छात्र किटों को एकत्र कर विद्यार्थियों तक पहुंचाया तथा इन किटों के आसपास अपने शिक्षण कार्य को पुन: व्यवस्थित किया । यह सुनिश्चित किया गया कि सभी छात्रों की एक ही सामग्री तक पहुंच हो तथा उनकी शिक्षा निर्बाध रूप से जारी रहे।

एनआईडी एमपी का प्राथमिक लक्ष्य छात्रों को सीखने के लिए प्रेरित करना तथा रुचि बनाए रखने के साथ-साथ व्यावहारिक अध्ययन के महत्वपूर्ण मूल्यों को उजागर करना था, विशेष रूप से कठिन आर्थिक माहौल को देखते हुए। हमारे संकायों के लिए एक ईमानदार तथा हार्दिक आभार जिन्होंने अपने व्यक्तिगत जीवन में काफी हद तक बलिदान दिया तथा निरंतर प्रेरणा के साथ छात्र जुड़ाव सुनिश्चित करने के लिए दैनिक आधार पर नवाचार किया।

दूसरी चुनौती परिसर को कोरोनावायरस के प्रभाव से सुरक्षित तथा संरक्षित रखना था। मुझे यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि एनआईडी एमपी की छोटी तथा उत्साही टीम ने परिसर की सुरक्षा सुनिश्चित की तथा हमारे पास संक्रमण का कोई मामला नहीं था।

उद्योग परिसंघों के साथ संबंधों को बेहतर बनाने के लिए, संस्थान ने सभी महत्वपूर्ण उद्योग संघों, जैसे भारतीय उद्योग परिसंघ (CII), तथा फेडरेशन ऑफ मध्य प्रदेश चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (FMPCCI) की सदस्यता ली।

एनआईडी एमपी ने स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, भोपाल (एसपीए बी) के साथ अकादमिक सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए। साझेदारी का उद्देश्य संकाय, तकनीकी कर्मचारियों तथा छात्रों के आदान-प्रदान के साथ-साथ सहयोगी शैक्षणिक तथा अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देना है। यह संयुक्त औद्योगिक परियोजनाओं, प्रकाशनों, विशेष अल्पकालिक संयुक्त शैक्षणिक कार्यक्रमों के संचालन तथा एक दूसरे की सुविधाओं के उपयोग की सुविधा भी प्रदान करेगा।

कोविड प्रोटोकॉल के तहत सभी एहतियात बरतते हुए संस्थान ने समाज, राज्य सरकार, शिक्षाविदों तथा उद्योग

जगत के साथ संस्थान के सुदृढ़ संबंधों को सुनिश्चित करने के लिए कई गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित किया तथा उनसे विचार विमर्श किया।

संस्थान ने सभी सोशल डिस्टेंसिंग प्रोटोकॉल को बनाए रखते हुए विजुअल मर्चेंडाइजिंग के लिए दृश्य संवेदनशीलता तथा स्थानिक समझ के निर्माण में नाबार्ड द्वारा प्रायोजित स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को विजुअल मर्चेंडाइजिंग में बुनियादी प्रशिक्षण देने के लिए एक आवासीय व्यापक मॉड्यूल आयोजित करके अपने आउटरीच पोर्टफोलियो को मजबूत किया।

एनआईडी एमपी संकाय ने अकादमिक, अनुसंधान तथा उद्योग में नवीनतम रुझानों के बारे में सूचित रहने के लिए विभिन्न वेबिनार, सम्मेलनों, संगोष्ठियों आदि का आयोजन किया तथा भाग लिया, एक खुशी की बात है तथा उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सभी एनआईडी के बीच सबसे बड़ा संचालित एनआईडी परिसर होने, तथा चट्टानी भू भाग पर स्थित होने के कारण संस्थान ने अपनी स्थापना के बाद से कई चुनौतियों का सामना किया। महामारी के दौरान परिसर को यथासंभव हरा-भरा बनाने के प्रयासों को तेज किया गया तथा कई गणमान्य व्यक्तियों को एक पौधे लगाने के लिए आमंत्रित किया गया। टीम ने ढांचागत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अथक प्रयास किया तथा परिसर के बुनियादी ढांचे में सुधार जारी रखा।

सबसे बड़ा संस्थागत आयोजन, मध्य प्रदेश डिजाइन उत्सव (एमपीडीयू), जो वक्ताओं की आकाशगंगा तथा शानदार आयोजनों के साथ ऑनलाइन आयोजित किया गया, टीम द्वारा एक अच्छी तरह से समन्वित कार्यक्रम था। एमपीडीयू 2020 के पोस्टर का अनावरण प्रो. शिव उमापति, निदेशक, आईआईएसईआर, भोपाल तथा प्रो. एन श्रीधरन, निदेशक, एसपीए भोपाल द्वारा किया गया।

कोविड वर्ष द्वारा फेंकी गई चुनौतियों के कारण सभी हितधारक अब समुदाय से अधिक जुड़ाव महसूस करते हैं। एक महत्वाकांक्षी संगठन के रूप में, हम मानते हैं कि हमारी भागीदारी शक्तिशाली तथा व्यापक है, जिससे हमारी उपलब्धियों को बढ़ावा मिला है। यद्यपि उच्च शिक्षा क्षेत्र जटिल तथा कठिन है, तथापि यह महत्वपूर्ण होगा कि हम यह सुनिश्चित करते हुए तेजी से आगे बढ़ें कि हम अपने छात्रों को जो सेवाएं प्रदान करते हैं तथा जो परिणाम वे प्राप्त करते हैं, वे उच्चतम क्षमता के हों। सफल होने की हमारी क्षमता हमारे छात्रों, शिक्षकों तथा कर्मचारियों के समर्पण के साथ-साथ हमारे भागीदारों तथा हितधारकों की हमारे साथ सहयोग करने की इच्छा पर निर्भर करती है।

कई कठिन बाहरी कारकों के हम पर दबाव डालने के बावजूद, हमने शिक्षण तथा सीखने, हितधारक जुड़ाव, तथा एक नए संस्थान के रूप में उत्कृष्टता प्रदान करने की क्षमता के माध्यम से, हमने अपनी महत्वाकांक्षी योजनाओं तथा रणनीतिक उद्देश्यों को ट्रैक पर बनाए रखने के लिए अपनी चपलता, प्रतिबद्धता तथा क्षमता दिखाई है।

इस वर्ष की वार्षिक रिपोर्ट एनआईडी एमपी टीम द्वारा अपने दिए गए जनादेश के प्रति समर्पण के एक आत्म-व्याख्यात्मक प्रमाण के रूप में प्रदर्शित है। यह दर्शाता है कि महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद टीम ने संस्थान के सभी हितधारकों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान की हैं, तथा उन्होंने भारत सरकार की मदद से भविष्य में भी ऐसा करना जारी रखने का संकल्प लिया है।

प्रो. धीरज कुमार
निदेशक, एनआईडी एमपी

आभार

शासी परिषद, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश उद्योग के अनुकूल नीतियों को तैयार करने तथा उनके निरंतर समर्थन में विभिन्न पहलों के लिए भारत सरकार के माननीय वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल का आभार व्यक्त करती है।

परिषद अपने मार्गदर्शन के लिए उद्योग तथा आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के प्रति आभार व्यक्त करती है तथा विशेष धन्यवाद डॉ गुरुप्रसाद महापात्र, आईएएस, सचिव, डीपीआईआईटी; श्री रविंदर, आईएएस, संयुक्त सचिव, डीपीआईआईटी तथा श्री करण थापर, आईआरएस, उप सचिव, डीपीआईआईटी को संस्थान की नीतियों को लागू करने में उनके मार्गदर्शन तथा सहयोग के लिए धन्यवाद देती है।

परिषद भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) तथा फेडरेशन ऑफ मध्य प्रदेश चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (FMPCCI) को विभिन्न सेवाओं के सुधार, जैसे कि विभिन्न कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम का उन्नयन, संकाय के साथ बातचीत आदि के लिए अपने बहुमूल्य सुझाव देने के लिए आभार व्यक्त करती है।

परिषद वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय के अधिकारियों तथा कर्मचारियों, भारत सरकार, मध्य प्रदेश सरकार के विभिन्न मंत्रालयों तथा विभागों के साथ-साथ जिला प्रशासन भोपाल को उनके बहुमूल्य सहयोग तथा संस्थान के विकास के लिए प्रदान की गई सहायता के लिए कोटि कोटि धन्यवाद देती है।

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्यप्रदेश कैम्पस

“शिक्षा का
अंतिम उत्पाद एक
स्वतंत्र रचनात्मक व्यक्ति
होना चाहिए, जो ऐतिहासिक
परिस्थितियों और
प्रकृति की प्रतिकूलताओं
से लड़ सके।”

डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन

1. परिचय

1.1 हमारे बारे में

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्य प्रदेश (एनआईडी एमपी) उद्योग तथा आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी), वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एक "राष्ट्रीय महत्व का संस्थान" है। संस्थान का 29.49 एकड़ का हरित आवासीय परिसर भोपाल के अचारपुरा में पहाड़ियों की पृष्ठभूमि के साथ एक सुरम्य स्थान पर है, जहाँ प्रौद्योगिकी तथा नवाचार के उपयुक्त उपयोग द्वारा अत्याधुनिक वातावरण बनाया गया है।

संस्थान का दृढ़ विश्वास है कि रचनात्मक कल्पना, आकांक्षा, नवाचार तथा उत्कृष्टता को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण तथा मार्गदर्शन के साथ समर्थन देने की आवश्यकता है। संस्थान में एक विविध छात्र तथा कर्मचारी समुदाय है, जिसने एक ऐसा परिसर बनाने में मदद की है जो एक जीवंत, कलात्मक तथा बहु-सांस्कृतिक हॉटस्पॉट है। एनआईडी एमपी शिक्षार्थी केंद्रितता के सिद्धांत के लिए समर्पित है जिसके द्वारा संस्थान एक छात्र की क्षमता को महत्व देता है तथा उसका पोषण करता है। यह एक प्रतिस्पर्धी संस्कृति को भी बढ़ावा देता है जो निरंतर विकास सुनिश्चित कर सके।

एनआईडी एमपी राष्ट्रीय महत्व का एक संस्थान है। यह उपाधि एक प्रमुख सार्वजनिक उच्च शिक्षा संस्थान को प्रदान की जाती है, जो देश / राज्य के निर्दिष्ट क्षेत्र के भीतर अत्यधिक कुशल कर्मियों को विकसित करने में एक महत्वपूर्ण संस्था के रूप में कार्य करता है। इसकी कार्यात्मक स्वायत्तता, संस्थागत दक्षता, अनुसंधान के मानक तथा शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने में मदद करती है। संस्थान को मिली स्वायत्तता एनआईडी एमपी को उद्योग, सरकार आदि की आवश्यकता के अनुसार पाठ्यक्रम तथा मूल्यांकन के तरीके तैयार करने की स्वतंत्रता देती है।

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्यप्रदेश कैम्पस

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्यप्रदेश कैम्पस

1.2 वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय एवम डीपीआईआईटी

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय भारत में वाणिज्य तथा व्यापार को विनियमित करने तथा बढ़ावा देने का कार्य करता है। यह उत्पादकों तथा निर्यातकों के लिए अवसर तथा एक अच्छा काम करने का माहौल बनाने का भी प्रयास करता है। मंत्रालय का कामकाज वाणिज्य विभाग तथा उद्योग संवर्धन विभाग के माध्यम से किया जाता है

उद्योग तथा आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT) राष्ट्रीय प्राथमिकताओं तथा सामाजिक-आर्थिक उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए, औद्योगिक क्षेत्र के विकास के लिए प्रचार तथा विकासात्मक उपायों के निर्माण तथा कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार है। विभाग समग्र औद्योगिक नीति तथा देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रवाह को सुगम बनाने तथा बढ़ाने के लिए भरसक प्रयास कर रहा है। विभाग को पहले औद्योगिक नीति विभाग कहा जाता था तथा यह 27 जनवरी 2019 को अपने वर्तमान स्वरूप में अस्तित्व में आया था।

व्यापार नियमों का आवंटन

कार्य आवंटन नियमों के अनुसार, डीपीआईआईटी निम्नलिखित मामलों सहित राष्ट्रीय स्तर पर औद्योगिक नीतियों के निर्धारण के लिए जिम्मेदार है:

1. उद्योग में उत्पादकता,
2. औद्योगिक प्रबंधन,
3. ई-कॉमर्स तथा स्टार्टअप से संबंधित मामले,
4. व्यापार करने में आसानी की सुविधा,
5. खुदरा व्यापार सहित आंतरिक व्यापार को बढ़ावा देना, व्यापारियों तथा उनके कर्मचारियों का कल्याण, तथा उद्योग प्रशासन (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1951 को लागू करना, औद्योगिक लाइसेंस प्रदान करना तथा औद्योगिक उद्यमियों के ज्ञापन को स्वीकार करना।
6. विभाग बौद्धिक संपदा अधिकारों के संरक्षण से संबंधित

छह अधिनियमों का संचालन भी करता है। यह विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) तथा एनआरआई द्वारा निवेश से संबंधित मामलों को भी संभालता है तथा देश के औद्योगिक विकास के लिए निवेश को बढ़ावा देता है। अमेरिका, यूरोप, सीआईएस देशों, अफ्रीका, मध्य पूर्व, एशियाई तथा ओशिनिया देशों से संबंधित मामलों को संभालने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग तथा औद्योगिक प्रोत्साहन के लिए पांच क्षेत्रीय प्रभाग हैं।

7. विभाग केबल, हल्के इंजीनियरिंग उद्योग, हल्के उद्योग, हल्के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग उद्योग, पेपर से संबंधित क्षेत्रों के प्रचार तथा विकास के लिए भी जिम्मेदार है।

निम्नलिखित अधिनियम विभाग द्वारा प्रशासित हैं:

- उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1951
- विस्फोटक अधिनियम, 1884
- ज्वलनशील पदार्थ अधिनियम, 1952
- बॉयलर अधिनियम, 1923
- कॉपीराइट अधिनियम, 1957
- पेटेंट अधिनियम, 1970
- डिजाइन अधिनियम, 2000
- वस्तुओं का भौगोलिक संकेत (पंजीकरण तथा संरक्षण) अधिनियम, 1999
- ट्रेडमार्क अधिनियम, 1999
- राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान अधिनियम, 2014

राष्ट्रीय डिजाइन नीति को 8 फरवरी 2007 को सरकार द्वारा अनुमोदित किया गया था। नीति के विवरण में अन्य बातों के साथ-साथ एक अच्छी तरह से परिभाषित तथा प्रबंधित नियामक, प्रचारपूर्ण तथा संस्थागत ढांचे के माध्यम से भारतीय डिजाइन को बढ़ावा देना शामिल है।

यह नीति मौजूदा एनआईडी, डिजाइन संस्थानों तथा मानव संसाधनों के अंतरराष्ट्रीय मानकों के उन्नयन पर विशेष ध्यान देती है तथा इसका उद्देश्य भारत के सभी क्षेत्रों में डिजाइन में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रसार करना है। इसके उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए 2007 में कैबिनेट ने भोपाल, कुरुक्षेत्र, जोरहाट तथा विजयवाड़ा में चार राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान स्थापित करने की मंजूरी दी थी । वे संस्थान स्वायत्त रूप में स्थापित हैं तथा क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में कार्य कर रहे हैं।

1.3 एनआईडी का अधिदेश

एनआईडी का अधिदेश विश्व स्तरीय डिजाइन शिक्षा प्रदान करना तथा गुणवत्तापूर्ण डिजाइन तथा उनके अनुप्रयोग के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है जिससे जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो। इसके माध्यम से सन्निहित है:

- भारत की विविध डिजाइन जरूरतों को पूरा करने के लिए उत्कृष्टता के डिजाइन पेशेवर तैयार करना।
- डिजाइन प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण देना, अन्य संस्थानों के डिजाइन कौशल को बढ़ाना तथा वैश्विक पर्यावरण के अनुरूप डिजाइन शिक्षा तथा अनुसंधान को बढ़ावा देना।
- मौजूदा तथा नए संस्थागत तंत्रों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण डिजाइन पेशेवरों तथा शिक्षकों की संख्या में वृद्धि करना।
- पारंपरिक तथा साथ ही आधुनिक तकनीकों से संबंधित उत्पादों, प्रणालियों, सामग्रियों, डिजाइन तथा उत्पादन प्रक्रियाओं पर डिजाइन ज्ञान, अनुभव तथा जानकारी का भंडार बनना।
- सस्ती कीमत पर स्वदेशी डिजाइन समाधान तथा रोजमर्रा के उपयोग के लिए उत्पादों को प्रोत्साहित करना।
- यह सुनिश्चित करना कि पेशेवर डिजाइनरों को डिजाइन शिक्षा तथा अभ्यास के मानकों को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय महत्व के प्रमुख क्षेत्रों में रखा गया है।
- राजस्व अर्जित करने की रणनीति के रूप में छात्रों की भागीदारी के साथ एकीकृत डिजाइन परामर्श सेवाएं तथा अभिनव डिजाइन समाधान पेश करना।
- जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन जैसे बहु-विषयक क्षेत्रों के लिए डिजाइन इनपुट, उत्पाद, सेवाएं, प्रक्रियाएं, सिस्टम आदि बनाना तथा प्रदान करना।

- बेहतर जानकारी तथा इंटरफेस डिजाइन के माध्यम से भौतिक दुनिया को आभासी तथा डिजिटल दुनिया के साथ एकीकृत करना।
- आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से शिल्प तथा हथकरघा क्षेत्र, ग्रामीण प्रौद्योगिकी, छोटे, मध्यम तथा बड़े पैमाने के उद्यमों के लिए डिजाइन हस्तक्षेप प्रदान करना तथा इस तरह रोजगार के अवसर पैदा करना।

1.4 राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान अधिनियम

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश को 29 नवंबर 2019 को भारत के राष्ट्रपति द्वारा दी गई सहमति के बाद राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (संशोधन) अधिनियम, 2019 (वर्ष 2019 का संख्या 38) के दायरे में लाया गया था। संस्थान अब स्नातक पाठ्यक्रम डिजाइन में डिग्री (बी. डेस.), डिजाइन में मास्टर डिग्री (एम. डेस.) तथा डिजाइन में पीएचडी डिग्री पढ़ाने के लिए पात्र है।

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (संशोधन) अधिनियम, 2019 राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान अधिनियम, 2014 के संयोजन में पढ़ा जाता है।

कार्य प्रगति पर

छात्र अपना असाइनमेंट तैयार कर रहे हैं

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश परिसर

“वास्तविक शिक्षा
में स्वयं में से सर्वश्रेष्ठ
को निकालना शामिल है।
इंसानियत की किताब
से बढ़कर और कौन सी
किताब हो सकती है?”

महात्मा गांधी

2. वैधानिक निकाय

2.1 शासी परिषद

शासी परिषद (जीसी) संस्थान के सामान्य अधीक्षण, निर्देशन, नियंत्रण तथा संस्थागत प्रदर्शन की निगरानी के लिए जिम्मेदार है। यह संस्थान की अकादमिक तथा अन्य संबंधित गतिविधियों का पर्यवेक्षण करता है, नीतिगत निर्णय लेता है, छात्रों के अकादमिक प्रदर्शन की समीक्षा करता है, शैक्षिक विकास की निगरानी करता है, वार्षिक बजट पारित करता है, खातों के लेखा परीक्षित विवरणों की समीक्षा करता है, शैक्षणिक कार्यक्रमों की शुरूआत को मंजूरी देता है। जीसी प्रस्तावों की भी जांच करता है। गतिविधियों के संबंध में संस्थान के विकास तथा समग्र विकास के लिए गतिविधियों की योजना बनाई गई है।

शासी परिषद के सदस्य

श्री रविंदर
अध्यक्ष, संयुक्त सचिव,
डीपीआईआईटी, वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार

प्रो. धीरज कुमार
सदस्य सचिव, निदेशक
राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश

श्री शशांक प्रिया
सदस्य, अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार
डीपीआईआईटी, वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार

श्री संजय प्रसाद
सदस्य, संयुक्त सचिव
लोक वित्त II प्रभाग, व्यय विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार

श्रीमती नीता प्रसाद
सदस्य, संयुक्त सचिव (आईसीसी / पी)
उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार

श्री अनुपम राजन
सदस्य, प्रमुख सचिव
उच्च शिक्षा विभाग, मध्य प्रदेश सरकार

श्री मनोज गोविल
सदस्य, प्रमुख सचिव
वित्त विभाग, मध्य प्रदेश सरकार

श्री संजय कुमार शुक्ला
सदस्य, प्रमुख सचिव
औद्योगिक नीति तथा निवेश प्रोत्साहन विभाग, मध्य प्रदेश सरकार
(10/05/2020 -31/03/2021)

श्री अविनाश लवानिया
सदस्य, जिला कलेक्टर
भोपाल जिला, मध्य प्रदेश सरकार (19/06/2020 - 31/03/2021)

डॉ. राजेश राजोरा
सदस्य, प्रमुख सचिव
औद्योगिक नीति तथा निवेश प्रोत्साहन विभाग, मध्य प्रदेश सरकार
(01/04/2020 - 10/05/2020)

श्री तरुण कुमार पिथोड़े
सदस्य, जिला कलेक्टर
भोपाल जिला, मध्य प्रदेश सरकार (01/04/2020 - 19/06/2020)

शासी परिषद की दूसरी बैठक

23 जुलाई 2020 को आयोजित गवर्निंग काउंसिल की दूसरी बैठक में निम्नलिखित निर्णय लिए गए:

एजेंडा नंबर 1 से एजेंडा नंबर 5 नियमित एजेंडा आइटम हैं।

6. संस्थान की शासी परिषद की पहली बैठक की कार्यवाही पर की गई कार्रवाई रिपोर्ट को मंजूरी दी गई।

7. दिनांक 29.05.2019 को आयोजित जीसी की पहली बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि की गई।

8. परिषद ने राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (संशोधन) अधिनियम, 2019 (वर्ष 2019 का संख्या 38) के लिए भारत के राष्ट्रपति की सहमति पर ध्यान दिया, जिसे 29.11.2019 को पारित किया गया था।

9. परिषद ने उद्योग तथा आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग, वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संस्थान को 'राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश' के रूप में पुन: नाम देने तथा लोगो में परिणामी परिवर्तन के निर्णय पर ध्यान दिया।

10. परिषद ने देश में कोविड-19 के प्रकोप तथा ऑनलाइन

शुरू होने के कारण 17.03.2020 से दूसरे सेमेस्टर में पढ़ने वाले छात्रों के लिए परिसर में शारीरिक कक्षाओं को बंद करने पर ध्यान दिया।

11. परिषद ने संस्थान को CII, FICCI तथा FMPCCI जैसे व्यावसायिक निकायों की टर्म सदस्यता प्राप्त करने पर ध्यान दिया।

12. परिषद ने संस्थान को सीजीएचएस दरों पर भोपाल में अस्पतालों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने वाले मुददे को नोट किया।

13. परिषद ने "भोपाल में नए राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान की योजना, डिजाइन तथा निर्माण" के काम की स्थिति पर ध्यान दिया तथा संस्थान से डीपीआईआईटी को एक स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा । परिषद ने निदेशक को पहले चरण में एनबीसीसी से शेष भुगतान जारी करने के लिए व्यापक प्रस्ताव भेजने के लिए भी कहा ताकि पैसे की कमी के लिए लंबित कार्यों (विशेषकर एम्फीथिएटर) को पूरा किया जा सके।

14. परिषद ने एनआईडी एमपी द्वारा मौजूदा परिसर के सामने 3.343 हेक्टेयर तथा दक्षिण की तरफ 4.88 हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि के आवंटन के लिए उठाए गए मामले पर ध्यान दिया।

15. परिषद ने श्री सुरेश चंद्र ठाकुर, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, को उनके मूल संगठन यानी आईआईटी इंदौर में किये गए उनके अनुरोध पर प्रत्यावर्तन पर ध्यान दिया।

16. परिषद ने संस्थान में ग्रेजुएट डिप्लोमा प्रोग्राम इन डिज़ाइन (जीडीपीडी) शैक्षणिक कार्यक्रम की शुरुआत पर ध्यान दिया, जो 15 जुलाई 2019 को 57 छात्रों की संख्या के साथ शुरू हुआ था।

17. परिषद ने 20 दिसंबर 2019 को जीडीपीडी कार्यक्रम के सेमेस्टर-1 के समापन को नोट किया।

18. परिषद ने संस्थान की वेबसाइट तथा संस्थान के सोशल मीडिया खातों को बनाए जाने पर ध्यान दिया।

19. परिषद ने संस्थान की विभिन्न गैर-सांविधिक समितियों के निर्माण पर ध्यान दिया।

20. परिषद ने एनआईडी एमपी को राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश का संक्षिप्त नाम माना तथा अनुमोदित किया।

21. परिषद ने राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (संशोधन) अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार संस्थान के पहले बैच तथा बाद के बैचों के लिए डिजाइन में स्नातक डिप्लोमा कार्यक्रम (जीडीपीडी) को डिजाइन में स्नातक डिग्री (बी. डेस.) के रूप में नामित करने पर विचार तथा अनुमोदन किया। वर्ष 2019 के सभी 57 छात्र जिन्होंने शैक्षणिक वर्ष 2019-20 में जीडीपीडी कार्यक्रम में प्रवेश लिया था, उन्हें कार्यक्रम के सफल समापन पर डिजाइन में स्नातक डिग्री (बी. डेस.) से सम्मानित किया जाएगा।

22. परिषद ने एनआईडी, अहमदाबाद की तर्ज पर विदेशी उम्मीदवारों के लिए अतिरिक्त 15% अतिरिक्त सीटों के प्रावधान पर विचार तथा अनुमोदन किया।

23. परिषद ने संस्थान के कामकाज के संबंध में निम्नलिखित का समाधान किया:

    i. D P I I T राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (संशोधन) अधिनियम, 2019 के अनुसार शासी परिषद के पुनर्गठन को गति देगा।

    ii. एनआईडी एमपी एनआईडी के लिए एक परिषद के गठन के संबंध में सभी एनआईडी के प्रतिनिधित्व से परिषद के दायरे, शक्तियों, पहलुओं आदि के बारे में एक विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत करेगा। इसी तरह, अन्य एनआईडी को भी अपने प्रस्ताव प्रस्तुत करने चाहिए ताकि एनआईडी के लिए परिषद से संबंधित तौर-तरीकों पर काम किया जा सके।

    iii. प्रयास किया जाएगा कि डीपीआईआईटी में डिजाइन अनुभाग द्वारा संभाली जा रही अन्य जिम्मेदारियों को कम किया जाए ताकि एनआईडी से संबंधित मामलों से निपटने के लिए पर्याप्त समय मिल सके।

    iv. बीई (बजट अनुमान) को समय पर एनआईडी को सूचित किया जाना चाहिए ताकि वे तदनुसार अपनी गतिविधियों की योजना बना सकें।

24. परिषद ने राष्ट्रीय महत्व के सार्वजनिक विश्वविद्यालयों तथा संस्थानों में पालन किए जाने वाले विनियमों की तर्ज पर

संस्थान की चिकित्सा उपस्थिति तथा उपचार विनियमों को तैयार करने के प्रस्ताव पर विचार किया तथा अनुमोदन किया। वित्तीय प्रभाव, यदि कोई हो, तो प्रस्ताव में लाया जाना है।

25. परिषद ने 25 नियमित कर्मचारियों को शामिल करने तथा पारिश्रमिक के भुगतान तथा उनके यात्रा/भोजन/आवास व्यय के नियमानुसार भुगतान करने पर विचार किया तथा अनुमोदित किया। परिषद ने संस्थान से शिक्षण पदों के लिए डिजाइन के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा को आकर्षित करने के लिए एक कार्यप्रणाली तैयार करने के लिए भी कहा।

26. परिषद ने सलाहकारों/कर्मचारियों को उनके नाम के सामने उल्लिखित अवधि के लिए अनुबंध के आधार पर नियुक्त करने पर विचार किया तथा उन्हें मंजूरी दी।

27. परिषद ने एडजंक्ट फैकल्टी, मानद फैकल्टी, प्रोफेसर एमेरिटस, चेयर प्रोफेसर आदि की नियुक्ति के लिए बनाई गई नीति पर निर्णय को टाल दिया तथा संस्थान को डीपीआईआईटी को अलग से प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए कहा, यह स्पष्ट करते हुए कि क्या नियुक्ति स्वीकृत पदों के अनुसार की जाएगी या अन्यथा, तथा इन श्रेणियों में संकाय को शामिल करने के लाभ, वित्तीय प्रभाव आदि को प्रस्ताव में लाया जाना है।

28. परिषद ने संकाय के लिए व्यावसायिक विकास भत्ता (पीडीए) के प्रावधान के संबंध में प्रस्ताव पर एक निर्णय स्थगित कर दिया तथा संस्थान को डीपीआईआईटी को एक विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए कहा।

29. परिषद ने अस्थायी आधार पर संस्थान के स्वास्थ्य केंद्र के लिए अनुबंध पर एक चिकित्सा अधिकारी की नियुक्ति के प्रस्ताव को खारिज कर दिया तथा निर्देश दिया कि संस्थान को दौरे के आधार पर एक चिकित्सा अधिकारी को नियुक्त करने की व्यवहार्यता का पता लगाना चाहिए।

30. परिषद ने कार्यसूची से जुड़े प्रारूपों के अनुसार संकाय, प्रशासनिक कर्मचारियों तथा तकनीकी कर्मचारियों के लिए एपीएआर प्रारूपों को अपनाने को मंजूरी दी।

31. परिषद ने वित्तीय वर्ष 2019-20 में संस्थान के लिए हाउसकीपिंग, सुरक्षा, परिवहन तथा मेस सेवाओं की भर्ती को मंजूरी दी।

32. पात्र श्रेणियों के कर्मचारियों को टेलीफोन तथा समाचार पत्र शुल्क की प्रतिपूर्ति के लिए परिषद ने नीति की पुष्टि की।

33. परिषद ने संकाय, प्रशासनिक तथा तकनीकी स्टाफ पदों के विभिन्न पदों के लिए चयन समितियों की सिफारिशों की पुष्टि की।

34. परिषद ने संस्थान की व्यावसायिक परामर्श नीति की पुष्टि की। यह महसूस किया गया कि उपरिव्यय पर नीति का अधिक विवरण में वर्णन किया जाना चाहिए।

35. परिषद ने संस्थान की मानदेय नीति की पुष्टि की।

36. परिषद ने संस्थान में पुस्तकालय प्रशिक्षुओं की नियुक्ति पर नीति की पुष्टि की।

37. परिषद ने संस्थान की छात्रावास नीति की पुष्टि की।

38. परिषद ने संस्थान के आवास आवंटन नियमों की पुष्टि की।

39. परिषद ने संस्थान के गेस्ट हाउस के लिए एसओपी की पुष्टि की।

40. परिषद ने भुगतान के आधार पर परिसर में रहने वाले कर्मचारियों द्वारा कार्यालय वाहनों के उपयोग की नीति की पुष्टि की, जब वाहन आधिकारिक ड्यूटी पर उपयोग में नहीं लाया जा रहा हो।

41. परिषद ने सलाह दी कि सीनेट में शामिल किए जाने के लिए प्रस्तावित नामों को विचार के लिए डीपीआईआईटी को भेजा जाए।

42. परिषद ने सलाह दी कि शासी परिषद की स्थायी समिति में शामिल किए जाने के लिए प्रस्तावित नामों को विचार के लिए डीपीआईआईटी को भेजा जाए।

43. परिषद ने सलाह दी कि अकादमिक सलाहकार समिति में शामिल किए जाने के लिए प्रस्तावित नामों को विचार के लिए डीपीआईआईटी को भेजा जाए।

44. परिषद् ने एजेंडा के नोट्स में सूचीबद्ध नामों के अनुसार संस्थान के प्रथम संकाय फोरम का गठन किया।

45. परिषद ने निम्नलिखित विवरण के अनुसार गतिविधि अध्यक्षों की नियुक्ति की:

i. शिक्षा तथा प्रशिक्षण: गतिविधि अध्यक्ष - प्रो. धीरज कुमार; उपाध्यक्ष - श्री विद्या भूषण

ii. अनुसंधान एवं विकास एवं केएमसी (अनंतिम): गतिविधि अध्यक्ष - प्रो. धीरज कुमार; उपाध्यक्ष - सुश्री शिखा अग्रवाल

iii. रणनीति तथा योजना: गतिविधि अध्यक्ष - सुश्री नीतिका देवगन; उपाध्यक्ष - सुश्री अनुस्मिता दास

iv. ग्लोबल आउटरीच सेल: गतिविधि अध्यक्ष - श्री अमित कुमार गहलोत; उपाध्यक्ष - सुश्री शिखा अग्रवाल

v. वेलनेस सेंटर (अनंतिम): गतिविधि अध्यक्ष - प्रो. धीरज कुमार; उपाध्यक्ष - सुश्री सुव्रता यादव

46. परिषद ने निम्नलिखित संकाय सदस्यों को विभाग के कर्तव्यों को सौंपने पर विचार किया तथा उन पर ध्यान दिया:

i. फाउंडेशन स्टडीज: सुश्री नीतिका देवगन

ii. वस्त्र तथा परिधान डिजाइन: डॉ शेखर चटर्जी

iii. औद्योगिक डिजाइन: डॉ. सुकन्या बोर सैकिया

iv. संचार डिजाइन: श्री प्रमोद कुमार मार्शल

47. परिषद ने सलाह दी कि अकादमिक सलाहकार समिति में शामिल किए जाने के लिए प्रस्तावित नामों को विचार के लिए डीपीआईआईटी को भेजा जाए।

48. परिषद ने संस्थान के सभी नियमित कर्मचारियों की परख अवधि को एक से दो वर्ष तक बढ़ाने का संकल्प लिया, ताकि परिवीक्षा को मंजूरी देने से पहले इन कर्मचारियों के प्रदर्शन का आकलन करने के लिए संस्थान को पर्याप्त समय दिया जा सके।

49. परिषद ने राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, अहमदाबाद के शिक्षाविदों से संबंधित विधियों, अध्यादेशों तथा प्रक्रियाओं को तब तक अपनाने पर विचार किया तथा संकल्प लिया, जब तक कि एनआईडी एमपी के शिक्षाविदों से संबंधित क़ानून, अध्यादेश तथा प्रक्रियाएं सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी नहीं की जाती हैं।

50. परिषद ने संस्थान को सरकार के नियमों तथा विनियमों को अपनाने के वित्तीय निहितार्थ पर काम करने के लिए कहा। भारत सरकार की लेखा प्रक्रिया, खरीद, कार्य, चिकित्सा सुविधा आदि से संबंधित तथा सेवा शर्तों आदि से संबंधित केंद्रीय सिविल सेवा नियम के वित्तीय निहितार्थ पर काम करें, तथा अगली बैठक में प्रस्तुत करने के लिए कहा।

51. परिषद ने वित्तीय वर्ष में "जीआईए-कैपिटल" के तहत 5.73 करोड़ रुपये 2019-20 में मेसर्स एनबीसीसी इंडिया लिमिटेड के माध्यम से परिसर में कुछ अतिरिक्त कार्य करने के लिए अतिरिक्त आवंटन पर ध्यान दिया। ।

52. परिषद ने निर्दिष्ट उद्देश्यों के लिए एनआईडी एमपी के बैंक खाते खोलने पर ध्यान दिया।

53. परिषद ने वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान संस्थान की वित्तीय प्रगति पर ध्यान दिया।

54. परिषद ने संस्थान को स्थायी खाता संख्या, जीएसटी पंजीकरण, जीएसटी टीडीएस पंजीकरण, टैन पंजीकरण तथा व्यावसायिक कर के लिए पंजीकरण प्राप्त करने पर ध्यान दिया।

55. परिषद ने संस्थान को वर्तमान स्थिति, लंबित मुद्दों तथा चिंता के क्षेत्रों, यदि कोई हो, को सूचीबद्ध करते हुए डीपीआईआईटी को निर्माण के पहले चरण पर एक स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करने की सलाह दी।

56. परिषद ने स्व-वित्तपोषित तथा अंशदायी आधार पर नियमित कर्मचारियों के लिए समूह सावधि बीमा खरीदने पर विचार किया तथा अनुमोदित किया।

57. परिषद ने संस्थान को नई पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के तहत आने वाली मृत्यु सह सेवानिवृत्ति ग्रेच्युटी (डीसीआरजी) योजना को अपनाने के वित्तीय निहितार्थ पर काम करने तथा अगली बैठक में प्रस्तुत करने के लिए कहा।

58. परिषद ने वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए संस्थान के वार्षिक लेखों को लेखा परीक्षा/अनुमोदन के लिए सीएजी कार्यालय में निम्नलिखित शर्तों के अधीन प्रस्तुत करने पर विचार किया तथा अनुमोदित किया:

i. फॉर्म ए: "बैलेंस शीट"

परिषद ने टिप्पणी की कि बैलेंस शीट के परिसंपत्ति पक्ष में अचल संपत्तियों को लागत के बजाय शुद्ध मूल्य के आधार पर दिखाया जाना चाहिए। साथ ही, बैलेंस शीट के देयता पक्ष पर मूल्यह्रास निधि नहीं होनी चाहिए।

ii. अनुसूची 2: "निर्धारित निधि"

परिषद ने टिप्पणी की कि वर्ष के दौरान अर्जित आंतरिक राजस्व को कॉर्पस फंड / निर्धारित फंड में स्थानांतरित नहीं किया जा सकता है। अर्जित राजस्व का उपयोग वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान संस्थान द्वारा किए जाने वाले व्यय के लिए किया जाएगा तथा इसे चालू वर्ष के लिए डीपीआईआईटी को प्रस्तुत जीआईए फंड की कुल आवश्यकता से कम किया जाएगा।

iii. अनुसूची 8: "वर्तमान संपत्ति, ऋण, अग्रिम"

परिषद ने निर्देश दिया कि खातों को संतुलित करने के लिए एनआईडी अहमदाबाद से प्राप्य राशि जल्द से जल्द प्राप्त की जाए।

iv. अनुसूची 13: "ब्याज अर्जित"

परिषद ने निर्देश दिया कि सरकार से प्राप्त अनुदान पर अर्जित ब्याज सरकार को वापस किया जाना चाहिए या चालू वर्ष के लिए डीपीआईआईटी को प्रस्तुत जीआईए फंड की कुल आवश्यकता से कम किया जाना चाहिए।

v. अनुसूची 15: "अन्य प्रशासनिक व्यय"

परिषद ने सुरक्षा तथा हाउसकीपिंग पर उच्च व्यय पर चिंता व्यक्त की तथा सुरक्षा तथा हाउसकीपिंग कर्मियों की आवश्यकता का पुनर्मूल्यांकन करने की आवश्यकता महसूस की।

59. परिषद ने टिप्पणी की कि अर्जित आंतरिक राजस्व को कॉर्पस फंड में स्थानांतरित नहीं किया जा सकता है। संस्थान द्वारा वर्ष 2019-20 में अर्जित राजस्व 1,49,66,793.00 रुपये की राशि का उपयोग वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान संस्थान द्वारा किए जाने वाले व्यय के लिए किया जाएगा।

60. संस्थान को 2019-24 की अवधि के लिए एसएफसी प्रस्ताव में अनुमानित बुनियादी ढांचे की आवश्यकता को फिर से समीक्षा करने के लिए कहा गया, क्योंकि वित्त मंत्रालय द्वारा जारी वर्तमान अर्थव्यवस्था निर्देश किसी भी नए ईएफसी / एसएफसी प्रस्ताव पर विचार करने की अनुमति नहीं देते हैं।

61. परिषद ने वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए जीआईए फंड की मांग पर विचार किया तथा उसे मंजूरी दी।

62. संस्थान द्वारा यह बताया गया कि शासी परिषद की पहली बैठक में पारित प्रस्ताव के अनुसार वर्ष 2020-21 में द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए शिक्षण शुल्क @ 3,06,600/- तथा प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए @ 3,23,600/- (सुरक्षा जमा सहित) लिया जाएगा।

एजेंडा संख्या 63 से एजेंडा संख्या 64 नियमित एजेंडा आइटम हैं।

मैं एनआईडी मध्य प्रदेश में हूँ

परिसर में उत्सव

शासी परिषद की तीसरी बैठक

08 दिसंबर 2020 को आयोजित शासी परिषद की तीसरी बैठक में निम्नलिखित निर्णय लिए गए:

एजेंडा नंबर 1 से एजेंडा नंबर 4 नियमित एजेंडा आइटम हैं।

5. शासी परिषद ने 23.07.2020 को आयोजित दूसरी बैठक में की गई कार्रवाई रिपोर्ट को निम्नलिखित टिप्पणियों के अधीन अनुमोदित किया:

   i. जिन मामलों पर शासी परिषद की पिछली बैठक में चर्चा की गई है तथा जिन पर आगे चर्चा की जानी है, उन्हें बाद की बैठक में एजेंडा बिंदु के रूप में रखा जाना चाहिए।

   ii. परिषद ने संस्थान को कार्य परिषद की अगली बैठक में एजेंडा बिंदु संख्या 24, 27, 28, 34, 50 तथा 57 से संबंधित मामलों को एजेंडा बिंदु के रूप में प्रस्तुत करने के लिए कहा।

   iii. परिषद सैद्धांतिक रूप से 15% अतिरिक्त सीटों के प्रावधान पर सहमत हुई तथा सलाह दी कि संस्थान को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यह एनआईडी (संशोधन) अधिनियम, 2019 के किसी भी प्रावधान के उल्लंघन में नहीं है। साथ ही, किए गए प्रावधान एनआईडी अहमदाबाद के समान होने चाहिए।

   iv. परिषद ने संस्थान को एनआईडी परिषद के गठन के लिए एक विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

   v. संस्थान को एनआईडी एमपी परिसर के निर्माण के पहले चरण के निर्माण में मैसर्स एनबीसीसी द्वारा खर्च की गई अतिरिक्त लागत का विस्तृत विवरण भी प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

6. परिषद ने 23.07.2020 को आयोजित जीसी की दूसरी बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि की।

7. परिषद ने बी. डेस.के सेमेस्टर 2 के समापन तथा सेमेस्टर 3 के प्रारंभ होने पर ध्यान दिया।

8. परिषद ने 17.08.2020 को दूसरे बैच के लिए बी. डेस. के सेमेस्टर 1 के प्रारंभ होने पर ध्यान दिया।

9. परिषद ने संस्थान के नियमित कर्मचारियों के लिए एनपीएस नियोक्ता योगदान @ 14% के कार्यान्वयन पर भारत सरकार की अधिसूचना दिनांक 31.01.2019 को अपनाने को मंजूरी नहीं दी तथा सूचित किया कि वित्त मंत्रालय ने स्वायत्त निकायों के लिए सभी संबंधित मंत्रालयों को एनपीएस नियोक्ता योगदान @ 10% को लागू करने के निर्देश जारी किए हैं।

10. परिषद ने संस्थान को वर्ष 2020-21 के संशोधित बजट अनुमानों तथा वर्ष 2021-22 के बजट अनुमानों के माध्यम से मांगी गई राशि का विस्तृत उपयोग योजना देखने के लिए प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

11. परिषद ने सलाह दी कि संस्थान के नियमित कर्मचारियों के लिए सेवा मामलों/वेतन/भत्तों/सेवानिवृत्ति लाभों पर भारत सरकार/डीओपीटी/एमओएफ के कार्यालय ज्ञापन के कार्यान्वयन से संबंधित मामलों को मामला-दर-मामला आधार पर एजेंडा बिंदु के रूप में रखा जाए।.

12. परिषद ने वर्ष 2020-21 के लिए लेखा परीक्षक के रूप में मेसर्स सोराब एस. इंजीनियर एंड कंपनी की नियुक्ति की पुष्टि की।

13. परिषद ने बी. डेस., एम. डेस., तथा पीएचडी प्रवेश के संबंध में एनआईडी अहमदाबाद के प्रवेश संबंधी नियमों तथा प्रक्रियाओं को अपनाने को मंजूरी देते हुए संस्थान को प्रवेश प्रक्रिया के समय किसी भी प्रतिनिधित्व से बचने के लिए प्रवेश नियमों के प्रावधानों के बीच विसंगतियों की जांच करने का निर्देश दिया।

14. परिषद ने संस्थान को एनआईडी अहमदाबाद को परामर्श शुल्क के रूप में किसी भी राशि का भुगतान नहीं करने का निर्देश दिया क्योंकि प्रवेश शुल्क के रूप में उनके द्वारा एकत्र की गई धनराशि सभी परामर्श तथा विविध शुल्कों का ध्यान रखने में सक्षम होनी चाहिए।

2.2 शासी परिषद की स्थायी समिति

शासी परिषद की स्थायी समिति का उद्देश्य शैक्षणिक, स्थापना, छात्र तथा कर्मचारी कल्याण, बजट, वित्तीय नियोजन, कार्य, अनुबंध, पूंजीगत व्यय, पुस्तकालय तथा संस्थान के कामकाज से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण मामलों की जांच करना है, जिनका शासी परिषद के समक्ष प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

स्थायी समिति कर्मचारियों की भर्ती, शिक्षण तथा गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की सेवा शर्तों, वार्षिक लेखा, बजट, आय तथा व्यय, आवर्ती / अनावर्ती व्यय की सीमा तय करने, बुनियादी ढांचे की खरीद तथा रखरखाव, निर्माण, संपत्ति, नियामक अनुपालन, गुणवत्ता नीति, नवाचार तथा ऊष्मायन, पेटेंट आदि से संबंधित मामलों पर सिफारिशें कर सकती है।

2.3 सीनेट

एनआईडी एमपी में सीनेट प्रवेश, निर्देश तथा परीक्षा, पाठ्यक्रम संरचना तथा संशोधन, छात्रवृत्ति तथा पुरस्कार प्रदान करने, डिग्री प्रदान करने, विषयों / कार्यक्रमों / परिसरों के निर्माण, पुनर्गठन तथा उन्मूलन आदि से संबंधित मामलों की जांच करता है। इस उद्देश्य के लिए, सीनेट समितियों या कार्य समूहों का गठन कर सकते हैं, जो विशिष्ट कार्यों की जांच करते हैं तथा अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करते हैं। सीनेट विभिन्न संकाय धाराओं तथा विषयों की गतिविधियों की आवधिक समीक्षा भी करती है तथा संस्थान की शिक्षा के मानकों की उत्कृष्टता को बनाए रखने के लिए उचित कार्रवाई की सिफारिश करती है।

2.4 संकाय फोरम

फैकल्टी फोरम में संस्थान के सभी शिक्षण तथा संकाय सदस्य होते हैं। फोरम को शैक्षणिक मामलों, शिक्षण में नवीन पद्धतियों, कौशल वृद्धि विधियों, नई तकनीकों तथा शिक्षा के क्षेत्र में नए विकास पर चर्चा करने के लिए एक मंच के रूप में बनाया गया है। विभाग प्रमुख तथा गतिविधि अध्यक्ष पिछले संकाय मंच के संचालन के बाद से अपने संबंधित विषयों / गतिविधियों में हुई प्रगति को प्रस्तुत करते हैं। फैकल्टी फोरम की बैठकें वर्ष में कम से कम दो बार आयोजित की जाती हैं। मंच पाठ्यक्रम वितरण, मूल्यांकन तथा निर्णायक मंडल पर सीनेट को प्रतिक्रिया भी देता है।

एक सत्र चल रहा है

उन्होंने जो सीखा है उसका अभ्यास करना

फैकल्टी फोरम के दौरान चर्चा

समूह फोटो

“बूंद-बूंद से
पानी का घड़ा भर
जाता है। इसी तरह,
बुद्धिमान व्यक्ति,
थोड़ा-थोड़ा ज्ञान इकट्ठा
करके, खुद को अच्छे
से भर देता है।”

गौतम बुद्ध

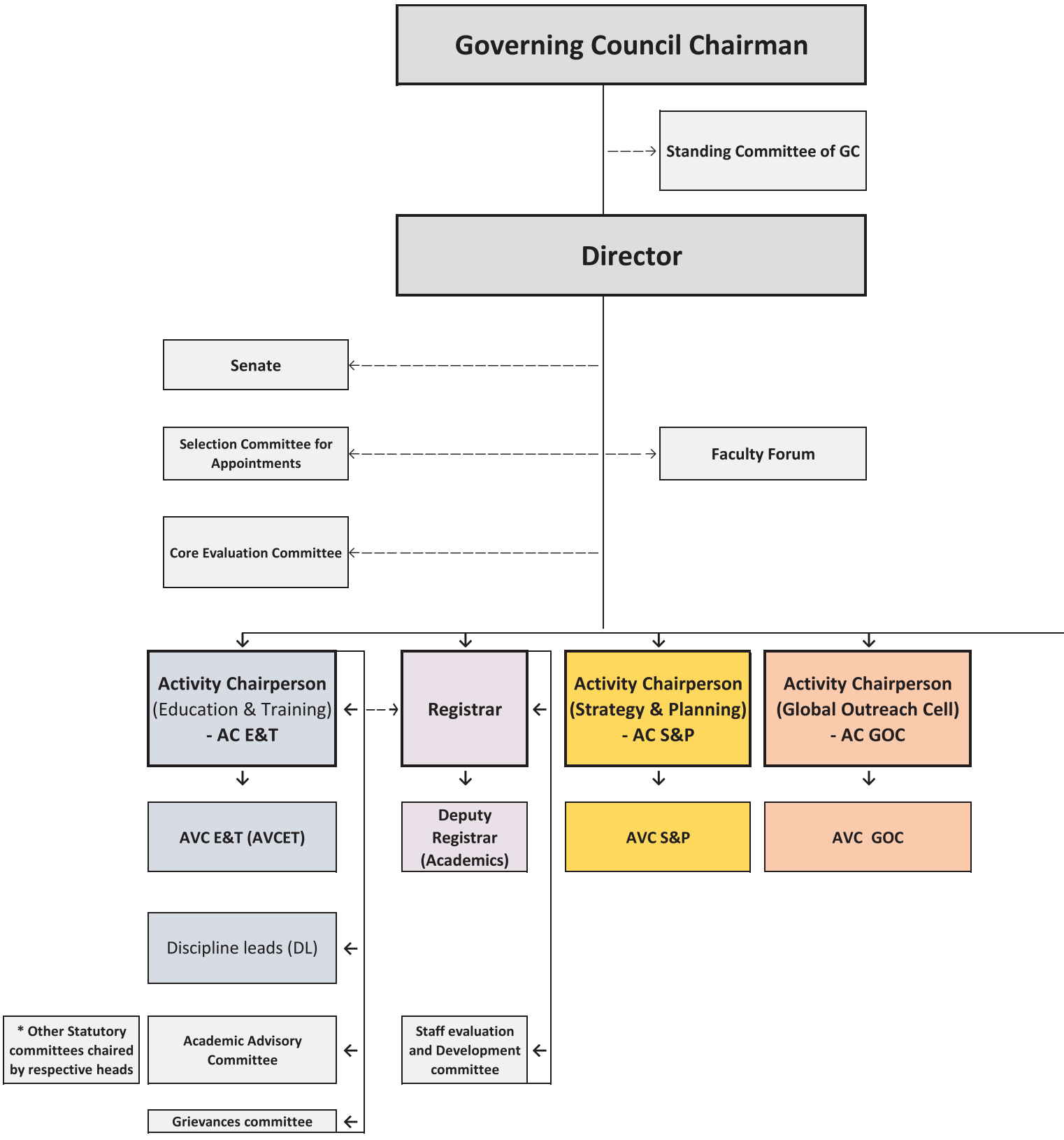
Governing Council Chairman
Standing Committee of GC
Director
Senate
Selection Committee for Appointments
Faculty Forum
Core Evaluation Committee
Activity Chairperson (Education & Training) - AC E&T
Registrar
Activity Chairperson (Strategy & Planning) - AC S&P
Activity Chairperson (Global Outreach Cell) - AC GOC
AVC E&T (AVCET)
Deputy Registrar (Academics)
AVC S&P
AVC GOC
Discipline leads (DL)
* Other Statutory committees chaired by respective heads
Academic Advisory Committee
Staff evaluation and Development committee
Grievances committee

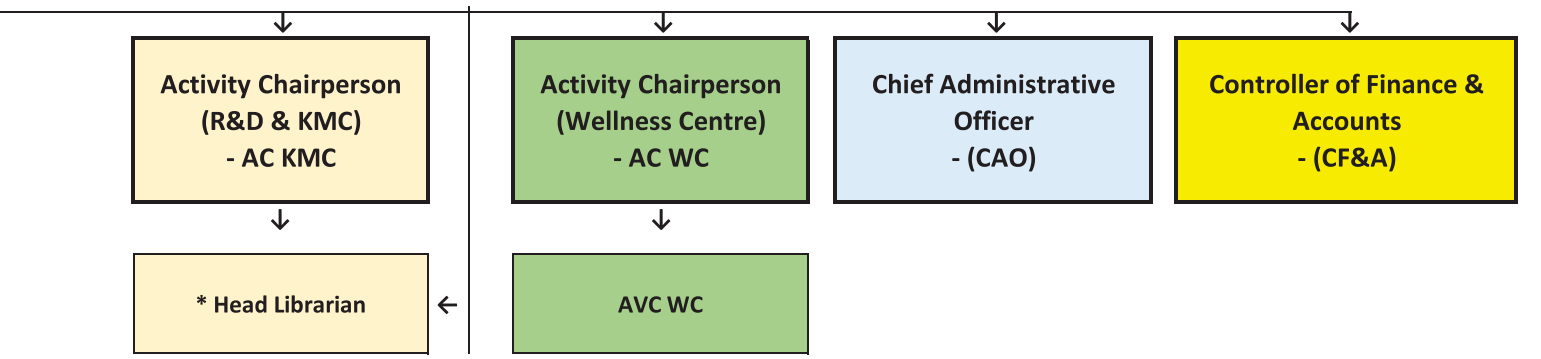

नोट:

1. सभी यूजी कार्यक्रमों के लिए प्रथम वर्ष के सामान्य फाउंडेशन स्टडीज को सभी विषयों के लिए व्यापक ज्ञान आधार बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
2. सभी स्नातक कार्यक्रमों का उन्मुखीकरण व्यापक आधारित है, संकाय स्ट्रीम की जरूरतों से जुड़ा हुआ है।
3. सभी कार्यक्रम उद्योग प्रथाओं और मानकों के अनुरूप हैं। विभिन्न शैक्षणिक प्रारूपों में सभी कार्यक्रमों के लिए उद्योग का केंद्रीय प्रदर्शन।

3. संगठनात्मक तथा शैक्षणिक कार्यप्रवाह

3.1 फैकल्टी स्ट्रीम

फैकल्टी स्ट्रीम संस्थान की एक अकादमिक इकाई है जो शैक्षणिक गतिविधियों जैसे डिजाइन शिक्षा, परामर्श, अनुसंधान तथा विकास में लगी हुई है। संस्थान यूजी, पीजी तथा पीएचडी स्तरों पर विभिन्न डिजाइन विषयों के माध्यम से निम्नलिखित संकाय धाराओं के तहत शिक्षा कार्यक्रम प्रदान करता है। प्रत्येक संकाय स्ट्रीम का व्यापक फोकस क्षेत्र है:

औद्योगिक डिजाइन संकाय (FID)

यह असाधारण, नवोन्मेषी अनुभवी प्राध्यापकों की एक समर्पित टीम है जो विभाग में रचनात्मकता, दूरदृष्टि तथा अखंडता के नए स्तर लाती है। यह विविध विभाग डिजाइन के माध्यम से शिक्षार्थियों में प्रतिस्पर्धात्मक श्रेष्ठता प्रदान करता है। इस स्ट्रीम के तहत पेश किए जाने वाले कार्यक्रम उत्पादों, उपकरणों, मशीनरी तथा सेवाओं को डिजाइन करने की अवधारणा बनाने के बारे में सिखाते हैं। विभाग का उद्देश्य अंततः ग्राहकों को मूल्य तथा उपयोगिता के साथ उपयोगकर्ता के अनुकूल उत्पादों जैसे फर्नीचर, आंतरिक आइटम, सिरेमिक तथा कांच के उत्पाद, खिलौने तथा खेल, ऑटोमोबाइल आदि पेश करना है।

बुनियादी उपकरणों का उपयोग करना सीखना

बेसिक वुडवर्किंग

संचार डिजाइन संकाय (FCD)

संचार डिजाइन संकाय अत्यंत विविध मीडिया तथा मल्टीमीडिया प्लेटफॉर्म से संबंधित हैं। विभाग में विचारों को संप्रेषित करके, कला तथा प्रौद्योगिकी का उपयोग करके एक शिक्षार्थी को सक्षम करने के लिए डिजाइन संचार कौशल विकसित किए जाते हैं। छात्रों को सूचना प्रसारित करके, मानवीय अनुभवों को प्रोजेक्ट करके शब्दों, छवियों तथा अभिव्यक्तियों को संयोजित करने के लिए आवश्यक सिद्धांत तथा अभ्यास सिखाया जाता है। विभाग ग्राफिक डिजाइन, एनिमेशन, फिल्म तथा वीडियो संचार डिजाइन, फोटोग्राफी तथा प्रदर्शनी डिजाइन आदि में विशिष्ट प्रशिक्षण प्रदान करता है।

सीखने में मज़ा है

कार्यक्रम के पाठ्यक्रम के बारे में स्कूल के प्रधानाचार्यों के एक समूह को जानकारी देते हुए टीएडी के संकाय

डिजाइन की मूल बातें सीखना

औद्योगिक डिजाइन कार्यशाला में दिए गए प्रशिक्षण के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए गणमान्य अतिथि

कपड़ा तथा परिधान डिजाइन संकाय (FTAD)

कपड़ा तथा परिधान डिजाइन संकाय कपड़ा, परिधान, फैशन तथा आंतरिक सामान उत्पाद डिजाइन को संबोधित करने वाली एक अनूठी धारा है। इस धारा के तहत प्रशिक्षण कपड़ा उत्पादों के विकास, परिधान डिजाइनिंग, जीवन शैली तथा फैशन के सामान तथा उनकी बिक्री के क्षेत्र में संतुलन बनाते हैं। इस धारा के तहत पेश किए जाने वाले प्रशिक्षण कपड़ा विकास, परिधान निर्माण प्रौद्योगिकी, फैशन के सामान तथा उसके डिजाइन तथा जीवन शैली की वैज्ञानिक प्रक्रियाओं में गहराई से निहित हैं। छात्रों को पारंपरिक हस्तशिल्प क्षेत्र तथा परिष्कृत आधुनिक प्रौद्योगिकी-आधारित कपड़ा, परिधान तथा सहायक उपकरण उद्योग में सर्वोत्तम मानकों को विकसित करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। संकाय कपड़ा, परिधान, जीवन शैली फैशन तथा सहायक डिजाइन में विशिष्ट प्रशिक्षण प्रदान करता है।

सूचना प्रौद्योगिकी एकीकृत डिजाइन संकाय (FITID)

सूचना प्रौद्योगिकी एकीकृत डिजाइन संकाय ऐसे प्रशिक्षण की पेशकश करती है, जिनकी अवधारणा सूचना प्रौद्योगिकी-आधारित डिजाइनों के आसपास होती है तथा भविष्य के उद्योग पर ध्यान देने के साथ डिजाइन समाधान की प्रक्रियाओं में निहित हैं। यह स्ट्रीम छात्रों को नवोन्मेषकों के रूप में प्रशिक्षित करने के लिए उभरते डिजाइन परिदृश्यों पर नज़र रखती है, जो उद्योग की आवश्यकताओं को समझ सकते हैं तथा समस्या समाधानकर्ता के रूप में कार्य करने के लिए रचनात्मक तरीके से डिज़ाइन लागू कर सकते हैं। संकायों को सूचना डिजाइन, इंटरेक्शन डिजाइन, न्यू मीडिया डिजाइन तथा डिजिटल गेम डिजाइन आदि में विशेषज्ञता प्राप्त है।

अंतःविषय डिजाइन के संकाय (FID)

अंतःविषय डिजाइन संकाय (FID) स्ट्रीम विज्ञान, इंजीनियरिंग, प्रबंधन आदि जैसे गैर-डिज़ाइन विषयों की डिज़ाइन-आधारित आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित करती है तथा उन्हें विशेष कार्यक्रमों के माध्यम से संबोधित करती है। आदर्श रूप से इस धारा के तहत पेश किए जाने वाले अधिकांश कार्यक्रमों को स्नातकोत्तर अध्ययन के रूप में माना जाता है, हालांकि कुछ मामलों में, उन्हें उपयुक्त औचित्य के साथ स्नातक स्तर पर पेश किया जा सकता है।

इस धारा के तहत पेश किए जाने वाले कार्यक्रम इस विश्वास पर आधारित हैं कि सफल नेतृत्व के लिए प्रौद्योगिकी तथा लोगों के बीच संबंधों की व्यापक समझ की आवश्यकता होती है ताकि वे स्नातकों को बढ़ावा तथा विकसित कर सकें जो परिवर्तनकारी तथा बहु-विषयक समाधानों के साथ समाज के सामने आने वाली

सिरेमिक काम की मूल बातें

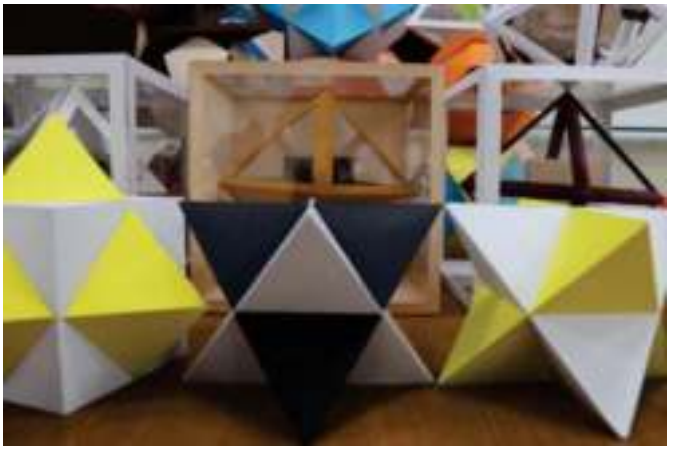

प्रथम वर्ष के छात्रों का काम प्रदर्शन पर

प्रमुख चुनौतियों से निपटने में सक्षम होंगे। संकाय डिजाइन इंजीनियरिंग, रणनीतिक डिजाइन प्रबंधन तथा खुदरा अनुभव के लिए डिजाइन आदि में विशिष्ट है।

फैकल्टी ऑफ़ डिज़ाइन बेस्ड ट्रांसडिसिप्लिनरी स्टडीज़ (FDBTS)

यह स्ट्रीम डिज़ाइन-आधारित वैज्ञानिक अनुसंधान, डिज़ाइन प्रबंधन अध्ययन, डिज़ाइन इंजीनियरिंग, सामाजिक संदर्भ में डिज़ाइन, या किसी अन्य क्षेत्र पर केंद्रित है जहाँ डिज़ाइन मूल्य तथा रोजगार सृजन के लिए महत्वपूर्ण एजेंट के रूप में कार्य करेगा।

3.2 संस्थान का प्रबंधन

एनआईडी एमपी वैचारिक के निरंतर उन्नयन द्वारा एक प्रगतिशील दृष्टिकोण के साथ डिजाइन शिक्षा के क्षेत्र में एक अग्रणी संस्थान बनने के लिए निरंतर प्रयास करता है।

संस्थान का प्रबंधन निम्नलिखित अधिकारियों के माध्यम से किया जाता है:

1. शासी परिषद
2. निदेशक
3. सीनेट
4. शासी परिषद की स्थायी समिति
5. गतिविधि अध्यक्ष (शिक्षा)
6. अन्य गतिविधि अध्यक्ष
7. शैक्षणिक सलाहकार समिति
8. संकाय फोरम
9. विभागाध्यक्ष
10. विभाग प्रमुख
11. रजिस्ट्रार
12. मुख्य प्रशासनिक अधिकारी
13. वित्त तथा लेखा नियंत्रक

3.3 गतिविधि अध्यक्ष

गतिविधि अध्यक्ष कुछ केंद्रीकृत गतिविधियों के कार्यात्मक प्रमुख होते हैं। गतिविधि अध्यक्षों को निदेशक द्वारा प्रथम विधियों की धारा 22 में दिए गए प्रावधानों के तहत नामित किया जाता है। वर्तमान में, संस्थान में निम्नलिखित गतिविधि अध्यक्ष हैं:

1. गतिविधि अध्यक्ष (शिक्षा तथा प्रशिक्षण)
2. गतिविधि अध्यक्ष (रणनीति तथा योजना)
3. गतिविधि अध्यक्ष (अनुसंधान &विकास तथा केएमसी)
4. गतिविधि अध्यक्ष (ग्लोबल आउटरीच सेल)
5. गतिविधि अध्यक्ष (वेलनेस सेंटर)

1. गतिविधि अध्यक्ष के कार्य- शिक्षा तथा प्रशिक्षण

गतिविधि अध्यक्ष- शिक्षा तथा प्रशिक्षण सभी संकाय धाराओं तथा कार्यक्रमों के संबंध में शैक्षिक कार्यक्रमों की सभी प्रशासनिक तथा शैक्षणिक गतिविधियों का प्रभारी है। वह शिक्षा के मानकों में उत्कृष्टता बनाए रखने तथा छात्रों के अनुशासनात्मक मामलों तथा शिकायतों की निगरानी के लिए जिम्मेदार है।

2. गतिविधि अध्यक्ष के कार्य- रणनीति तथा योजना

गतिविधि अध्यक्ष- रणनीति तथा योजना संस्थान की दीर्घकालिक योजनाओं को निर्धारित करता है तथा लक्ष्यों, रणनीतियों, नीतियों तथा कार्य योजनाओं के पालन की निगरानी करता है। यह कार्यालय संस्थान के विजन, मिशन तथा उद्देश्यों के अनुसार रणनीति तथा योजना बनाने के लिए जिम्मेदार है। एसी (एस &पी) दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य योजना की योजना तथा समन्वय करता है, नीति विकास के लिए इनपुट का सुझाव देता है तथा संस्थान के विकास कार्यक्रमों का मूल्यांकन करता है।

3. गतिविधि अध्यक्ष के कार्य- अनुसंधान- अनुसंधान & विकास तथा ज्ञान प्रबंधन केंद्र

गतिविधि अध्यक्ष- अनुसंधान & विकास तथा ज्ञान प्रबंधन केंद्र संस्थान में अनुसंधान दृष्टिकोण को बढ़ावा देने तथा अनुसंधान आधारित शिक्षण अभ्यास प्रदान करने के लिए काम करता है। यह कार्यालय डिजाइन के क्षेत्र में अग्रणी अनुसंधान के लिए विभागों तथा अन्य संस्थानों के साथ अनुसंधान सहयोग को प्रोत्साहित करने के लिए भी कदम उठाता है। एसी (आर&डी केएमसी) एक ही स्थान पर एनआईडी एमपी में बनाए गए अकादमिक के साथ-साथ गैर-शैक्षणिक ज्ञान के भंडार के रूप में भी कार्य करता है।

4. गतिविधि अध्यक्ष के कार्य- ग्लोबल आउटरीच सेल

गतिविधि अध्यक्ष - ग्लोबल आउटरीच सेल उद्योग, अन्य संगठनों तथा शिक्षाविदों के साथ सहयोग के लिए एक तंत्र की योजना बनाता है तथा उसे लागू करता है। यह कार्यालय प्रायोजित अनुसंधान, औद्योगिक परामर्श, परियोजनाओं तथा पेशेवर प्रशिक्षण आदि से भी संबंधित है।

5. गतिविधि अध्यक्ष के कार्य- वेलनेस सेंटर

गतिविधि अध्यक्ष-वेलनेस सेंटर संस्थान के छात्रों तथा कर्मचारियों के बीच शारीरिक, भावनात्मक, सामाजिक, बौद्धिक, आध्यात्मिक, पर्यावरण तथा व्यावसायिक कल्याण बनाने के लिए जिम्मेदार है। यह कार्यालय संस्थान में व्यापक नैदानिक, परामर्श तथा गतिविधियों पर आधारित हस्तक्षेपों की योजना बनाता है तथा उन्हें क्रियान्वित करता है।

सीआईआई का एक प्रतिनिधिमंडल भविष्य के सहयोग के क्षेत्रों पर चर्चा कर रहा है

एनआईडी एमपी में प्रशिक्षित किए जा रहे स्वयं सहायता समूहों के कारीगरों के साथ बातचीत करते नाबार्ड के के अधिकारी

“मुझे ऐसे दोस्त
पसंद हैं जिनका
दिमाग स्वतंत्र होता है
क्योंकि वे आपको हर
तरह से समस्याओं
को देखने के लिए
प्रेरित करते हैं।”

नेल्सन मंडेला

4. शैक्षणिक शाखा

संस्थान तीन स्नातक डिग्री विषयों में शिक्षा प्रदान करता है करता है: बैचलर ऑफ डिज़ाइन (औद्योगिक डिज़ाइन), बैचलर ऑफ़ डिज़ाइन (संचार डिज़ाइन) तथा बैचलर ऑफ़ डिज़ाइन (कपड़ा और परिधान डिजाइन)

4.1 फाउंडेशन स्टडीज (यूजी प्रोग्राम)

कॉमन फाउंडेशन (सीएफ) अध्ययन (1 वर्ष) कला तथा डिजाइन के तत्वों के बारे में बुनियादी समझ प्रदान करता है जो छात्रों को दृश्य तथा उदार कला में पेशेवर प्रथाओं को सार्थक तरीके से विकसित करने में सक्षम बनाता है। फाउंडेशन कार्यक्रम मूल्यों, दृष्टिकोण, संवेदी कौशल तथा सौंदर्य संवेदनशीलता को विकसित करने में सहायता करता है जो डिजाइन में विशेषज्ञता के लिए आवश्यक है। यह छात्रों को डिजाइन के मूल सिद्धांतों से परिचित कराता है तथा छात्रों को रचनात्मक समस्या समाधान प्रक्रिया के रूप में डिजाइन के बारे में सोचने के लिए प्रेरित करता है। यह एक विकसित 'डिजाइन' धारणा तथा दृष्टिकोण, डिजाइन की बहु-विषयक प्रकृति की समझ तथा पर्यावरण, संस्कृति, मानव इंद्रियों तथा भावनाओं के साथ डिजाइन के संबंध को विकसित करने में मदद करता है। भारतीय परिवेश की विश्वदृष्टि तथा समझ विकसित करने के लिए, बुनियादी डिजाइन 'स्टूडियो' पाठ्यक्रम विज्ञान तथा उदार कला में प्रारंभिक अध्ययन द्वारा संवर्धित हैं। यह वैचारिक सोच को समृद्ध करने में मदद करता है, डिजाइन संबंधी चिंताओं के लिए अंतर्दृष्टि; डिजाइन प्रक्रियाओं तथा अंतिम समाधानों के बारे में सोचना शुरू करने के लिए तैयार करता है। यह छात्रों के सीखने को वास्तविक जीवन की स्थितियों से लगातार जोड़कर बदलते परिवेश के बारे में जागरूकता पैदा करने की इच्छा रखता है। यह रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक दिशा, उत्तेजना, सुविधाएं तथा अनुभव प्रदान करता है तथा इस तरह प्रत्येक व्यक्ति को अपनी पहचान तथा क्षमता खोजने में मदद करता है। फाउंडेशन कार्यक्रम वह आधार है जिस पर शेष डिजाइन पाठ्यक्रम का निर्माण किया जाता है।

वर्ष के दौरान फाउंडेशन अध्ययन की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार थीं:

छात्रों को देश के कोविड 19 महामारी की चपेट में आने के कारण 18 मार्च 2020 को घर भेज दिया गया था। इस अवधि में:

- ऑनलाइन मोड के माध्यम से छात्रों के लिए सीखना जारी रहा।
- संस्थान ने ऑनलाइन मोड में शिक्षण का संचालन करने के लिए खुद को तेजी से तैयार किया. सेमेस्टर 2 में शिक्षण तथा सीखना, सेमेस्टर एंड जूरी ऑनलाइन आयोजित की गई.

फाउंडेशन बैच की ऑनलाइन कक्षाएं

ऑनलाइन जूरी – 1st बैच 2nd छमाही

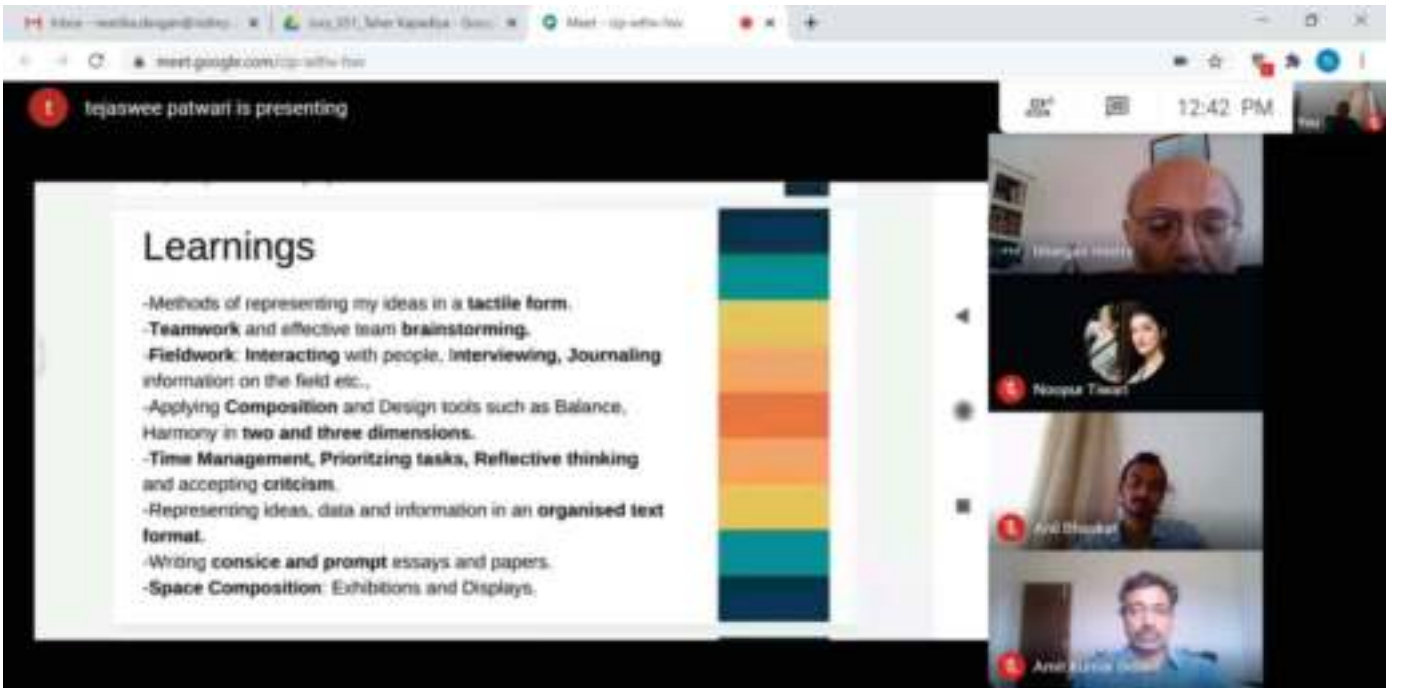

छात्रों द्वारा प्रस्तुति

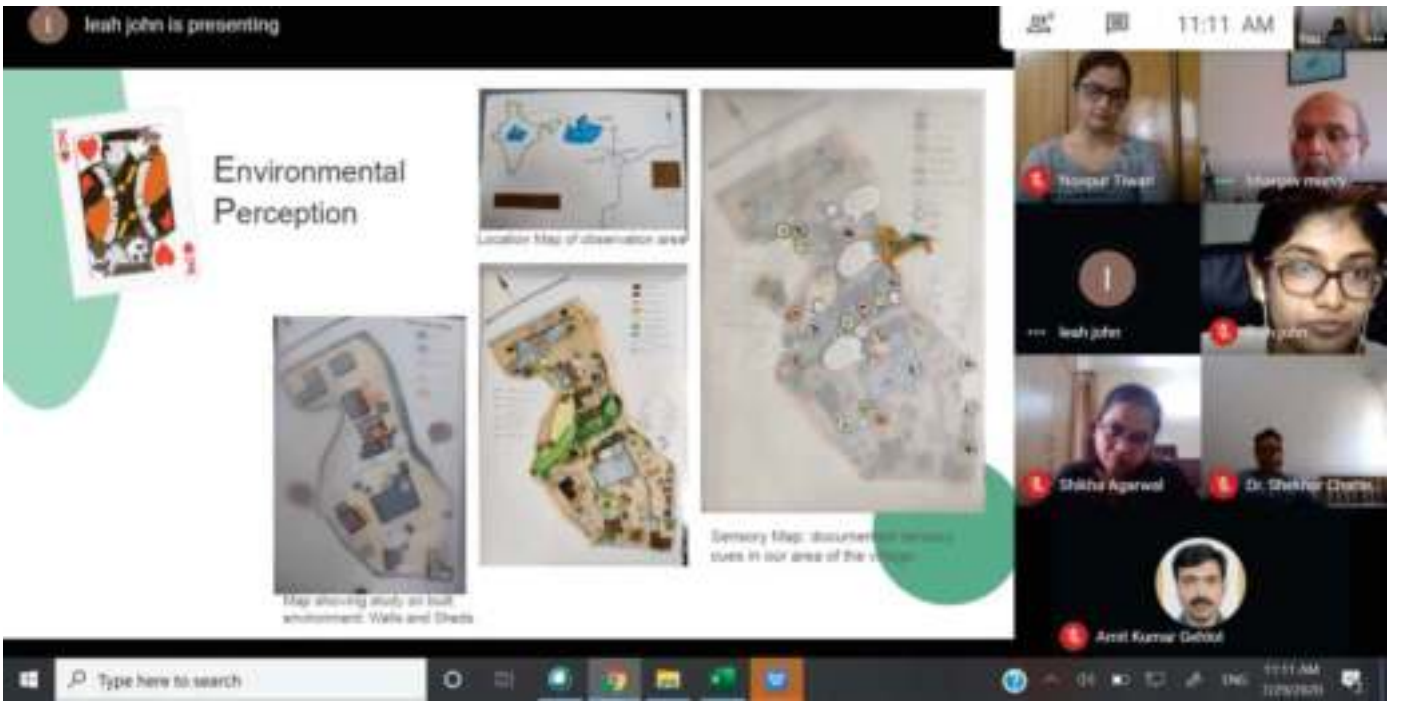

छात्रों द्वारा प्रस्तुति

- सुश्री नीतिका देवगन (सीनियर फैकल्टी, डिसिप्लिन लीड)
- श्री अमित के गहलोत (वरिष्ठ संकाय, विभाग सह-प्रमुख)
- सुश्री सुव्रता यादव (संकाय, विभाग सह-प्रमुख)
- सुश्री अनुस्मिता दास (संकाय, विभाग सह-प्रमुख)

गेस्ट फैकल्टी- इंटरनल, सेमेस्टर 2- बैच 2019-20

- श्री प्रमोद मार्शल (मीडिया जिज्ञासा, फॉर्म स्पेस)

- श्री विद्या भूषण आर्य (मीडिया जिज्ञासा)
- सुश्री सेतु शर्मा (मीडिया जिज्ञासा)
- सुश्री शिखा अग्रवाल (डिजाइन प्रक्रिया)
- सुश्री लुबना सैफी (डिजाइन प्रक्रिया)
- डॉ. सुकन्या बोर सैकिया (डिजाइन प्रक्रिया)
- डॉ. शेखर चटर्जी (डिजाइन का इतिहास)

जूरी सदस्य - सेमेस्टर 2, बैच

- श्री भार्गव मिस्त्री (बाहरी जूरी सदस्य)
- सुश्री नूपुर तिवारी (बाहरी जूरी सदस्य)
- सुश्री नीतिका देवगन (आंतरिक जूरी सदस्य)
- श्री अमित के गहलोत (आंतरिक जूरी सदस्य)
- रोटेशन पर आंतरिक संकाय
- सुश्री सुव्रता यादव; सुश्री शिखा अग्रवाल; श्री प्रमोद मार्शल; सुश्री सेतु शर्मा; डॉ शेखर चटर्जी; श्री अनिल भास्कर; श्री विद्या भूषण; सुश्री लुबना सैफी; डॉ. सुकन्या बोर सैकिया

ऑनलाइन संगोष्ठी

- ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन फाउंडेशन संकायों द्वारा किया गया था।

- विषय: बदलते परिदृश्य तथा बदलते समय का डिजाइन अध्यापन, इसके उपकरणों तथा नींव के अध्ययन के तरीकों पर प्रभाव

ऑनलाइन संगोष्ठी – मंथन

विषय: वर्तमान कोविड परिदृश्य में फाउंडेशन स्तर की डिजाइन शिक्षा में शिक्षण, तथा 2030 के भविष्य के पेशेवरों का विश्लेषण
विशेषज्ञ वक्ता: श्री भार्गव मिस्त्री

विषय: भविष्य में 2030 के पेशेवरों का विश्लेषण करते हुए, वर्तमान कोविड परिदृश्य में फाउंडेशन स्तर के डिजाइन शिक्षण तथा इसकी सामग्री का अध्यापन
विशेषज्ञ वक्ता: सुश्री ज्योति मनराल

विषय: फाउंडेशन स्टडीज की सामग्री – कौशल बनाम वैचारिक
विशेषज्ञ वक्ता: सुश्री सुची माथुर

विषय: फाउंडेशन कार्यक्रम देने में प्रौद्योगिकी तथा अनुप्रयोगों को एम्बेड करना
विशेषज्ञ अध्यक्ष: श्री वी रघु राम

नया बैच 2020-21

- 2020-21 के नए बैच का ऑनलाइन स्वागत किया गया।
- डिजाइन ओरिएंटेशन सत्र का संचालन क्षेत्र के 4 प्रमुख विशेषज्ञों द्वारा किया गया - श्री गौरव जुयाल, श्री आयुष कासलीवाल, श्री हेमंग अग्रवाल, सुश्री श्वेता अलुवालिया
- छात्रों को उनके पाठ्यक्रमों के लिए आवश्यक सामग्री संस्थान द्वारा भेजा गया था।
- बैच 20-21 के लिए पूर्ण फाउंडेशन पाठ्यक्रम ऑनलाइन आयोजित किया गया था।

10:15am | 15th Sepetember 2020
National Institute of Design Madhya Pradesh

Design Orientation

Gaurav Juyal

Gaurav hosted Disney's famous show - Art Attack. He studied Animation Film Design at National Institute of Design, Ahmedabad. He finds joy in working with his hands with different materials, loves problem solving and fixing things. He actively works with children in developing their skills and evolving learning techniques.

2020-21 FOUNDATION STUDIES

10:15am | 16th Sepetember 2020
National Institute of Design Madhya Pradesh

Design Orientation

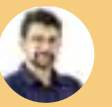

Ayush Kasliwal

Ayush is a graduate of the NID, Ahmedabad and is one of India's leading design thinkers, practitioners and advocates for artisans. Ayush has been a Panelist, Speaker, Faculty, Jury member, at prestigious national and international forums including ICFF at New York, BBC Arts Hour. Ayush has numerous awards to his credit, including Lexus Design Award India 2019 and 2020.He is Creative Director and Co-founder of AKFD & AnanTaya

2020-21 FOUNDATION STUDIES

02:00pm | 15th Sepetember 2020
National Institute of Design Madhya Pradesh

Design Orientation

Hemang Agrawal

Hemang, a graduate of NIFT Mumbai, specialises in textiles & apparel made of natural fibres & precious metals.He has been working extensively in the field of handcrafted textiles since 2003. Hemang has been awarded by the International Consortium of Green Fashion & was also nominated for the International WoolMark Prize 2017/18. He also appeared on Netflix series The Creative Indian- Season 4.

2020-21 FOUNDATION STUDIES

02:00pm | 16th Sepetember 2020
National Institute of Design Madhya Pradesh

Design Orientation

Shweta Ahluwalia

Shweta is the Founder of The QUENCH, a Learning & Development Platform. She is a well known Motivational Speaker, Business Consultant & Entrepreneur. She is a NET qualified Psychologist and completed her Certifcate Program in Management from IIM Lucknow.In theatre, Shweta was groomed under the able mentorship of Barry John , TAG. She has two decade rich experience of leading L&D functions for some of the top brands in both Academia and Corporate.

2020-21 FOUNDATION STUDIES

फाउंडेशन के छात्रों को प्रदान की गई लर्निंग किट

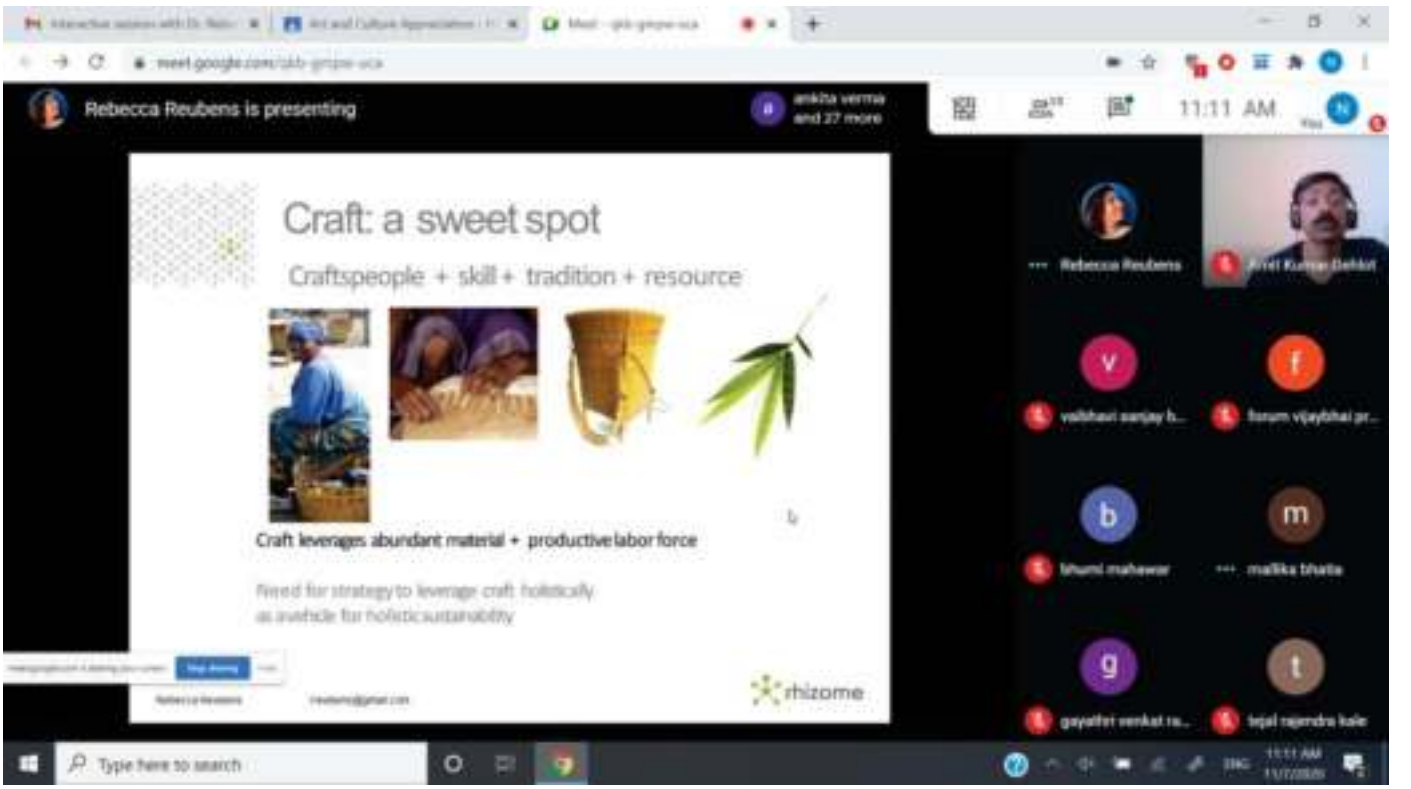

ऑनलाइन कक्षाएं - अतिथि व्याख्यान डॉ. रेबेका रुबेन्स

ब्रेक के दौरान प्रदर्शन कर रहा एक छात्र

कोविड-19 के दौरान ऑनलाइन शिक्षण

सेमेस्टर 1 पोर्टफोलियो प्रस्तुति

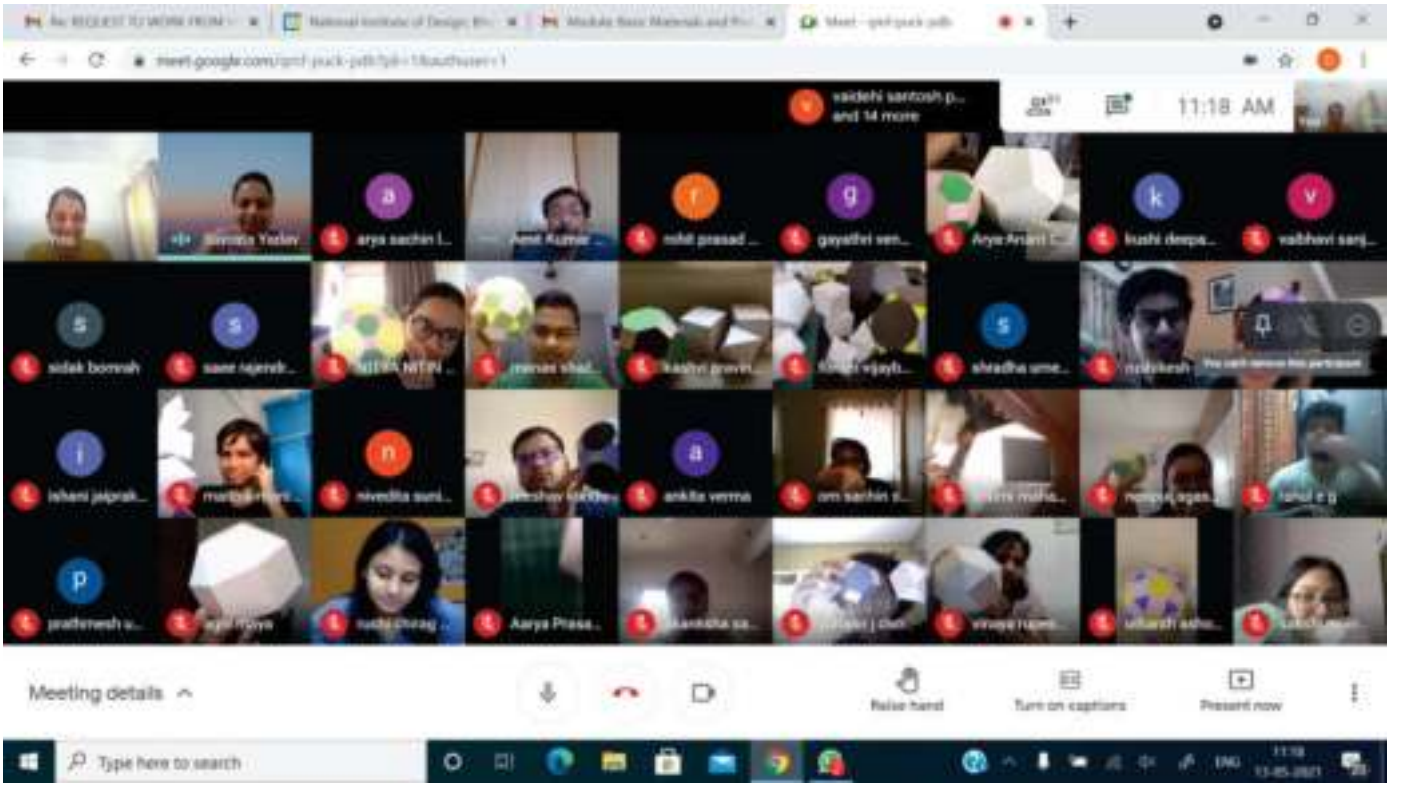

कोविड-19 के दौरान ऑनलाइन शिक्षण

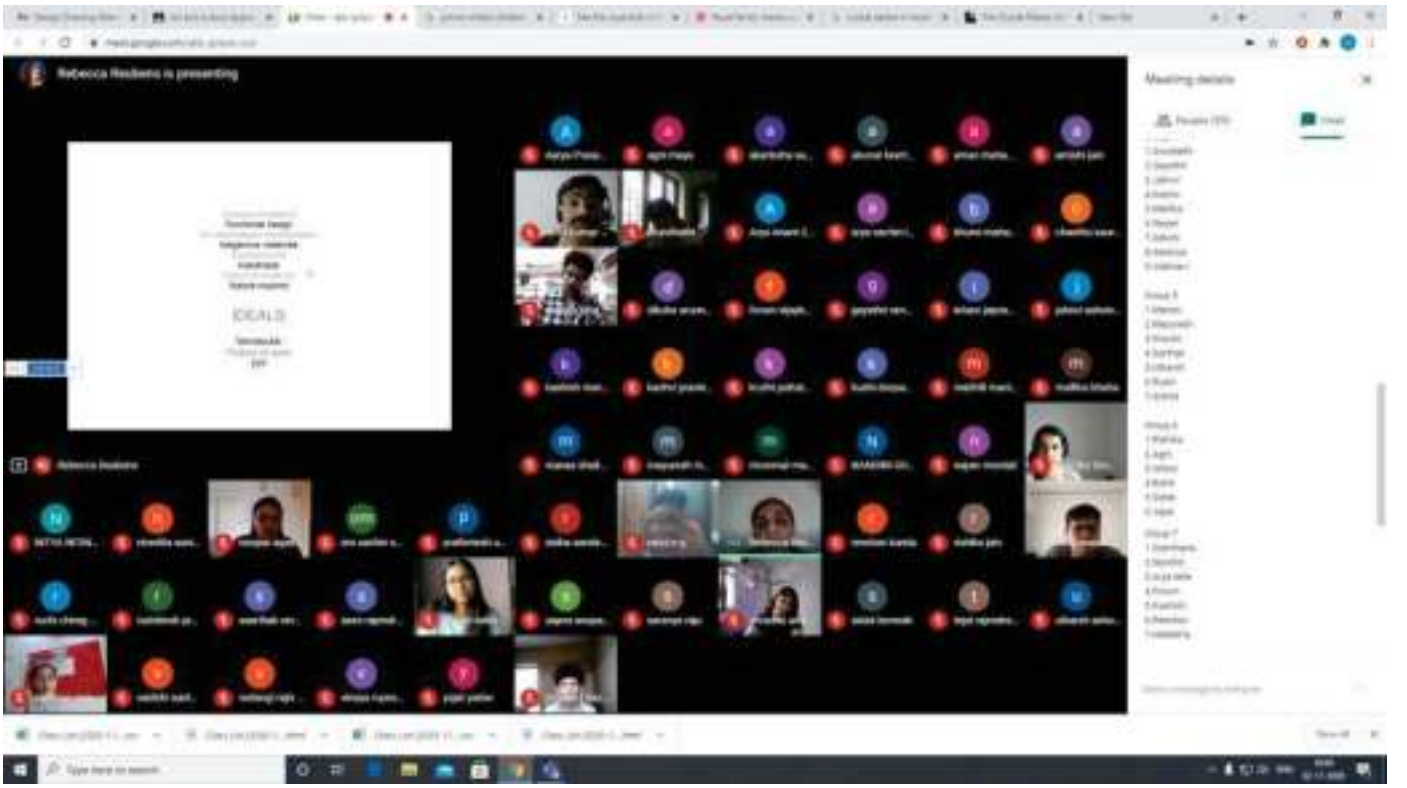

कोविड-19 के दौरान ऑनलाइन शिक्षण

बैच 2020-24 के छात्र

छात्रों द्वारा ऑनलाइन संग्रहालय का दौरा (एसएलए के पाठ्यक्रम के लिए)

- अर्णा झरना द ब्रूम संग्रहालय मोकलावास, जोधपुर
- भाषा जनजातीय अकादमी तथा संग्रहालय तेजगढ़, गुजरात
- टाइटनवाला संग्रहालय बगरू, राजस्थान

फैकल्टी - सेमेस्टर 1, बैच 20-21

- सुश्री नीतिका देवगन (सीनियर फैकल्टी, डिसिप्लिन लीड)
- श्री अमित के गहलोत (वरिष्ठ संकाय, विभाग सह-प्रमुख)
- सुश्री सुव्रता यादव (संकाय, विभाग सह-प्रमुख)

गेस्ट फैकल्टी - सेमेस्टर 1,2- बैच 20-21

- श्री नवल सिंह चौहान (फ्रीहैंड ड्राइंग)
- डॉ. रेबेका रूबेंस (कला का इतिहास)
- डॉ। मदन मीणा (विज्ञान तथा उदार कला)
- सुश्री नवदीप (रंग पर विशेषज्ञ सत्र)
- श्री खेमराज कला (फ्रीहैंड ड्राइंग 2)

जूरी सदस्य - सेमेस्टर 1, बैच 20-21

- श्री चंद्रशेखर भेड़ा (बाहरी जूरी सदस्य)
- सुश्री वर्षा जाधव (बाहरी जूरी सदस्य)
- सुश्री नीतिका देवगन (आंतरिक जूरी सदस्य)
- श्री अमित के गहलोत (आंतरिक जूरी सदस्य)
- सुश्री सुव्रता यादव (आंतरिक जूरी सदस्य)

4.2 बैचलर ऑफ़ डिज़ाइन बी. डेस. (औद्योगिक डिज़ाइन)

औद्योगिक डिजाइन (आईडी) कार्यक्रम असाधारण, अभिनव शिक्षार्थियों के सीखने तथा विकास को सक्षम करने के लिए समर्पित है जो विभाग के लिए रचनात्मकता, दृष्टि तथा अखंडता के नए स्तर लाता है। इस अत्यंत विविध पाठ्यक्रम के माध्यम से शिक्षार्थियों में बड़े पैमाने पर उत्पादन-आधारित उद्योग के लिए तैयार होने के लिए प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त विकसित होती है। पाठ्यक्रम न केवल किसी उत्पाद की उपस्थिति पर ध्यान केंद्रित करने के लिए तैयार करता है, बल्कि यह भी कि यह कैसे कार्य करता है, निर्मित होता है तथा अंततः उपयोगकर्ताओं के लिए मूल्य तथा अनुभव प्रदान करता है।

कोड	कोर्स - चौथा सेमेस्टर
EL401	वैकल्पिक: डेटा विज़ुअलाइज़ेशन
EL402	वैकल्पिक: उद्योग विश्लेषण के नेतृत्व में डिजाइन प्रक्रिया
EL403	ऐच्छिक: पैरामीट्रिक डिजाइन
ID401	उत्पाद आरेखण- II
ID 403	मटेरियल तथा मैन्युफैक्चरिंग-II
ID404	शारीरिक एर्गोनॉमिक्स
ID405	प्रोटोटाइप विकास 1
ID402	प्रपत्र अध्ययन - II
ID406	डिजाइन परियोजना - I

कोड	कोर्स - छठा सेमेस्टर
EL601	वैकल्पिक : डेटा विज़ुअलाइज़ेशन
EL602	वैकल्पिक: उद्योग विश्लेषण के नेतृत्व में डिजाइन प्रक्रिया
EL603	ऐच्छिक: पैरामीट्रिक डिजाइन
ID601	पैकेजिंग डिजाइन
ID604	समावेशी डिजाइन
ID602	सेवा डिजाइन
ID603	वैल्यू इंजीनियरिंग
ID605	डिजाइन प्रोजेक्ट-III

औद्योगिक डिजाइन कार्यशाला

औद्योगिक डिजाइन कार्यशाला मशीनों तथा उपकरणों से सुसज्जित है। इसमें शुरू में विभिन्न सामग्रियों जैसे धातु, मिट्टी से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं से संबंधित स्थान शामिल हैं। प्रौद्योगिकी में बदलाव के अनुरूप कार्यशाला की सुविधाओं को बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए गए हैं। कार्यशाला का उपयोग संस्थान के छलरचना कार्य के लिए भी किया जाता है।

वर्तमान में, एनआईडी एमपी की औद्योगिक डिजाइन कार्यशाला में विभिन्न स्थानों तथा वर्गों जैसे बढ़ईगीरी, सामान्य कार्यशाला, मशीन का स्थान, वेल्डिंग का स्थान, सिरेमिक तथा मिट्टी, आईटी-सहायता प्राप्त लैब तथा कटिंग से संबंधित सुविधाएं हैं।

औद्योगिक डिजाइन कार्यशाला में उपलब्ध मशीनों की सूची

1 सेंटर लेदर मशीन & एक्सेसरीज

2 लेजर एनग्रेवर एंड कटिंग मशीन

3 2 स्पीड स्क्रॉल सॉ डीएस 460

4 हॉट वायर कटर थर्मोकट

5 सिम्पो पॉटर व्हील तथा थ्रोइंग बैट्स

6 अल्टिमेकर 3डी प्रिंटर तथा फिलामेंट्स

7 प्लास्टर व्हील

8 पाइप रैपिड बेंडर

9 थ्री रोल्स स्लिप हैंड रोलर

10 हाथ से संचालित कतरनी मशीन

11 बॉक्स तथा पेन झुकने की मशीन

12 प्लानर-थिकनेसर AD41

Jury – 3rd Semester – Ending with congratulating students.

13 फेल्डर थिकनेसर D951

14 फेल्डर बैंडसॉ FB510

15 परिपत्र देखा मशीन K350

16 धूल कलेक्टर एएफ 14

17 इंगरसोल एयर कंप्रेसर तथा ड्रायर / फिल्टर

18 वैक्यूम बनाने की मशीन

19 गैस वेल्डिंग

20 छूत वेल्डिंग मशीन

21 मिग वेल्डिंग मशीन

22 आर्क वेल्डिंग मशीन

23 वृत्ताकार आरी - हांड

24 बेल्ट सैंडर - हांड

25 कोना चक्की

26 लम्बा आरा

27 रेत बफरिंग मशीन (हाथ)

28 लचीला ग्राइंडर

29 ड्रिलिंग मशीन हाथ

30 विद्युत भट्टी

31 सीएनसी राउटर

32 मिलिंग मशीन

33 लकड़ी का खराद

34 पावर हक्सॉ मशीन

4.3 बैचलर ऑफ डिजाइन (संचार डिजाइन)

संचार डिजाइन (सीडी) पाठ्यक्रम अत्यधिक विविधता लिये हैं जो इस विभाग के व्यापक स्पेक्ट्रम से संबंधित है । छात्र संचार डिजाइन के विभिन्न क्षेत्रों में जटिल समस्याओं को हल करने के लिए रचनात्मक परिणाम के लिए वैचारिक, सौंदर्य तथा तकनीकी कौशल विकसित करते हैं। शिक्षार्थी को विभिन्न स्टूडियो/लैब असाइनमेंट के माध्यम से इस विस्तृत क्षेत्र के विभिन्न उप-क्षेत्रों से अवगत कराया जाता है तथा अंततः, वह किसी एक विशेष डोमेन में प्रमुखता का चयन करता है। छात्रों को विभिन्न परियोजनाओं पर काम करने तथा प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

एक सत्र चल रहा है

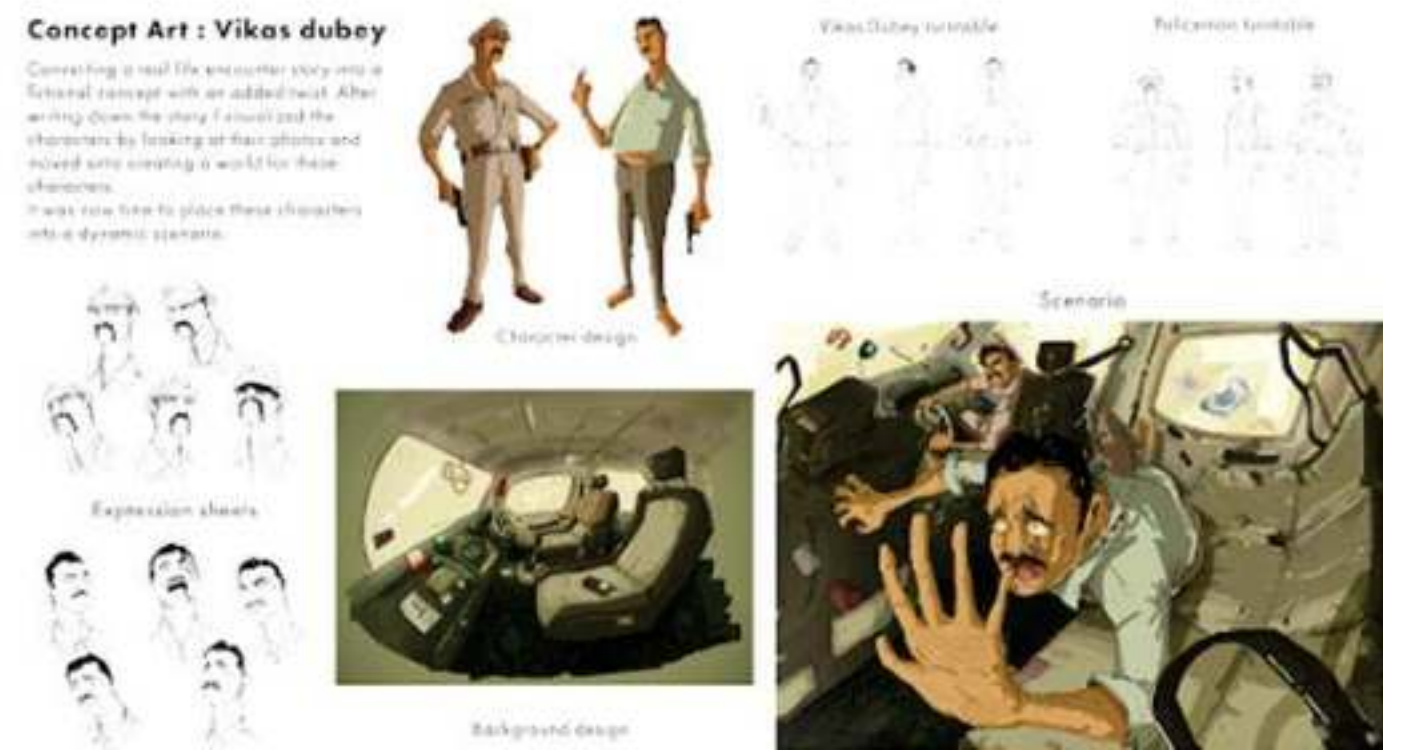

संकल्पना कला पर एक ऑनलाइन प्रस्तुति

उर्वर दिमाग तैयार कर रहे हैं

स्टूडियो में खुद का समय काम

4.4डिजाइन में स्नातक (वस्त्र तथा परिधान डिजाइन)

वस्त्र तथा परिधान डिजाइन (टीएडी) एक अनूठा पाठ्यक्रम है जो अपने व्यापक स्पेक्ट्रम में कपड़ा, फैशन तथा इंटीरियर डिजाइन की आवश्यकता को संबोधित करता है। पाठ्यक्रम कपड़ा उत्पाद विकास तथा परिधान डिजाइनिंग के क्षेत्र में संतुलन बनाता है। यह कपड़ा विकास तथा परिधान निर्माण प्रौद्योगिकी की वैज्ञानिक प्रक्रिया में गहराई से निहित है। छात्र पारंपरिक हस्तशिल्प क्षेत्र तथा कपड़ा तथा परिधान उद्योग की परिष्कृत आधुनिक तकनीक दोनों में क्षमता तथा क्षमता विकसित करते हैं। यह कार्यक्रम डिजाइन की कला, रसायन विज्ञान के क्षेत्रों तथा कपड़ा उद्योग के रचनात्मक अग्रभाग में एक समृद्ध, चुनौतीपूर्ण सीखने के माहौल में इतिहास के परिप्रेक्ष्य में इनपुट के साथ संतुलन भी बनाता है। मिशन सर्वोत्तम ज्ञान, सूचना, अग्रिम प्रौद्योगिकी अभ्यास, पूर्वानुमान प्रदान करना है।

"टेक्सटाइल तथा अपैरल" केवल स्टाइल स्टेटमेंट, फैशन या शालीनता के लिए नहीं है। यह व्यक्ति की छाप के लिए एक बहुत ही बुनियादी तत्व है। मैक्रो स्तर पर, यह दृश्य संस्कृति, परंपरा, सुरक्षा तथा पहचान को कवर करता है। टेक्सटाइल तथा अपैरल डिजाइन प्रोफेशनल्स रिटेल ब्रांड्स, क्राफ्ट्स सेक्टर, मीडिया हाउसेस, एक्सपोर्ट हाउसेस, बायिंग हाउसेस, डिजाइन स्टूडियोज, ऑनलाइन स्टोर्स, ग्लोबल ब्रांड्स, फिल्म्स, थियेट्रिकल तथा परफॉर्मेंस कॉस्ट्यूम प्रोवाइडर्स, एंटरप्रेन्योर्स तथा एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस आदि के साथ काम करते हैं। यह प्रोग्राम फोकस्ड है। प्रशिक्षण डिजाइनरों में जो नए रोजगार के अवसर पैदा करेंगे तथा हमारे देश के आर्थिक विकास में योगदान देंगे।

वर्कशॉप में टेबलटॉप लूम, जैक्वार्ड लूम, ब्लॉक प्रिंटिंग टेबल, स्क्रीन प्रिंटिंग टेबल, स्क्रीन फ्रेम, स्क्रीन एक्सपोजिंग मशीन, क्योरिंग मशीन, स्टीमिंग मशीन, लेटेस्ट स्टिचिंग मशीन, ओवरलॉक स्टिचिंग मशीन, पैटर्न मेकिंग टेबल, जीएसएम कटर,

बेस्ली बैलेंस जैसी मशीनें हैं। इलेक्ट्रॉनिक ट्विस्ट टेस्टर, ईपीआई तथा पीपीआई काउंटर, एनालिटिकल बैलेंस, ट्रांसफर प्रिंटिंग मशीन, वैक्यूम आयरन टेबल, स्टैंडिंग स्टीम आयरन, फ्रीज, वॉशिंग मशीन तथा विभिन्न आकार के ड्रेस फॉर्म उपलब्ध हैं।

टेक्सटाइल वर्कशॉप में, छात्र एनालॉग से डिजिटल तक पूरे पैलेट पर काम कर सकते हैं तथा उत्तरोत्तर बुनाई, बुनाई तथा प्रिंटिंग के क्लासिक टेक्सटाइल टूल विषयों से लेकर आधुनिक वास्तुशिल्प सामग्री तक सीख सकते हैं।

आयरन स्टेण्ड

पोशाक के रूप

ट्रांसफर प्रिंटिंग मशीन

टेक्सटाइल लैब

पोर्टेबल बॉयलर के साथ वैक्यूम इस्त्री तालिका

पैटर्न काटने की मेज

करघे

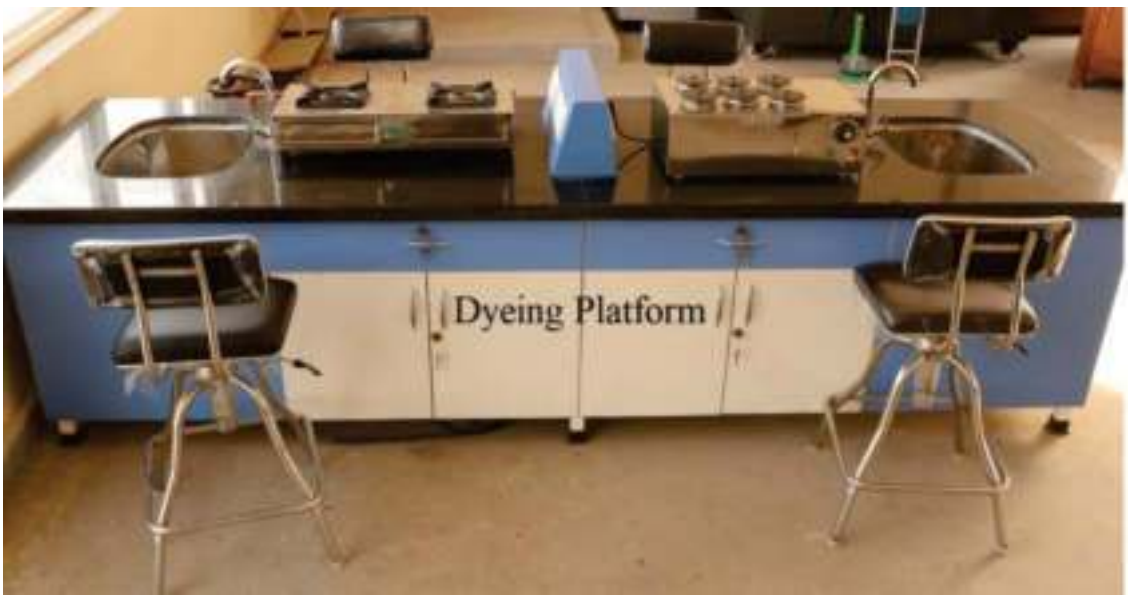

रंगाई मंच

4.5 गुणवत्ता प्रबंधन

1. संस्थान में गुणवत्ता प्रबंधन गुणवत्ता तथा निरंतर सुधार के लिए हमारे प्रतिबद्ध दृष्टिकोण का वर्णन करता है तथा अकादमिक उत्कृष्टता के वितरण में स्थिरता सुनिश्चित करता है। एनआईडी एमपी ने उच्च गुणवत्ता वाले संचालन का समर्थन करने के लिए संस्थान समुदाय के लिए एक उपयुक्त वातावरण बनाया है। संस्थान कार्यक्रमों के निरंतर सुधार के माध्यम से गुणवत्ता प्रबंधन को प्रोत्साहित करता है, उद्योग की जरूरतों से मेल खाने के लिए छात्रों के कौशल को उन्नत करता है तथा संस्थान तथा उद्योग के बीच सहयोग को बढ़ावा देता है। एनआईडी एमपी कर्मचारियों को उनकी दक्षता में सुधार करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करता है तथा गतिविधि अध्यक्ष (कल्याण) के कार्यालय के माध्यम से छात्रों तथा कर्मचारियों के शारीरिक, मानसिक तथा भावनात्मक कल्याण को बढ़ाने के लिए नियमित कदम उठाता है। संस्थान सौर पैनलों की स्थापना, वाटर रिचार्जिंग पिट्स, सोलर वॉटर हीटर आदि के उपयोग के माध्यम से वहनीयता को बढ़ावा देता है। संस्थान के कर्मचारी तथा छात्र नियमित रूप से सामाजिक लाभ के लिए आयोजनों में भाग लेते हैं।

2. विभागों के प्रमुख, कर्मचारी तथा छात्र अपने कार्यों की गुणवत्ता तथा निरंतर सुधार के लिए जिम्मेदार हैं। संचालन तथा शिक्षा की गुणवत्ता को संस्थान के विभिन्न वैधानिक तथा गैर-सांविधिक निकायों जैसे सीनेट, अकादमिक सलाहकार समिति, संकाय मंच, केंद्रीकृत शिक्षा समिति, पुस्तकालय सलाहकार समिति, मेस समिति, स्थानीय खरीद समिति, स्क्रीनिंग समितियों, मूल्यांकन समितियों आदि के माध्यम से बनाए रखा जाता है।

डिजाइन कार्य की जटिलताओं को सीखना

एक गणमान्य अतिथि के साथ बातचीत

4.6 प्रवेश

संस्थान सभी पांच एनआईडी के लिए केंद्रीय रूप से आयोजित डिजाइन एप्टीट्यूड टेस्ट (डीएटी) के आधार पर छात्रों को बी. डेस. पाठ्यक्रम में प्रवेश देता है। बैच 2020-24 में प्रवेश लेने वाले छात्रों का विवरण नीचे दिया गया है:

श्रेणी	कुल	आवंटित/भरा
सामान्य श्रेणी	30	32
ईडब्ल्यूएस	8	0
ओबीसी-एनसीएल श्रेणी	20	18
अनुसूचित जाति वर्ग	11	8
अनुसूचित जनजाति वर्ग	6	1
कुल	75	59

प्रवेश परीक्षा तीन चरणों की प्रक्रिया के माध्यम से आयोजित की जाती है जिसमें डिज़ाइन एप्टीट्यूड टेस्ट (डीएटी) प्रीलिम्स, डिज़ाइन एप्टीट्यूड टेस्ट (डीएटी) मेन्स तथा सीटों के काउंसलिंग सह आवंटन शामिल हैं। उम्मीदवारों को दो डीएटी चरणों में से प्रत्येक में अर्हता प्राप्त करने की आवश्यकता होती है, जिसका उपयोग मुख्य रूप से उनकी रचनात्मक समझ की जांच करने के लिए किया जाता है, काउंसलिंग के लिए शॉर्टलिस्ट किए जाने के योग्य बनने के लिए, जिसके आधार पर पांच एनआईडी में से एक में प्रवेश की पेशकश की जाती है।

एनआईडी एमपी में सीटों का विवरण नीचे दिया गया है:

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	सीटें (AY 2020 - 21)
1	डिजाइन में स्नातक (औद्योगिक)	25
2	डिजाइन में स्नातक (संचार)	25
3	डिजाइन में स्नातक (वस्त्र तथा परिधान)	25

छात्रों को पहले वर्ष में एक सामान्य फाउंडेशन अध्ययन कार्यक्रम से गुजरना पड़ता है, जिसके पूरा होने के बाद पहले वर्ष में उनके प्रदर्शन तथा उनके द्वारा पसंद किए गए पाठ्यक्रम के आधार पर विषयों का आवंटन किया जाता है। बी. डेस. पाठ्यक्रम में कुल सीटें ईडब्ल्यूएस श्रेणी के छात्रों को समायोजित करने के लिए भारत सरकार द्वारा जारी मानदंडों के अनुसार शैक्षणिक वर्ष 2020-21 से मौजूदा 60 से 75 तक बढ़ा दी गयी थी।

फाउंडेशन अध्ययन कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सामग्रियों से काम करना सीखना

वर्कशॉप में अपने समय पर किया काम

डिजाइन स्नातक (बी. डेस.) बैच 2020-24

बैच 2020-24 के लिए राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश में भर्ती छात्रों का श्रेणीवार विवरण नीचे दिया गया है:

सामान्य	32
ओबीसी (एनसीएल)	18
एससी	08
एसटी	01
ईडब्ल्यूएस	00
कुल	59

डिजाइन स्नातक (बी. डेस.) बैच 2019-23

वार्षिक ग्रेड प्वाइंट एवरेज (एजीपीए) के अनुसार मेरिट के क्रम के आधार पर, छात्र द्वारा प्रस्तुत विकल्प तथा विभिन्न विषयों में सीटों की उपलब्धता, 2019-23 बैच के छात्रों को विषयों के आवंटन का विवरण इस प्रकार है:

औद्योगिक डिजाइन	25
संचार डिजाइन	25
वस्त्र तथा परिधान डिजाइन	7

निदेशक ऑफ़लाइन शिक्षा के लिए परिसर फिर से खुलने के बाद में छात्रों का स्वागत करते हुए

छात्रों का स्वागत करते रजिस्ट्रार

“शिक्षा आत्मविश्वास
पैदा करती है।
आत्मविश्वास आशा
को जन्म देता है।
आशा शांति
पैदा करती है।”

कन्फ्यूशियस

5. उपलब्धियां तथा गतिविधियां

5.1 संबद्धता तथा सदस्यता

संस्थान ने निम्नलिखित संघों की सदस्यता ली है:

- भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई)
- फेडरेशन ऑफ मध्य प्रदेश चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफएमपीसीसीआई)

औद्योगिक संबंधों के विषय में इन संघों के प्रमुखों/ वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ नियमित बातचीत की जाती है। निदेशक तथा अन्य संकाय सदस्य इन संगठनों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में नियमित रूप से भाग लेते हैं। अकादमिक तथा उद्योग के बीच की बैठकों में, जटिल सामाजिक, पर्यावरणीय तथा आर्थिक चुनौतियों के समाधान खोजने के तरीकों पर अक्सर चर्चा की जाती है।

उद्योग के साथ संबद्धता संस्थान को उद्योग के कप्तानों के परामर्श से अधिक प्रभावी प्रशिक्षण के लिए पाठ्यक्रम में बदलाव लाने में मदद करती है। यह परस्पर सहयोग संकाय द्वारा डिजाइन/ प्रौद्योगिकी संबंधी परिवर्तनों पर नज़र रखने, छात्रों को नौकरी प्रशिक्षण/अनुभव प्रदान करने तथा छात्रों के लिए इंटर्नशिप की सुविधा प्रदान करने आदि में मदद करता है। उद्योग विभिन्न मामलों पर चर्चा के दौरान संकाय की विशेषज्ञता से लाभ प्राप्त कर सकते हैं तथा विचारों आदि के परीक्षण के लिए संस्थान की सुविधाओं का उपयोग कर सकते हैं।

5.2 पुरस्कार तथा मान्यताएं

श्री अमित कुमार गहलोत, वरिष्ठ संकाय ने मध्य प्रदेश सरकार की दीन दयाल अंत्योदय रसोई योजना के लिए निम्न लोगो डिजाइन बनाया:

5.3 विशिष्ट आगंतुक

क्रमांक	पदनाम के साथ गणमान्य व्यक्तियों के नाम	विज़िट की तारीख़
1	श्री के.एस नंदा, पूर्व सीआईआई अध्यक्ष, भोपाल क्षेत्रीय परिषद काउन्सिल	10 जून 2020
2.	श्री जी वेंकटेश, निदेशक, स्कूल ऑफ़ डिज़ाइन, श्री सत्य साई प्रौद्योगिकी तथा चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय	08 जुलाई 2020
3.	सुश्री प्रेरणा कोठारी, प्राचार्य, स्कूल ऑफ डिजाइन	08 जुलाई 2020
4.	सुश्री पल्लवी जैन गोविल, प्रमुख सचिव, आदिम जाति कल्याण विभाग, एमपी सरकार	11 अगस्त 2020
5.	प्रो. (डॉ.) एन. श्रीधरन, निदेशक, स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर भोपाल	12 अगस्त 2020
6.	श्री सिद्धार्थ चतुर्वेदी, अध्यक्ष, सीआईआई भोपाल	13 अगस्त 2020
7.	सुश्री टी.एस. राजी गेन, मुख्य महाप्रबंधक, राष्ट्रीय कृषि तथा ग्रामीण विकास बैंक	27 अगस्त 2020
8.	श्री महेश गुलाटी, जीएम मार्केटिंग, हस्तशिल्प तथा हथकरघा निगम	15 सितम्बर 2020
9.	श्री उत्तम गांगुली, वरिष्ठ प्रबंधक (विनिर्माण) गोदरेज	16 सितम्बर 2020
10	श्री संजय कुमार शुक्ला, प्रमुख सचिव, उद्योग तथा निवेश संवर्धन विभाग, एमपी सरकार	12 अक्टूबर 2020
11	डॉ प्रभा देसिकन, निदेशक, भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर	25 जनवरी 2021
12	प्रो. (डॉ.) सरमन सिंह, निदेशक एवं सीईओ, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भोपाल	07 फ़रवरी 2021

आदिम जाति कल्याण विभाग, एमपी सरकार के प्रमुख सचिव का दौरा

सुश्री पल्लवी जैन गोविल, प्रमुख सचिव, आदिम जाति कल्याण विभाग, एमपी सरकार ने 11 अगस्त 2020 को एनआईडी एमपी तथा जनजातीय कल्याण विभाग, मध्य प्रदेश सरकार के बीच तालमेल के मामलों पर चर्चा करने के लिए संस्थान का दौरा किया। उन्हें बताया गया कि संस्थान में बैचलर ऑफ डिजाइन के कार्यक्रम पाठ्यक्रम में कला तथा संस्कृति का अध्ययन भी शामिल है। संस्थान नियमित रूप से कारीगरों तथा शिल्पकारों को आदिवासी कला तथा शिल्प से संबंधित विभिन्न पहलुओं को छात्रों को पढ़ाने के लिए आमंत्रित करता है।

सुश्री पल्लवी जैन गोविल ने ग्रीन ड्राइव में भाग लिया

श्री सिद्धार्थ चतुर्वेदी, अध्यक्ष सीआईआई भोपाल का दौरा

श्री सिद्धार्थ चतुर्वेदी, अध्यक्ष सीआईआई भोपाल ने एनआईडी एमपी तथा भारतीय उद्योग परिसंघ, मध्य प्रदेश के बीच आपसी सहयोग के क्षेत्रों पर चर्चा करने के लिए 13 अगस्त 2020 को संस्थान का दौरा किया। सीआईआई के सदस्यों का एक प्रतिनिधिमंडल भी उनके साथ था। प्रतिनिधिमंडल ने संस्थान की प्रयोगशालाओं तथा कार्यशालाओं में उपलब्ध सुविधाओं की सराहना की।

सीआईआई प्रतिनिधिमंडल को संस्थान की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई

सीआईआई प्रतिनिधिमंडल ने आईडी कार्यशाला का दौरा किया

एनआईडी एमपी तथा एसपीए भोपाल के बीच समझौता ज्ञापन

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्य प्रदेश (एनआईडी एमपी) तथा स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, भोपाल (एसपीएबी) के बीच 06 अक्टूबर 2020 को एनआईडी एमपी परिसर में अकादमिक सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। साझेदारी का उद्देश्य संकाय, तकनीकी कर्मचारियों तथा छात्रों के आदान-प्रदान के साथ-साथ सहयोगी शैक्षणिक तथा अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देना है। यह समझौता संयुक्त औद्योगिक परियोजनाओं, प्रकाशनों, विशेष अल्पकालिक संयुक्त शैक्षणिक कार्यक्रमों के संचालन तथा एक दूसरे की सुविधाओं के उपयोग की सुविधा भी प्रदान करेगा ।

निदेशक एसपीए भोपाल ने ग्रीन ड्राइव में भाग लिया

सुश्री टीएस राजी गेन ने परिसर का दौरा किया

एनआईडी एमपी और एसपीए भोपाल के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

सीजीएम, नाबार्ड ने ग्रीन ड्राइव में भाग लिया

मुख्य महाप्रबंधक, नाबार्ड का दौरा

सुश्री टी.एस. राजी गेन, मुख्य महाप्रबंधक, राष्ट्रीय कृषि तथा ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने 27 अगस्त 2020 को संस्थान का दौरा किया। उन्होंने एनआईडी के पदाधिकारियों को मध्य प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में कारीगरों तथा शिल्पकारों की मदद के लिए नाबार्ड द्वारा की गई पहल के बारे में जानकारी दी। निदेशक, एनआईडी एमपी ने उन्हें संस्थान के शैक्षणिक कार्यक्रमों तथा आउटरीच पहल के बारे में जानकारी दी। दोनों ने एनआईडी एमपी द्वारा स्वयं सहायता समूहों को उनके कामकाज में डिजाइन संबंधी पहलुओं को पेश करने के लिए प्रशिक्षण देने की संभावनाओं पर चर्चा की।

उद्योग तथा निवेश संवर्धन विभाग, एमपी सरकार के प्रमुख सचिव का दौरा

श्री संजय कुमार शुक्ला, प्रमुख सचिव, उद्योग तथा निवेश संवर्धन विभाग, मध्य प्रदेश सरकार ने 12 अक्टूबर 2020 को संस्थान का दौरा किया। उन्होंने मध्य प्रदेश राज्य में उद्योग के लिए संस्थान द्वारा की गई गतिविधियों के बारे में जानकारी ली। श्री शुक्ला ने संस्थान की प्रयोगशालाओं तथा कार्यशालाओं में मशीनरी तथा उपकरणों के कामकाज में गहरी दिलचस्पी ली तथा राज्य में उद्योगों के साथ सहयोग करने के लिए एनआईडी एमपी के प्रयासों की सराहना की।

श्री संजय कुमार शुक्ला ने पुस्तकालय का अवलोकन किया

प्रो. (डॉ.) सरमन सिंह ने संस्थान के पुस्तकालय का भ्रमण किया

श्री शुक्ला को आईडी कार्यशाला में मशीनों के बारे में जानकारी दी

डॉ. सरमन सिंह, निदेशक एम्स भोपाल को शैक्षणिक ब्लॉक के लेआउट के बारे में जानकारी दी जा रही है

निदेशक तथा सीईओ, एम्स भोपाल का दौरा

प्रो. (डॉ.) सरमन सिंह, निदेशक तथा सीईओ, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भोपाल ने 07 फरवरी 2021 को संस्थान का दौरा किया। निदेशक, एनआईडी एमपी द्वारा उन्हें परिसर का दौरा कराया गया। प्रोफेसर सिंह ने सुझाव दिया कि एनआईडी एमपी तथा एम्स भोपाल को शिक्षा तथा अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग करना चाहिए, ताकि मध्य भारत के लोग भोपाल शहर में राष्ट्रीय महत्व के दो उच्च श्रेणी के संस्थानों की उपस्थिति से लाभान्वित हो सकें।

5.4 आयोजन

(i) अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

योग की भारतीय पद्धति के सम्मान में तथा मन एवं आत्मा पर योग के लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 21 जून 2020 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।

Yoga day celebration

योग दिवस समारोह

(i) हिंदी पखवाड़ा

दैनिक कार्यों में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ाने के उद्देश्य से 14 सितम्बर से 27 सितम्बर 2020 तक हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया गया। पखवाड़े के दौरान दैनिक जीवन में हिंदी के उपयोग के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एक व्याख्यान का भी आयोजन किया गया।

(ii) डिजाइन ओरिएंटेशन वीक

डिजाइन ओरिएंटेशन वीक 14 से 16 सितंबर 2020 तक ऑनलाइन आयोजित किया गया था, क्योंकि संस्थान कोविड-19 महामारी के कारण ऑनलाइन पद्धति से काम कर रहा था। इसमें परिचयात्मक सत्र शामिल थे, जिसमें छात्रों को बी. डेस. का एक सिंहावलोकन दिया गया। छात्रों को पाठ्यक्रम की रूपरेखा, संस्थान में कार्यकलाप, नियमों तथा विनियमों का पालन करना आदि की जानकारी दी गई। ओरिएंटेशन वीक में देश के प्रतिष्ठित डिजाइन पेशेवरों ने छात्रों के साथ वार्तालाप किया।

विद्यार्थियों को संबोधित करते निदेशक

छात्रों से रूबरू होते डिप्टी रजिस्ट्रार

(i) कोविड-19 की रोकथाम का संकल्प

संस्थान के कर्मचारियों द्वारा 12 अक्टूबर 2020 को सोशल डिस्टेंसिंग के मानदंडों के साथ कोविड 19 की रोकथाम का संकल्प लिया गया। सभी कर्मचारियों ने वायरस के प्रसार को रोकने के लिए सभी आवश्यक सावधानी बरतने का संकल्प लिया।

कोविड 19 की रोकथाम के लिए प्रतिज्ञा

कोविड 19 की रोकथाम के लिए प्रतिज्ञा

(v) सतर्कता जागरूकता सप्ताह

27 अक्टूबर से 02 नवंबर 2020 तक "सतर्क भारत, समृद्ध भारत" विषय पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह -2020 मनाया गया। दैनिक जीवन में भ्रष्टाचार मानवीय लालच से जुड़ा हुआ है, जो अपने साधनों से परे जाकर दूसरे का हिस्सा प्राप्त करने का लालच देता है तथा आगे बढ़ने के लिए एक अतिशय है।

जागरूकता सप्ताह के दौरान शपथ ग्रहण समारोह

कार्यशालाओं के पीछे के क्षेत्र में श्रमदान

आईटी लैब के पीछे के क्षेत्र में श्रमदान

(vi) राष्ट्रीय एकता दिवस प्रतिज्ञा

अक्टूबर 2020 को वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई गई। कर्मचारियों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता तथा सुरक्षा की रक्षा के लिए खुद को समर्पित करने का संकल्प लिया।

(vii) स्वच्छता पखवाड़ा

संस्थान में 01 नवंबर से 15 नवंबर 2020 तक स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया गया। निदेशक प्रो. धीरज कुमार ने कर्मचारियों तथा आउटसोर्स वर्कर्स को स्वच्छता बनाए रखने की शपथ दिलाई। परिसर की सफाई के लिए श्रमदान का भी आयोजन किया गया।

(viii) संविधान दिवस

26 नवंबर 2020 को भारत के संविधान को अपनाने के उपलक्ष्य में संविधान दिवस मनाया गया। कर्मचारियों ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना को भारतीय संविधान के प्रति निष्ठा के प्रतीक के रूप में पढ़ा ।

(ix) नाबार्ड द्वारा प्रायोजित स्वयं सहायता समूहों को प्रशिक्षण

संस्थान ने 14 से 30 दिसंबर, 2020 तक नाबार्ड द्वारा प्रायोजित स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को विजुअल मर्चेंडाइजिंग का बुनियादी प्रशिक्षण देने के लिए 15 दिवसीय मॉड्यूल का आयोजन किया। मॉड्यूल ने दृश्य संवेदनशीलता के निर्माण तथा उन्नत दृश्य व्यापार के लिए स्थानिक समझ विकसित करने में मदद की।

कक्षा प्रशिक्षण चल रहा है

अंतिम परियोजनाओं की तैयारी

प्रदर्शनी में लगे स्टॉल

5.5 संकाय तथा कर्मचारियों के लिए मानव संसाधन विकास गतिविधियाँ तथा कोविड-19 के प्रकोप के दौरान की गई पहल

कोविड-19 का प्रकोप तथा देशव्यापी तालाबंदी संस्थान के लिए एक परीक्षण का चरण था। हालांकि, संस्थान के फैकल्टी तथा स्टाफ ने इस सिद्धांत पर काम किया कि सीखना कभी नहीं रुकता। जल्द ही यह महसूस किया गया कि महामारी जल्द खत्म होने वाली नहीं है तथा नए संदर्भ के अनुसार शिक्षण रणनीतियों को नया रूप देना होगा। ऑनलाइन सीखने के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण बनाने के लिए छात्रों सहित पूरे संस्थान समुदाय के साथ बैठकों की एक श्रृंखला आयोजित की गई। छात्रों के लिए शुरू में चुनौतियों में घर पर कंप्यूटर तक पहुंच, पर्याप्त बैंडविड्थ का स्थिर इंटरनेट कनेक्शन, व्यावहारिक सत्रों के लिए मानकीकृत उपकरण / कच्चे माल की उपलब्धता, असाइनमेंट जमा करना तथा उनका मूल्यांकन आदि शामिल थे। संकायों को

ऑनलाइन पाठ्यक्रम देने के आदी होने में कुछ समय लगा, जैसा कि सस्थान के संक्षिप्त इतिहास में पहले कभी नहीं किया गया था। एनआईडी एमपी ने जल्द ही पाठ्यक्रम वितरण, आकलन, संसाधनों को साझा करने, छात्रों के साथ चर्चा, असाइनमेंट जमा करने आदि सहित शिक्षण गतिविधियों के लिए एक लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम का अधिग्रहण किया। एलएमएस के माध्यम से सीखने को माइक्रोसॉफ्ट टीम्स/गूगल मीट प्रकार के सॉफ्टवेयर का उपयोग करके पूरक किया गया था।

लॉकडाउन की अवधि के दौरान, एनआईडी एमपी ने यह सुनिश्चित करने के लिए सभी सावधानी बरती कि संक्रमण के प्रसार के बीच संस्थान समुदाय सुरक्षित रहे। जब संक्रमण अपने चरम पर था, तब परिसर से नो एंट्री/ एग्जिट की सख्त नीति का पालन किया गया था। तब संस्थान प्रबंधन ने सुरक्षा, हाउसकीपिंग, बागवानी तथा नर्सिंग स्टाफ की न्यूनतम आवश्यकता पर काम किया तथा उन्हें परिसर में रहने के लिए कहा ताकि मुख्य द्वार के बाहर लोगों से संपर्क कम से कम हो सके। कैंपस में मौजूद सभी व्यक्तियों के स्वास्थ्य की नियमित रूप से निगरानी की जाती थी तथा जब भी आवश्यकता होती थी, संस्थान के चिकित्सा अधिकारी से फोन पर परामर्श लिया जाता था। परिसर में रहने वाले संस्थान समुदाय से संबंधित रोज़मर्रा की जरूरतों की निगरानी के लिए एक टीम बनाई गई थी, तथा उन्होंने पूरे लॉकडाउन चरण के दौरान एवं सामान्य स्थिति में लौटने की प्रक्रिया के दौरान भी अथक परिश्रम से कार्य किया। किराने का सामान, सब्जियां तथा अन्य प्रावधान केंद्रीय रूप से आस-पास के आपूर्तिकर्ताओं से मंगवाए जाते थे, तथा उपयोग से पहले वस्तुओं को अच्छी तरह से साफ कर दिया जाता था।

बाद में, जब संस्थान ने कर्मचारियों तथा आगंतुकों को परिसर में आने की अनुमति देना शुरू किया, तो प्रवेश को नियंत्रित किया गया तथा सभी प्रवेशकों के शरीर का तापमान मुख्य द्वार पर दर्ज किया गया। प्रशासनिक तथा शैक्षणिक प्रखंडों सहित परिसर के मुख्य द्वार तथा अन्य स्थानों पर हैंड सैनिटाइजेशन मशीनें लगाई गई थीं। संस्थान ने भारत सरकार तथा राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का सावधानीपूर्वक पालन सुनिश्चित करने के लिए एक कोविड-19 निगरानी समिति का गठन किया। कार्यालयों में कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए निवारक उपायों पर कर्मचारियों को एसओपी जारी किया गया था। कार्यालयों को फिर से खोलने के बाद, एनआईडी एमपी ने अन्य गतिविधियों के साथ-साथ कुछ पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया भी आयोजित की, जिसे करने के दौरान सभी कोविड -19 संबंधित दिशानिर्देशों का पालन किया। मार्च 2021 में ऑफ़लाइन शिक्षा के लिए संस्थान को फिर से खोलने के समय, विद्यार्थियों को एक व्यापक एसओपी जारी किया गया था । उन्हें कैंपस में रिपोर्ट करने से पहले आरटी पीसीआर टेस्ट कराने को कहा गया। छात्रों को कक्षा की गतिविधियों के शुरू होने से पहले छात्रावासों में 14 दिनों के संगरोध के तहत रखा गया था। लॉकडाउन अवधि के दौरान भी, ऑनलाइन कक्षाओं के संचालन के अलावा, एनआईडी एमपी संकाय ने खुद को नवीन जानकारी से मेल रखने के प्रयास में वेबिनार, सम्मेलन, संगोष्ठी आदि का आयोजन किया तथा भाग लिया। अन्य ने अकादमिक, अनुसंधान तथा उद्योग में हाल के रुझानों के बारे में स्वयं को अपडेट किया। इसी तरह, तकनीकी तथा प्रशासनिक स्टाफ सदस्यों ने भी विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षणों तथा संगोष्ठियों में भाग लिया।

सीखने के सत्र चल रहे हैं

IISER भोपाल और SPA भोपाल के निदेशकों से चर्चा

छात्रों का कार्य

“लक्ष्य निर्धारित
करने का वास्तविक मूल्य
मान्यता या पुरस्कार
नहीं है, अपितु वह व्यक्ति है
जो अनुशासन, साहस तथा
प्रतिबद्धता से लक्ष्य
प्राप्त करने के
परिणामस्वरूप बनता है”

अज्ञात

6. शिक्षण तथा सीखने के संसाधन

6.1 31 मार्च 2021 को पदों की स्थिति : -

वेतन स्तर - 14 (144200 - 218200) **01**

निर्देशक

वेतन स्तर - 13 (123100-215900) **01**

प्रिंसिपल डिजाइनर (प्रोफेसर), रजिस्ट्रार

वेतन स्तर - 12 (78800-209200) **05**

वरिष्ठ डिजाइनर (एसोसिएट प्रोफेसर), मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, वित्त तथा लेखा नियंत्रक

वेतन स्तर - 11 (67700 - 208700) **05**

एसोसिएट सीनियर डिज़ाइनर (असिस्टेंट प्रोफेसर), प्रिंसिपल टेक्निकल इंस्ट्रक्टर, उप कुलसचिव, प्रधान पुस्तकालयाध्यक्ष/संसाधन केंद्र

वेतन स्तर - 10 (56100 - 177500) **08**

वरिष्ठ तकनीकी प्रशिक्षक, डिजाइनर / संकाय, वरिष्ठ डिजाइन प्रशिक्षक, प्रशासनिक अधिकारी, वरिष्ठ लेखा अधिकारी, वरिष्ठ अभियंता (एलबीएम)

वेतन स्तर - 7 (44900 - 142400) **01**

वरिष्ठ सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष, वरिष्ठ अधीक्षक, सहायक प्रशासनिक अधिकारी, प्रमुख सुरक्षा सेवाएं, सहयोगी वरिष्ठ तकनीकी प्रशिक्षक, एसोसिएट वरिष्ठ डिजाइन प्रशिक्षक, उप अभियंता (विद्युत), सहायक अभियंता (सिविल)

वेतन स्तर - 6 (35400 - 112400) **03**

अधीक्षक, वरिष्ठ सहायक डिजाइन प्रशिक्षक, तकनीकी प्रशिक्षक, सहायक अभियंता (आईटी)

वेतन स्तर - 5 (29200 - 92300) **03**

वरिष्ठ पुस्तकालय सहायक, वरिष्ठ सहायक (प्रशासन / स्टूडियो), वार्डन, पर्यवेक्षक (विद्युत / सुरक्षा), तकनीकी सहायक

वेतन स्तर - 4 (25500 - 81100) **00**

सहायक (लेखा/व्यवस्थापक/पुस्तकालय)

ग्रीन ड्राइव में भाग लेते निदेशक

पौधारोपण करते वरिष्ठ अभियंता (एलबीएम)

ग्रीन ड्राइव में भाग लेते उप कुलसचिव

सभागार के सामने पौधारोपण किया गया

एक स्वच्छ तथा हरा-भरा परिसर

सीखने की राह

फैकल्टी टीम

6.2 कैंपस तथा आधारभूत संरचना

एनआईडी एमपी भोपाल अचारपुरा औद्योगिक क्षेत्र के निकट स्थित है। परिसर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, भोपाल जंक्शन तथा राजा भोज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक आसानी से जाया जा सकता है। संस्थान का निर्माण 29.49 एकड़ भूमि पर किया गया है, जहां प्रौद्योगिकी तथा नवाचार के उचित उपयोग से अत्याधुनिक माहौल बनाया गया है।

प्रशासनिक ब्लॉक

प्रशासनिक ब्लॉक में निदेशक, रजिस्ट्रार, शैक्षणिक सेवाओं, प्रशासन, स्थापना, खरीद, संपत्ति / कार्यों, स्टोर, वित्त एवं खातों, आईटी सेवाओं आदि के लिए कार्यालय हैं। ब्लॉक में 20 की बैठने की क्षमता वाला एक सम्मेलन हॉल भी है जो आधुनिक ऑडियो-वीडियो सह प्रस्तुति प्रणाली तथा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग

सुविधा से सुसज्जित है ।

छात्र अपने प्रवेश, शुल्क भुगतान, छात्रवृत्ति, परिणाम तथा अन्य सभी शैक्षिक आवश्यकताओं से संबंधित मामलों से संबंधित किसी भी कार्य के लिए इन कार्यालयों मैं संपर्क कर सकते हैं। कार्यालय संस्थान के कर्मचारियों को प्रशासनिक सहायता भी प्रदान करते हैं।

अकादमिक ब्लॉक

प्रभावी शिक्षण अधिगम की सुविधा के लिए अकादमिक ब्लॉक में विशाल तथा अच्छी तरह से रोशनी वाली कक्षाएँ, विभाग-विशिष्ट प्रयोगशालाएँ, स्टूडियो आदि हैं। यह सुविधाएं उपयोगकर्ता के अनुकूल शैक्षणिक वातावरण तथा छात्रों के लिए एक इंटरैक्टिव वातावरण में सीखने पर ध्यान केंद्रित करना संभव बनाती है। ब्लॉक में 29 फैकल्टी के बैठने के लिए जगह दी गई है। अतिथि चिकित्सा अधिकारी तथा डिजाइन शॉप को भी कमरे आवंटित किए गए हैं।

कार्यशाला ब्लॉक

औद्योगिक डिजाइन (सिरेमिक, मिट्टी के बर्तन, बढ़ईगीरी आदि) तथा वस्त्र तथा परिधान डिजाइन कार्यशालाएं उच्च प्रशिक्षित डिजाइन पेशेवरों, प्रशिक्षकों तथा अन्य विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में छात्रों को सीखने में सहायता प्रदान करती हैं। छात्रों को विभिन्न पाठ्यक्रम/पाठ्यक्रमों से संबंधित प्रयोगों को आगे बढ़ाने तथा उद्योग की जरूरतों के अनुसार कौशल/क्षमता विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

आईटी केंद्र

संस्थान की आईटी संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आईटी केंद्र अत्याधुनिक तकनीकी संसाधनों से लैस है। केंद्र नेटवर्किंग के मिश्रण के माध्यम से संस्थान समुदाय के लिए इंटरनेट एक्सेस की सुविधा प्रदान करता है।

ज्ञान प्रबंधन केंद्र (केएमसी)

एनआईडी एमपी में ज्ञान प्रबंधन केंद्र (केएमसी) संस्थान समुदाय के लिए सीखने के संसाधनों की पहचान, मूल्यांकन, खरीद तथा उपलब्ध कराने का कार्य करता है। केएमसी अधिकांश आधुनिक लाइनों पर बनाया गया है। केंद्र पूरी तरह से वातानुकूलित तथा कम्प्यूटरीकृत, एर्गोनॉमिक रूप से डिज़ाइन किए गए फ़र्नीचर तथा फिटिंग से सुसज्जित है तथा पेशेवरों की एक अत्यधिक समर्पित टीम द्वारा प्रबंधित किया जाता है। केएमसी ओपन-सोर्स लाइब्रेरी मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर "कोहा" की मदद से सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला की पेशकश करके संस्थान समुदाय की सूचना जरूरतों को पूरा करता है।

केएमसी ने सभी इन-हाउस अकादमिक, अनुसंधान तथा प्रशासनिक आउटपुट, यानी संस्थान की घटनाओं की फोटो गैलरी, इन-हाउस प्रकाशनों, नीतियों को संरक्षित करने के लिए ओपन-सोर्स डिजिटल लाइब्रेरी सॉफ्टवेयर "डीस्पेस" का उपयोग करके संस्थान का डिजिटल भंडार बनाया है। तथा संस्थान से संबंधित समाचार पत्रों की कतरन आदि।

केएमसी ने अपनी वेबसाइट/पोर्टल भी विकसित की है, जो इंट्रानेट पर उपलब्ध है तथा ई-पुस्तकों, ई-पत्रिकाओं, ई-पत्रिकाओं, ई-समाचार पत्रों, ऑडियो पुस्तकों आदि की विभिन्न डिजिटल सामग्री तक पहुंच प्रदान करता है। एनआईडी एमपी में पुस्तकालय संग्रह नीचे दिए गए हैं:

a.	मुद्रित पुस्तकें	- 3509
b.	मुद्रित समाचार पत्र	-13
c.	पत्रिका	- 04

ई-संसाधन:

a.	ब्लूम्सबरी डिजाइन लाइब्रेरी	- 149 ई-बुक्स,
b.	ब्लूम्सबरी विजुअल आर्ट लाइब्रेरी	- 174 ई-बुक्ससी.
c.	जेएसटीओआर डाटाबेस	- 3000 ई-जर्नल्स
d.	डी. मैगजर लाइब्रेरी	- 5000 ई-मैगजीन तथा ई-समाचार पत्र।
e.	ऑडियो विजुअल मटेरियल	- 414

सभागार

एनआईडी एमपी ऑडिटोरियम में 510 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता है। स्क्रीनिंग पाठ्यक्रम से संबंधित वृत्तचित्रों / फिल्मों के अलावा, सुविधा का उपयोग अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, विशेषज्ञ / अतिथि व्याख्यान, पेशेवर सेमिनार, सम्मेलनों, प्रस्तुतियों, बैठकों आदि के संचालन के लिए किया जाता है।

विशेष ध्वनिक डिज़ाइन पैनल दर्शकों को संपूर्ण मुखर रेंज में उच्च स्पष्टता तथा स्पष्ट ध्वनि की सुविधा प्रदान करते हैं। प्रकाश व्यवस्था में फ्रंट लाइटिंग, फुट लाइटिंग, स्पॉट लाइट तथा मैनुअल तथा प्रोग्रामेबल लाइटिंग कंट्रोल के साथ एक प्रोजेक्शन रूम शामिल है।

छात्रावास (लड़कियां तथा लड़के)

लड़कों तथा लड़कियों के छात्रावास पांच मंजिला संरचना हैं, जिनमें सिंगल तथा डबल अधिभोग कमरे हैं। सभी कमरों में हाई स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान की गई है। छात्रावासों में मनोरंजन कक्ष, इनडोर खेल, स्वचालित वाशिंग मशीन, आरओ जल आपूर्ति, सौर गीजर तथा अन्य सुविधाएं हैं।

ढांचागत रूप से मजबूत होने के अलावा, छात्रावास छात्रों के आपस के विचार विमर्श तथा चर्चा के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करते हैं। शैक्षणिक गतिविधियों से परिपूर्ण व्यस्त दिन के बाद छात्र मनोरंजन कक्षों में आराम कर सकते हैं तथा शांति महसूस कर सकते हैं। दोनों छात्रावासों में प्रथम वर्ष के छात्रों को अलग-अलग मंजिलों पर ठहराया जाता है। हालांकि, दूसरे तथा तीसरे वर्ष के छात्रों को अपने वरिष्ठ छात्रों के साथ बातचीत करने, उनसे सीखने, उनके ज्ञान का लाभ उठाने का पर्याप्त अवसर मिलता है। छात्रावासों में जूनियर छात्रों द्वारा अध्ययन/परियोजना समूहों का मार्गदर्शन करने के लिए वरिष्ठ छात्रों से मंत्रणा करता पाया जाना एक आम दृश्य है।

छात्रों का मेस

स्टूडेंट्स मेस में एक केंद्रीय वातानुकूलित डाइनिंग हॉल के साथ 120 लोगों के बैठने की क्षमता है। सुरक्षित तथा स्वच्छ खाना पकाने तथा परोसने की प्रक्रिया के लिए एनआईडी एमपी द्वारा आधुनिक रसोई उपकरण तथा बर्तन उपलब्ध कराए गए हैं। मेस सेवा प्रदाता स्वच्छता जागरूकता के उच्चतम मानकों का पालन करता है। संस्थान की मेस समिति यह सुनिश्चित करने के लिए मेनू तैयार करते समय अत्यधिक सावधानी बरतती है कि खाद्य पदार्थ सभी प्रकार की जनसांख्यिकी के भोजन की आदतों के अनुकूल हैं।

बहु-सुविधा कायाकल्प केंद्र

बहु-सुविधा कायाकल्प केंद्र (एमएफआरसी) छात्रों तथा निवासियों को जिम, एरोबिक्स, जुंबा, योग तथा संगीत वाद्ययंत्र की सुविधा प्रदान करता है। छात्र इस सुविधा का उपयोग शारीरिक सौष्ठव के लिए अभ्यास करने, सामान्य फिटनेस में सुधार, योग, ध्यान तथा मनोरंजन के लिए करते हैं।

आवासीय क्षेत्र

आवासीय क्षेत्र कर्मचारियों को कार्यस्थल-सुविधाजनक आवास इकाइयाँ प्रदान करता है। संस्थान में 03 टाइप II, 03 टाइप III, 06 टाइप IV तथा 04 टाइप V इकाइयाँ हैं। एक टाइप V यूनिट का उपयोग कार्यकारी गेस्ट हाउस के रूप में किया जाता है।

आवासीय ब्लॉकों से सटा खुला जिम कर्मचारियों, उनके परिवार के सदस्यों तथा छात्रों के बीच बहुत लोकप्रिय है।

चिकित्सा केंद्र

संस्थान ने चिकित्सा सहायता के लिए दौरे के आधार पर एक डॉक्टर को नियुक्त किया है। एक पुरुष तथा एक महिला नर्सिंग सहायक छात्र-छात्राओं तथा कर्मचारियों की चिकित्सा आवश्यकताओं की देखभाल करते हैं।

प्रशासनिक ब्लॉक

प्रशासनिक ब्लॉक

स्वागत क्षेत्र

अकादमिक ब्लॉक

अकादमिक ब्लॉक

सभागार

कार्यशाला क्षेत्र में प्लांटर्स

पुस्तकालय ब्लॉक

एक अच्छी तरह से स्टॉक की गई लाइब्रेरी

छात्रों के लिए वाचनालय

बहु सुविधा कायाकल्प केंद्र

छात्रों का मेस

मेस तथा छात्रावास ब्लॉक

छात्र हॉस्टल का प्रवेश द्वार

ओपन जिम

हरे भरे परिवेश के बीच बैठने की जगह

वॉलीबॉल कोर्ट

आवासीय क्षेत्र

वर्कशॉप ब्लॉक के पीछे का क्षेत्र

कंप्यूटर लैब

निदेशक और उप रजिस्ट्रार एनईपी 2020 पर राष्ट्रपति के सम्मेलन में भाग लेते हुए

“खुशी तब
मिलती है जब आप
जो सोचते हैं,
जो कहते हैं तथा
जो करते हैं,
उसमें सामंजस्य हो।”

महात्मा गांधी

7. कैंपस की ज़िंदगी

7.1 मध्य प्रदेश डिजाइन उत्सव

मध्य प्रदेश डिजाइन उत्सव (एमपीडीयू), एनआईडी मध्य प्रदेश का वार्षिक डिजाइन कार्यक्रम 18 दिसंबर 2020 से 20 दिसंबर 2020 तक ऑनलाइन मोड में आयोजित किया गया था। एमपीडीयू 2020 का उद्घघाटन 18 दिसंबर 2020 को एनआईडी एमपी के निदेशक प्रोफेसर धीरज कुमार द्वारा किया गया था। "थिंकइन" के तहत एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया था, जिसमें प्रख्यात डिजाइनरों ने भाग लिया तथा "समकालीन समय में डिजाइनरों की विकसित भूमिका" पर चर्चा की। प्रसिद्ध डिजाइन विशेषज्ञों ने इस विषय पर अपने दृष्टिकोण साझा किए तथा एक विचार सामने आया कि वर्तमान परिदृश्य में जब दुनिया कोविड 19 महामारी से जूझ रही है, डिजाइनरों को डिजाइन की समस्याओं के समाधान की पेशकश करने के लिए प्रौद्योगिकी में हाल के नवाचारों का लाभ उठाना चाहिए।

'डिजाइन डायलॉग' ने डिजाइन शिक्षा के क्षेत्र में करियर की संभावनाओं के बारे में भावी छात्रों तथा उनके माता-पिता को मार्गदर्शन तथा परामर्श देने के लिए एक मंच की सुविधा प्रदान की। पोस्टर डिजाइन, लोगो डिजाइन, टी-शर्ट डिजाइन तथा पेपर टॉय मेकिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिसमें देश के सभी हिस्सों के छात्रों ने भाग लिया। ओरिगेमी तथा पेपर इंजीनियरिंग; टिकाऊ वस्त्र तथा सहायक उपकरण; फैन-आर्ट तथा कैरिकेचर; तथा फोटोग्राफी का वर्णन पर डिजाइन कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

एनआईडी मध्य प्रदेश के छात्रों ने पश्चिमी संगीत, शास्त्रीय संगीत तथा फ्यूजन संगीत पर प्रदर्शन का आयोजन किया। एनआईडी एमपी के छात्रों द्वारा बनाई गई फिल्म 'आउट ऑफ टच' भी प्रदर्शित की गई। इस अवसर पर रोजे खान तथा ग्रुप की ओर से ऑनलाइन सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। एक ऑनलाइन प्रदर्शनी में आभासी वास्तविकता के दायरे के माध्यम से स्केच, मूर्तियां, फैशन तथा फोटोग्राफी के रूप में छात्रों के कार्यों को प्रदर्शित किया गया।

उत्सव का यूट्यूब पर सीधा प्रसारण किया गया तथा देश भर के लोगों ने इसे देखा।

प्रो. शिव उमापति, निदेशक, आईआईएसईआर भोपाल, प्रो. एन श्रीधरन, निदेशक, एसपीए भोपाल तथा प्रो. धीरज कुमार, निदेशक एनआईडी एमपी 12 दिसंबर 2020 को मध्य प्रदेश डिजाइन उत्सव 2020 के पोस्टर का उद्घाटन करते हुए

7.2 थिंकिन (संगोष्ठी)

थिंकिन के तहत निम्नलिखित संगोष्ठियों का आयोजन किया गया:

(i) फाउंडेशन स्टडीज टीम ने जुलाई 2020 में "मंथन - वर्तमान कोविड परिदृश्य में फाउंडेशन स्तर के डिजाइन शिक्षा में शिक्षण, तथा 2030 के भविष्य के पेशेवरों का विश्लेषण" एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

(ii) संचार डिजाइन विभाग टीम ने जुलाई 2020 में भविष्य की संभावनाओं तथा संचार डिजाइन के आगामी रुझानों पर

चर्चा करने के उद्देश्य से "एक साथ - इकट्ठा करने के लिए" एक संगोष्ठी का आयोजन किया, जो पाठ्यक्रम के विकास में मदद करेगा।

(iii) औद्योगिक डिजाइन विभाग टीम ने जुलाई 2020 में "अभिकल्प: औद्योगिक डिजाइन के भविष्य को आकार देना" पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

(iv) कपड़ा तथा परिधान डिजाइन विभाग टीम ने जुलाई 2020 में "कनेक्ट-विचारों, अनुभवों तथा अंतर्दृष्टि को एक साथ लाना" पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

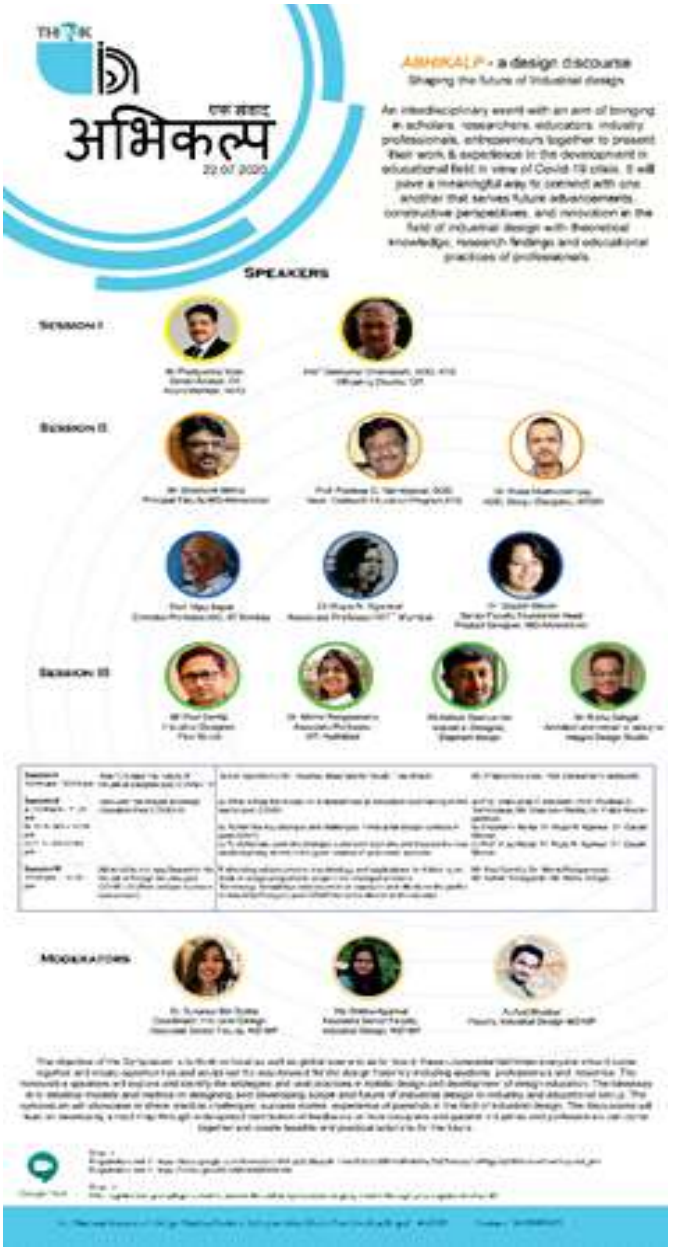

7.3 ग्रीन ड्राइव

यह महसूस करना कि वृक्ष ग्रह के फेफड़ों की भाँति हैं; संस्थान ने हरित कवरेज बढ़ाने के लिए सक्रिय रूप से हरित अभियान शुरू किया है। संस्थान में वृक्षारोपण को बहुत अधिक महत्त्व दिया जाता है क्योंकि एनआईडी एमपी को कम वनस्पति वाली चट्टानी भूमि पर विकसित किया गया था। परिसर को हरा-भरा तथा सुंदर बनाने के लिए संस्थान ने साल भर बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया। छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों, गणमान्य व्यक्तियों तथा वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों ने इस ग्रीन ड्राइव में हिस्सा लेकर परिसर के विभिन्न क्षेत्रों में पौधे लगाए।

निम्नलिखित गणमान्य व्यक्तियों ने ग्रीन ड्राइव में भाग लिया:

- सुश्री पल्लवी जैन गोविल, प्रमुख सचिव, आदिम जाति कल्याण विभाग, एमपी सरकार (11 अगस्त 2020).
- प्रो. (डॉ.) एन. श्रीधरन, निदेशक, योजना तथा वास्तुकला विद्यालय भोपाल (12 अगस्त 2020)
- श्री सिद्धार्थ चतुर्वेदी, अध्यक्ष, सीआईआई भोपाल (13 अगस्त 2020)
- सुश्री टी.एस. राजी गेन, मुख्य महाप्रबंधक, नेशनल बैंक फॉर कृषि तथा ग्रामीण विकास (27 अगस्त 2020)
- श्री संजय कुमार शुक्ला, प्रमुख सचिव, उद्योग तथा निवेश संवर्धन विभाग, एमपी सरकार (12 अक्टूबर 2020)
- डॉ. प्रभा देसिकन, निदेशक, भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (25 जनवरी 2021)
- प्रो. (डॉ.) सरमन सिंह, निदेशक तथा सीईओ, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भोपाल (07 फरवरी 2021)

7.4 स्थापना दिवस

तीसरा स्थापना दिवस 22 फरवरी 2021 को बहुत उत्साह तथा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कोरोनावायरस महामारी के कारण, सत्र / कार्यशालाओं को ऑनलाइन आयोजित करना पड़ा। इस कार्यक्रम में देश के सभी हिस्सों से छात्रों, युवा डिजाइन उत्साही और संस्थान समुदाय के छात्रों की व्यापक भागीदारी देखी गई।

7.5 समारोह

इस वर्ष के अधिकांश भाग के लिए, देश में कोविड-19 के प्रकोप के कारण छात्रों को ऑनलाइन शिक्षण से अपने अपने घरों से ही पढ़ाया गया। संस्थान द्वारा कोविड संबंधित दिशानिर्देशों का पालन करते हुए आयोजित किए गए कुछ समारोह निम्नानुसार हैं:

स्वतंत्रता दिवस

स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति के जोश तथा उत्साह के साथ मनाया गया। कोविड-19 द्वारा लगाई गई बाधाओं के कारण छात्रों ने ऑनलाइन मोड में इस कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत निदेशक प्रो. धीरज कुमार द्वारा कर्मचारियों तथा आउटसोर्स कर्मचारियों की उपस्थिति में ध्वजारोहण के साथ हुई। कर्मचारियों तथा उनके बच्चों द्वारा देशभक्ति गीत तथा नृत्य जैसे सांस्कृतिक प्रदर्शन प्रस्तुत किए गए।

विश्वकर्मा जयंती

कार्यशाला में 16 सितंबर 2020 को विश्वकर्मा जयंती मनाई गई। दिव्य वास्तुकार, भगवान विश्वकर्मा को नमन करने के लिए एक हवन का आयोजन किया गया, जिसमें निदेशक तथा अन्य कर्मचारियों ने भाग लिया।

दिवाली

निवासियों द्वारा दिवाली मनाई गई क्योंकि छात्र कोविड-19 प्रतिबंधों के कारण परिसर में नहीं थे। कोई सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित नहीं किया गया तथा निवासियों ने दीप जलाते तथा एक-दूसरे का अभिवादन करते हुए सामाजिक दूरियों के मानदंडों का पालन किया।

गणतंत्र दिवस

गणतंत्र दिवस समारोह की शुरुआत निदेशक को गार्ड ऑफ ऑनर देने के साथ हुई तथा उसके बाद राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्किट, गीत तथा नृत्य शामिल थे। चाय पान के साथ समारोह का समापन हुआ।

7.6 स्वच्छता ही सेवा

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत संस्थान ने 15 सितंबर से 02 अक्टूबर 2020 तक गतिविधियों की एक श्रृंखला आयोजित की। कचरे के उचित पृथक्करण तथा निपटान, पेड़ लगाने, पानी बचाने तथा पर्यावरण को स्वच्छ रखने के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए संस्थान के कर्मचारी तथा आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए एक अभियान का आयोजन किया गया। ।

कर्मचारियों ने परिसर में विभिन्न क्षेत्रों की सफाई तथा वनस्पतियों तथा जीवों के संरक्षण के लिए श्रमदान में भाग लिया।

7.7 निवासियों के लिए एनआईडी एमपी में जीवन चर्या

संस्थान में कर्मचारियों के लिए 15 आवासीय इकाइयां हैं। एक औषधालय के रूप में चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की गई हैं जहां कर्मचारी स्वयं तथा परिवार के लिए चिकित्सा सहायता प्राप्त कर सकते हैं। मल्टी फैसिलिटी कायाकल्प केंद्र (एमएफआरसी) व्यायाम उपकरण, संगीत वाद्ययंत्र, इनडोर खेल, योग आदि क्षेत्रों में कई विकल्प प्रदान करता है। खुले जिम का उपयोग बच्चों द्वारा व्यायाम तथा खेलने के लिए किया जाता है। कर्मचारी तथा उनके परिवार मोबाइल एटीएम बैंकिंग सुविधा का उपयोग करते हैं, जो प्रत्येक गुरुवार को परिसर में आती है। भुगतान के आधार पर उपयोग के लिए मेस की सुविधा उपलब्ध है। संस्थान द्वारा निवासियों के लिए पुस्तकालय सुविधाओं का भी विस्तार किया गया है।

दिवाली मिलन दोपहर के भोजन के बाद एक सामूहिक तस्वीर

स्वतंत्रता दिवस समारोह के बाद की एक सामूहिक तस्वीर

7.8 छात्र गतिविधियां

छात्र गतिविधियाँ छात्र के सर्वांगीण विकास में मदद करती हैं। संस्थान यह सुनिश्चित करता है कि विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर, छात्र बेहतर पारस्परिक संबंध विकसित करें, टीम भावना सीखें तथा आजीवन बंधन को महत्व दें। संस्थान समय समय पर विभिन्न छात्र गतिविधियों का आयोजन करता है।

समूह गतिविधि के बाद छात्रों के साथ बातचीत करते निदेशक

त्योहारों का आयोजन

संस्थान में उत्सव मनाना, शैक्षणिक गतिविधियों के माहौल का एक अभिन्न अंग है। छात्र इन समारोहों में बहुत उत्साह के साथ भाग लेते हैं। इस तरह के उत्सव छात्रों को एक-दूसरे की परंपराओं तथा सांस्कृतिक मान्यताओं के करीब लाते हैं तथा एक-दूसरे के रीति-रिवाजों तथा परंपराओं के लिए सम्मान तथा समझ विकसित करते हैं। हालांकि छात्र कोविड-19 महामारी के कारण वर्ष के दौरान केवल एक संक्षिप्त अवधि के लिए परिसर में थे, उन्होंने त्योहारों को अपने अनोखे तरीके से मनाया।

कोविड-19 महामारी के बाद कैंपस को फिर से खोलना

जैसे ही कोविड-19 महामारी के बाद स्थिति में सुधार हुआ, छात्रों को फरवरी तथा मार्च 2021 के महीनों में ऑफलाइन शिक्षा के लिए परिसर में बुला लिया गया था। कोविड एहतियातों के सख्त अनुपालन के लिए उन्हें एक व्यापक एसओपी जारी किया गया। उन्हें परिसर में वापस बुलाते समय निम्नलिखित सावधानियां बरती गईं:

(i) प्रत्येक छात्र को गृहनगर से यात्रा शुरू करने से पहले कोविड-19 आरटी पीसीआर परीक्षण करवाना आवश्यक था तथा केवल नकारात्मक परीक्षण रिपोर्ट धारकों को ही यात्रा शुरू करने की अनुमति दी गई थी।

(ii) प्रत्येक छात्र को स्मार्ट फोन पर आरोग्य सेतु ऐप इंस्टॉल करना आवश्यक था।

(iii) प्रत्येक छात्र को संस्थान में आने के समय 5 मास्क तथा कपड़े के दस्ताने लाने की आवश्यकता थी।

(v) प्रत्येक छात्र को हैंड सैनिटाइज़र (500 मिली) लाना आवश्यक था।

(vi) छात्रों को एसओपी पढ़ने तथा उसका पालन करने, माता-पिता के हस्ताक्षर प्राप्त करने तथा कोविड 19 आरटी पीसीआर रिपोर्ट के साथ जमा करने के लिए एक स्व-घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए कहा गया था।

संस्थान ने कोविड संबंधित निर्देशों का पालन करते हुए छात्रों के वापस स्वागत के लिए एक समारोह का आयोजन किया।

कैंपस में वापस आने पर छात्रों का स्वागत

बाहरी भ्रमण / गतिविधियाँ

छात्रों ने शैक्षणिक गतिविधियों के तहत शहर के विभिन्न स्थानों का दौरा किया। पाठ्यक्रम के हिस्से के तौर पर औद्योगिक क्षेत्रों के दौरे किए गए।

छात्रों के साथ फाउंडेशन अध्ययन संकाय

खेलकूद गतिविधियां

छात्रों ने टेबल टेनिस, बैडमिंटन आदि खेल गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया तथा सुबह / शाम की सैर के लिए परिसर में परिधीय सड़क का उपयोग किया। उन्होंने ओपन जिम तथा मल्टी फैसिलिटी कायाकल्प केंद्र में उपलब्ध फिटनेस उपकरणों का भी पूरा उपयोग किया।

काउंसिलिंग

संस्थान ने जरूरत के समय छात्रों को मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करने के लिए एक परामर्श एजेंसी की सेवाएं लीं। एजेंसी ने नियमित सत्र आयोजित किए, जिसमें मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया। इन सत्रों में चर्चा किये गये विषयों में भावनाओं की बेहतर अभिव्यक्ति तथा प्रबंधन, तनाव, अवसाद, चिंता या अन्य मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों का प्रबंधन, निर्णय लेने के कौशल में सुधार कैसे करें आदि विषय शामिल थे। छात्रों को किसी भी कारण से तनाव महसूस होने पर पेशेवरों से मदद लेने के लिए लगातार प्रोत्साहित किया गया था।

मानसिक कल्याण को बढ़ावा देने के लिए गतिविधियाँ

निरंतर संवाद के माध्यम से तथा छात्रों से प्राप्त फीडबैक की सहायता से संस्थान ने निम्नलिखित विषयों पर उचित कदम लिए:

- संकाय तथा कर्मचारियों से निरंतर समर्थन
- मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे (अवसाद, मानसिक बीमारी, चिंता, घर से दूर रहने पर तनाव आदि)
- छात्रावास तथा भोजन सहित परिसर में सुविधाओं का प्रावधान
- मादक द्रव्यों के सेवन / दुरुपयोग के लिए सख्त नीतियां
- खेल / पाठ्येतर गतिविधियों का प्रावधान स्वास्थ्य तथा अच्छाई

7.9 अच्छे कदम

सामग्री प्रबंधन: एनआईडी एमपी सर्वोत्तम वस्तुओं तथा सेवाओं को खरीदने तथा जीएफआर-2017 के प्रावधानों का पालन करने के सिद्धांत के लिए प्रतिबद्ध है। स्टोर अनुभाग शैक्षणिक, अनुसंधान तथा गैर-शैक्षणिक विभागों के लिए वस्तुओं तथा सेवाओं की खरीद तथा वितरण को पूरा करता है। खरीद तथा सूची प्रबंधन कार्यों को करते समय अनुभाग ने कई अच्छी प्रथाओं का पालन किया। पारदर्शिता, जवाबदेही, वित्तीय औचित्य तथा निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के लिए संस्थान की नीति के हिस्से के रूप में निम्नलिखित कदम उठाए गए:

- जैम तथा केंद्रीय ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल के माध्यम से वस्तुओं तथा सेवाओं की खरीद।
- कुछ हितधारकों के लिए प्राप्त डिजिटल हस्ताक्षर तथा प्रत्येक निविदा के लिए अलग-अलग निविदा मूल्यांकन समितियों का गठन किया गया था।
- स्थानीय खरीद समिति के माध्यम से कम मूल्य की वस्तुओं की खरीद।
- विनिर्देशों को यथासंभव सामान्य रखा गया था। बोली-पूर्व बैठक की एक प्रणाली के माध्यम से, संभावित बोलीदाता अपनी शंकाओं को स्पष्ट कर सकते हैं तथा निविदा में बदलाव का सुझाव दे सकते हैं।

8. वित्तीय संसाधन

8.1 पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

पत्रांक : ए.एम.जी.-I /18(16)/एन.आई.डी.-एम.पी. / वार्षिक लेखे / 2020-21 / 2021-22 /

भारतीय लेखापरीक्षा तथा लेखा विभाग
कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा
(उद्योग एवं कॉर्पोरेट मामले) नई दिल्ली
INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
Office of the Director General of Audit
(Industry & Corporate Affairs), New Delhi

दिनांक 31 JAN 2022

सेवा में,

सचिव
उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डी.पी.आई.आई.टी.)
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
उद्योग भवन
नई दिल्ली-110001

विषय : राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान (एन.आई.डी.), मध्य प्रदेश के वर्ष 31 मार्च 2021 के वार्षिक लेखाओं पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन।

महोदय,

मैं इस पत्र के साथ वर्ष 2020-21 के लिए राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान (एन.आई.डी.), मध्य प्रदेश के अंकेक्षित वार्षिक लेखों की प्रति तथा उन पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन संसद के पटल पर रखने के लिए अग्रेषित कर रही हूँ। कृपया यह सुनिश्चित करें कि पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन संसद के दोनों सदनों के सम्मुख प्रस्तुत किया जाए।

संसद को प्रस्तुत कर दस्तावेज की दो प्रतियाँ उस तिथि को दर्शाते हुए, जब वे संसद को प्रस्तुत किए गए थे, इस कार्यालय को तथा भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक के कार्यालय को भेजी जाए।

भवदीया,

संलग्नक : यथोपरि

(रिना अकोइजम)
महानिदेशक लेखापरीक्षा
(उद्योग एवं कॉर्पोरेट कार्य) नई दिल्ली

-306-

पत्रांक :ए.एम.जी.-I /10(16)/एन.आई.डी.–एम.पी. / वार्षिक लेखे / 2020–21 / 2021–22 / 438-440

दिनांक : 31 JAN 2022

प्रतिलिपि :

1. सचिव, उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डी.पी.आई.आई.टी.) को जारी किए गए पत्र तथा पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन की प्रति निदेशक, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एन.आई.डी.), मध्य प्रदेश सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित की जा रही है।

(रिना अकोइजम)
महानिदेशक लेखापरीक्षा
(उद्योग एवं कॉरपोरेट कार्य) नई दिल्ली

पत्रांक :ए.एम.जी.-I /10(16)/एन.आई.डी.–एम.पी. / वार्षिक लेखे / 2020–21 / 2021–22 / 438-440

दिनांक 31 JAN 2022

2. पत्र की प्रति वा.ले.प.–सी.ए.-III भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का कार्यालय, दीन दयाल उपाध्याय मार्ग नई दिल्ली के पत्र संख्या 26/CA III/PDA (I&CA)/SAR/NID/2020-21/96-2021 दिनांक 21.01.2022 के संदर्भ में प्रेषित की जाती है। पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन के तथ्यों एवं आंकड़ों की जाँच कर ली गई है, जिसमें कोई त्रुटि नहीं पाई गई है।

(रिना अकोइजम)
महानिदेशक लेखापरीक्षा
(उद्योग एवं कॉरपोरेट कार्य) नई दिल्ली

-305-

Separate Audit Report of the Comptroller & Auditor General of India on the Accounts of National Institute of Design Madhya Pradesh, Bhopal for the year ended 31 March 2021

1. We have audited the attached Balance Sheet of National Institute of Design (NID) Madhya Pradesh, Bhopal as on 31 March, 2021 and the Income and Expenditure Account for the year ended on the date under Section 19(2) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971 read with Section 25(2) of National Institute of Design Act, 2014. The preparation of these financial statements is the responsibility of the NID's management. Our responsibility is to express an opinion on these Financial Statements based on our audit.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller & Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only with respect to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms etc. Audit observations on financial transactions with regards to compliance with the Laws, Rules & regulations (Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspect, etc., if any, are reported through Inspection reports / CAG's Audit Reports separately.

3. We have conducted out audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidences supporting the amounts and disclosure in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that:

   i. We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit.

   ii. The Balance Sheet and Income & Expenditure Account dealt with by this report have been drawn up in the format approved by the Government of India under sub-Rule (1) of Rule 4 of National Institute of Design, Madhya Pradesh (Form of Annual Statement of Accounts) Rules, 2020.

   iii. In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by NID Madhya Pradesh in so far as it appears from our examination of such books.

   iv. We further report that:

-304-

A. BALANCE SHEET

A.1 Fixed Assets: ₹1,10,20,73,912

Capital Work in Progress (Schedule – 6): ₹99,94,67,875

The above includes ₹99.94 crore being cost of construction of First phase of Infrastructure development at NID Madhya Pradesh under which 10 units were constructed. The Institute's Bhopal campus was virtually inaugurated on 22.02.2019 and partially completed facilities have already been put into use. The Institute has commenced its first academic session from July 2019 in its own 30 acres campus at Bhopal, Madhya Pradesh. The Institute has not yet capitalized the same and kept the expenditure of ₹99.94 crore under Capital Work in Progress (CWIP). Non-capitalization of expenditure has resulted in overstatement of CWIP and understatement of Fixed Assets (Buildings) by ₹99.94 crore.

Non-capitalization of expenditure also resulted in non-charging of depreciation and consequently resulted in understatement of Depreciation Fund by ₹4.99 crore (at the rate of 2.5%) for the two years i.e. 2019-20 and 2020-21 and overstatement of Capital Fund to the same extent.

B. Grants-in-Aid

NID Madhya Pradesh had unutilized grants of ₹4.95 crore at the close of the year 2019-20 which was surrendered to Ministry in July 2021. It received grant of ₹8.91 crore under different heads (Grants-in-aid-General: ₹3.23 crores, Grants-in-aid-Salaries: ₹2.44 crore, Grants for creation of capital assets: ₹3.24 crore) from Department for Promotion of Industry and Internal Trade (DPIIT), Ministry of Commerce and Industry during the year 2020-21. Out of this, NID Madhya Pradesh utilized ₹8.43 crore (Grants-in-aid-General: ₹3.23 crore, Grants-in-aid-Salaries: ₹2.39 crore and Capital: ₹2.81 crore) and the unspent balance of ₹0.48 crore was surrendered to the Ministry in November 2021.

v. Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet and Income & Expenditure Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.

vi. In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us the said financial statement read together with the Accounting Policies and Note to Accounts, and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Separate Audit Report, give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India.

a. In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of the National Institute of Design (NID) Madhya Pradesh as at 31 March 2021; and

b. In so far as it relates to Income & Expenditure Account, of the surplus of the year ended on that date.

For and on behalf of the
Comptroller & Auditor General of India

31/1/2022

(Rina Akoijam)
Director General of Audit
(Industry & Corporate Affairs)
New Delhi

Place: New Delhi
Date: 31-01-2022

ANNEXURE TO SEPARATE AUDIT REPORT

(on the accounts of National Institute of Design (NID) Madhya Pradesh for the year ended on 31 March 2021)

1. **Adequacy of Internal Audit System**
   NID, Madhya Pradesh has not carried out internal audit of the Institute since inception of the Institute i.e. 2019-20.

2. **Adequacy of Internal Control System**
   Internal Control System was inadequate and not commensurate with the nature and size of the business of the Institute.

3. **System of physical verification of Fixed Assets**
   Physical verification of fixed assets was carried out during the year after the approval of accounts. No surplus/deficient item was found in the stock.

4. **System of Physical Verification of inventory**
   There is no inventory.

5. **Regularity in payment of statutory dues**
   The Institute was regular in payment of undisputed statutory dues.

Dy. Director (AMG-I)

FORM A
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Imprtance by an Act of Parliament

BALANCE SHEET AS AT MARCH 31, 2021

(Amount in Rupees)

Particulars	Schedule	31.03.2021	31.03.2020
CAPITAL FUND AND LIABILITIES			
CAPITAL FUND:	1	1,10,41,32,817	1,09,52,19,069
DEPRECIATION FUND:	6	2,44,18,220	-
EARMARKED FUND:	2	3,15,15,970	1,49,66,793
GRANTS AND CONTRIBUTIONS:	3	5,42,98,625	4,94,95,785
GRANT FOR NEW NIDs:	4	-	-
CURRENT LIABILITIES:	5	1,26,07,344	89,54,862
Total		**1,22,69,72,976**	**1,16,86,36,509**
ASSETS			
FIXED ASSETS (At Cost):	6	1,10,20,73,912	1,03,50,69,538
INVESTMENTS (At Cost):	7	-	-
CURRENT ASSETS, LOAN & ADVANCES, ETC:	8	12,48,99,064	13,14,97,475
INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT:	9	-	20,69,496
Total		**1,22,69,72,976**	**1,16,86,36,509**
Notes forming part of Accounts	17		

Place: Bhopal
Date: 21.10.2021

Director
प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

FORM 'B'
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Imprtance by an Act of Parliament

INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED MARCH 31, 2021

(Amount in Rupees)

Particulars	Schedule	Current Year	Previous Year
A. INCOME			
FEES:	10	2,19,49,875	1,34,69,100
SERVICE CHARGES:	11	3,33,750	-
GRANTS:	12	5,62,22,656	5,38,89,625
INTEREST EARNED:	13	49,89,373	12,06,970
OTHER INCOME:		16,04,398	2,90,723
TRANSFERRED FROM CAPITAL FUND TO THE EXTENT OF DEPRECIATION	1	1,30,84,880	84,71,511
TOTAL (A)		**9,81,84,932**	**7,73,27,929**
B. EXPENDITURE			
ESTABLISHMENT EXPENSES:	14	2,87,56,629	1,93,27,988
OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES:	15	3,96,16,570	3,66,31,133
EXPENSES ON PROJECTS:	11	1,77,676	-
INTEREST/BANK CHARGES:		-	-
DEPRECIATION:(Refer note no. 1e)	6	1,30,84,880	84,71,511
AMOUNT TRANSFERRED TO SPECIFIC FUNDS:	16	1,65,49,177	1,49,66,793
TOTAL (B)		**9,81,84,932**	**7,93,97,425**
BALANCE BEING DEFICIT CARRIED OVER TO BALANCE SHEET (A-B)		-	**(20,69,496)**
Notes forming part of Accounts	17		

Place: Bhopal
Date: 21.10.2021

Director

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-1
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Imprtance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at March 31, 2021

CAPITAL FUND

(Amount in Rupees)

Particulars	31.03.2021	31.03.2020
Schedule 1 – Capital Fund		
A. Capital Fund Balance as on 01.04.2020	1,09,52,19,069	1,00,94,34,985
a Add: i) Amount transferred from Central Govt. Grants Account for meeting Non-recurring expenditure	2,19,98,628	3,61,63,084
ii) Amount transferred from Appropriation of fund for Building under construction Account	-	5,80,92,511
iii) Amount transferred from Income & Expenditure A/c. on account of excess of cost over grant for Non-Recurring Expenditure	-	-
b. Less: Transferred to Income & Expenditure Account to the extent of depreciation on assets acquired out of Capital Funds	1,30,84,880	84,71,511
c. Less: Adjustment of the value of Machinery, Equipment & Furniture sold/discard during the year.	-	-
Sub-Total (A)	**1,10,41,32,817**	**1,09,52,19,069**
B. Land Reserve Balance as on	-	-
Total (A+B)	**1,10,41,32,817**	**1,09,52,19,069**

Director
प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-2
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Imprtance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at March 31, 2021

EARMARKED FUNDS

Amount in Rupees

Sr. No.	Name of funds	Opening Balance as on 01.04.2020	Interest Credited	Other Credited	Amount debited	Ref. Note	Closing Balance as on 31.03.2021
1	NID MP Corpus Fund	1,49,66,793		1,65,49,177	-	1	3,15,15,970
	Grand Total	**1,49,66,793**	**-**	**1,65,49,177**	**-**		**3,15,15,970**
	Previous Year	**-**	**-**	**1,49,66,793**	**-**		**1,49,66,793**

Note 1 : Amount transferred from Income and Expenditure Acccount

Director

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एनआईडी, मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Controller of Finance & Accounts

Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, M.P.

SCHEDULE-3
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Imprtance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at March 31, 2021

GRANTS AND CONTRIBUTIONS

Amount in Rupees

Sr. no.	Name of Account	Opening Balance as on 01.04.2020	Grant Credited	Amount Debited			Ref. Note	Closing Balance as on 31.03.2021
				Non Recurring Exps	Transferred to I&E A/c	Other debited		
1	Central Government Grant (Plan)	4,94,95,785	8,90,92,000	2,80,66,504	5,62,22,656	-		5,42,98,625
	Grand Total	**4,94,95,785**	**8,90,92,000**	**2,80,66,504**	**5,62,22,656**	**-**		**5,42,98,625**
	Previous Year	**3,15,08,941**	**16,61,32,064**	**3,69,55,595**	**5,38,89,625**	**5,73,00,000**		**4,94,95,785**

Director
प्रो. धीरज कुमार
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madh.

SCHEDULE-4
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Imprtance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at March 31, 2021

GRANTS FOR NEW NIDs

Amount in Rupees

Sr. no.	Name of Account	Grant Credited up to 31.03.2020	Grant utilised up to 31.03.2020	Opening Balance as on 01.04.2020	Grant Credited during the year	Total	Amount Debited			Closing Balance as on 31.03.2021
							Non-Recurring Exps	Transferred to CPWD/NBCC for Const. Work	Other debited	
	Central Government Grant Plan (non recurring) for implementation of National Design Policy: Setting up of New NID Campuses of NID (Madhya Pradesh)									
	Grand Total	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	Previous Year	-	-	-	-	-	-	-	-	-

Director

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, म.प्र.
National Institute of Design, M.P.

SCHEDULE-5
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Imprtance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at March 31, 2021

Current Libilities

(Amount in Rupees)

Particulars	31.03.2021	31.03.2020
1. For Expenses	31,81,685	32,60,967
2. For Rent & Other Deposits	15,15,700	-
3. Sundry Credit Balances	79,09,959	56,93,895
4. For Advances for projects in progress	-	-
Total	**1,26,07,344**	**89,54,862**

Director

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-6
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Imprtance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at March 31, 2021

FIXED ASSETS

Amount in Rupees

Sl No.	Particulars	Gross Block				Depreciation				Net Block	
		As on 01.04.2020	Addition	Sale/ Adjustment	As on 31.03.2021	As on 01.04.2020	For the year	Sale/ Adjustment	As on 31.03.2021	As on 31.03.2021	As on 31.03.2020
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
A	**IMMOVABLE PROPERTIES**										
1	Land	-	1	-	1	-	-	-	-	1	-
	Sub total of 1	-	1	-	1	-	-	-	-	1	-
2	NID Campus Buildings	1,28,41,779	3,32,098	-	1,31,73,877	14,39,456	3,93,555	-	18,33,011	1,13,40,866	1,14,02,323
	Sub-total of (1+2) (A)	**1,28,41,779**	**3,32,099**	**-**	**1,31,73,878**	**14,39,456**	**3,93,555**	**-**	**18,33,011**	**1,13,40,867**	**1,14,02,323**
B	**MOVABLE PROPERTIES**										
1	Machinery, Equipment & Tools	2,53,34,140	95,28,297	-	3,48,62,437	26,94,398	34,86,244	-	61,80,642	2,86,81,795	2,26,39,742
2	Furniture & fixtures	19,36,381	20,53,082	-	39,89,463	1,93,638	3,98,946	-	5,92,584	33,96,879	17,42,743
3	Computers & Peripherals	2,24,36,183	1,50,44,900	-	3,74,81,083	50,11,532	74,96,217	-	1,25,07,749	2,49,73,334	1,74,24,651
4	Staff pool vehicles	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5	Library books	1,00,03,862	30,95,314	-	1,30,99,176	19,94,316	13,09,918	-	33,04,234	97,94,942	80,09,546
	Sub-total of B	**5,97,10,566**	**2,97,21,593**	**-**	**8,94,32,159**	**98,93,884**	**1,26,91,325**	**-**	**2,25,85,209**	**6,68,46,950**	**4,98,16,682**
C	**Capital Work in Progess**	97,38,50,533	2,56,17,342	-	99,94,67,875	-	-	-	-	99,94,67,875	97,38,50,533
	Sub-total of C	**97,38,50,533**	**2,56,17,342**	**-**	**99,94,67,875**	**-**	**-**	**-**	**-**	**99,94,67,875**	**97,38,50,533**
	Grand Total (A+B+C)	**1,04,64,02,878**	**5,56,71,034**	**-**	**1,10,20,73,912**	**1,13,33,340**	**1,30,84,880**	**-**	**2,44,18,220**	**1,07,76,55,692**	**1,03,50,69,538**
	Previous Year	**2,59,96,814**	**1,03,28,55,531**	**1,24,49,467**	**1,04,64,02,878**	**28,61,829**	**84,71,511**	**-**	**1,13,33,340**	**1,03,50,69,538**	**2,31,34,985**

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश

वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान मध्यप्रदेश
National Institute of Design Madhya Pradesh

SCHEDULE-7
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Imprtance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at March 31, 2021

Investments (At cost)

(Amount in Rupees)

Particulars	31.03.2021	31.03.2020
Long Term	-	-
Fixed Deposits With	-	-
Bonds	-	-
Total	-	-

Director

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एनआईडी, मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Controller of Finance & Accounts

वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-8
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Imprtance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at March 31, 2021

Current Assets, Loan, Advances etc.

Amount in Rupees

Particulars	31.03.2021	31.03.2020
A. Current Assets:		
1. Inventories (at cost)		
a. Stores & Spares	-	-
b. Academic/Workshop/Lab/Studio Consumables	10,17,948	7,15,861
c. Glassware	-	-
d. Other Consumables	81,100	98,210
e. Stationery	-	-
Total A	**10,99,048**	**8,14,071**
2. Cash Balances on Hand	75,000	1,00,000
3. Bank Balances		
a. In Current Accounts with	36,35,087	16,11,618
Sub Total- a	**36,35,087**	**16,11,618**
b. In Savings Accounts with	-	-
Sub Total- b	**-**	**-**
Sub Total-(a+b)	**36,35,087**	**16,11,618**
c. In Call/Term Deposit Account with	8,75,00,000	6,65,00,000
Sub Total-c	**8,75,00,000**	**6,65,00,000**
Sub Total 3 (a+b+c)	**9,11,35,087**	**6,81,11,618**
Total (A) (1+2+3)	**9,23,09,135**	**6,90,25,689**

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
Director

Neeraj Kumar
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts

SCHEDULE-8
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Imprtance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at March 31, 2021

Current Assets, Loan, Advances etc.

Amount in Rupees

Particulars	31.03.2021	31.03.2020
B. Loan, Advances and Other Assets:		
(i) Loans:		
a. Secured	-	4,43,642
Sub Total of i(a)	**-**	**4,43,642**
b. Unsecured	-	-
Sub Total of i(a+b)	**-**	4,43,642
(ii) Advances:		
a. Capital Advance to Suppliers	8,62,344	28,49,531
b. Capital Advance for Works	2,56,14,781	5,73,00,000
c. Contingency Advance to Staff	11,800	3,77,400
Sub Total (ii)	**2,64,88,925**	**6,05,26,931**
(iii) Other Current Assets		
a. Security Deposit	20,35,800	4,62,800
b. Accured Interest on STDR	34,59,800	9,17,681
c. TDS refundable	6,05,404	1,20,732
Sub Total (iii)	**61,01,004**	**15,01,213**
Total of B (i+ii+iii)	**3,25,89,929**	**6,24,71,786**
Total of (A+B)	**12,48,99,064**	**13,14,97,475**

Director
Prof. Dhiraj Kumar
Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-9
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Imprtance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at 31st March 2021

Income and Expenditure Account

(Amount in Rupees)

Particulars	31.03.2021	31.03.2020
Balance as on 01.04.2020	20,69,496	-
Less:- Met from NID's own Income	(20,69,496)	-
Add: Current year's deficit (Plan Recurring)	-	20,69,496
Less: Current year's surplus (Non-Plan Recurring)	-	-
Deficit carried over to Balance Sheet	-	**20,69,496**

Director

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Controller of Finance & Accounts
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-10
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Imprtance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Income and Expenditure for the year ended March 31, 2021

Fees

(Amount in Rupees)

Particulars	2020-2021	2019-2020
1. Tution Fees	2,18,80,875	99,25,000
2. Hostel Fees	-	35,10,000
3. Student Activity Fee	46,000	22,800
4. Film Club Fee	23,000	11,300
Total	**2,19,49,875**	**1,34,69,100**

Director

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-11
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Imprtance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Income and Expenditure for the year ended March 31, 2021

Income from Project receipts/Grants (Non Plan) & Expenses from projects (Non Plan)

(Amount in Rupees)

Particulars	2020-2021		2019-2020	
	Project Expenses	Project Receipts	Project Expenses	Project Receipts
NABARD TRAINING PROGRAMME DEC 2020	1,77,676	3,33,750	-	-
Total	**1,77,676**	**3,33,750**	-	-

Director

Controller of Finance & Accounts

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-12
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Imprtance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Income and Expenditure for the year ended March 31, 2021

Transfers from Grant & Contributions

(Amount in Rupees)

Particulars	2020-2021	2019-2020
1. From Central Government Plan Grant for Recurring Exp.	5,62,22,656	5,38,89,625
Total	**5,62,22,656**	**5,38,89,625**

Director

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts

वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-13
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Imprtance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Income and Expenditure for the year ended March 31, 2021

Interest Earned

(Amount in Rupees)

Particulars	2020-2021	2019-2020
(Other than directly credited to Earmaked Funds)		
A) On Term Deposit		
a. Interest on STDRs	49,33,239	12,06,970
Sub-Total A	**49,33,239**	**12,06,970**
B) On Saving/Current A/c	-	-
Sub-Total B	**-**	**-**
C) On Loan/Deposit		
a. On Security Deposit	56,134	-
b.		
Sub-Total C	**56,134**	**-**
Total of A+B+C	**49,89,373**	**12,06,970**

Director

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-14
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Imprtance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Income and Expenditure for the year ended March 31, 2021

Establishment Expenses

(Amount in Rupees)

Particulars	Non-Plan Recurring Expenses	Plan Recurring Expenses			2020-2021 Total	Total of Non-Plan and Plan Recurring Expenses 2019-2020
		R & D	Other	Total		
1. Salary, Wages & Allowances						
a. Salaries and allowances	43,95,400	2,08,69,635	-	2,08,69,635	2,52,65,035	1,73,92,992
b. Leave Travel Concession	-	7,83,637	-	7,83,637	7,83,637	-
c. Leave Encashment to Serving Officials	-	66,924	-	66,924	66,924	-
d. Honorarium	-	-	-	-	-	-
e. Leave salary and Pension Contribution	-	-	-	-	-	-
f. Others	-	-	-	-	-	19,058
Sub-Total 1	**43,95,400**	**2,17,20,196**	**-**	**2,17,20,196**	**2,61,15,596**	**1,74,12,050**
2. Provident fund contribution						
a. Contribution to NPS (Employer's Share)	3,99,494	18,20,717		18,20,717	22,20,211	18,91,462
Sub-Total 2	**3,99,494**	**18,20,717**	**-**	**18,20,717**	**22,20,211**	**18,91,462**
3. Gratuity contribution						
a. Payment of Gratuity	-	47,502	-	47,502	47,502	-
b. Leave Encashment to Retired Officials	-	1,29,839	-	1,29,839	1,29,839	-
c. Others	-	-	-	-	-	-
Sub-Total 3	**-**	**1,77,341**	**-**	**1,77,341**	**1,77,341**	**-**
4. Medical Reimbursement & Staff welfare						
a. Medical Reimbursement to Serving & Retired Officials	-	2,43,481	-	2,43,481	2,43,481	24,476
b. Others	-	-	-	-	-	-
Sub-Total 4	**-**	**2,43,481**	**-**	**2,43,481**	**2,43,481**	**24,476**
Total (1+2+3+4)	**47,94,894**	**2,39,61,735**	**-**	**2,39,61,735**	**2,87,56,629**	**1,93,27,988**

Director

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एनआईडी, मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Controller of Finance & Accounts
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-15
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Imprtance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Income and Expenditure for the year ended March 31, 2021

Other Administrative Expenses

(Amount in Rupees)

Particulars	Non-Plan Recurring Expenses	Plan Recurring Expenses			2020-2021 Total	Total of Non-Plan and Plan Recurring Expenses 2019-2020
		R & D	Other	Total		
1. Travelling expenses	52,810	1,33,693	-	**1,33,693**	1,86,503	19,19,967
2. Telephone, Telex, Postage	1,00,441	3,33,221	-	**3,33,221**	4,33,662	3,56,269
3. Electricity & Water expenses	17,29,868	61,44,219	-	**61,44,219**	78,74,087	37,95,013
4. Maintenance: Mechanical, IT, Electrical, Electronics	-	24,780	-	**24,780**	24,780	4,98,953
5. Vehicle maintenance & Operation charges	1,88,352	9,30,746	-	**9,30,746**	11,19,098	13,75,913
6. Material, Supplies Consumables & Misc. exp. etc	21,10,223	19,11,328	-	**19,11,328**	40,21,551	29,81,679
7. General Expenses for Satellite Centres	-	-	-	-	-	-
8. Advertisement & Publicity expenses	39,714	1,71,093	-	**1,71,093**	2,10,807	81,181
9. Welfare, Campus events & Other expenses	21,666	2,66,410	-	**2,66,410**	2,88,076	18,26,582
10. Library, Journals, Periodical, Exhibition, Subscription etc.	-	-	-	-	-	11,800
11. Student Freeship & Development	-	-	-	-	-	56,000
12. Faculty, Staff HRD, Other Misc. expenses	2,23,429	8,48,700	-	**8,48,700**	10,72,129	1,22,720
13. Rates, Taxes, Cesses	-	-	-	-	-	6,70,845
14. Repairs & Maintenance	70,656	4,39,031	-	**4,39,031**	5,09,687	-
15. Insurance	-	-	-	-	-	-
16. Legal expenses & Professional fees	-	47,254	-	**47,254**	47,254	73,085
17. Security,Housekeeping and Horticulture Maintenance	25,97,041	1,33,96,101	-	**1,33,96,101**	1,59,93,142	1,70,99,413
18. Audit fees	-	-	-	-	-	-
19. Refreshment & Hospitality Expenses	47,254	4,94,660	-	**4,94,660**	5,41,914	6,21,603
20. Outsourcing of Contracual Staff/Consultants	13,85,284	37,06,144	-	**37,06,144**	50,91,428	40,08,225
21. Academic & Workshop Contingencies	1,79,646	8,38,218	-	**8,38,218**	10,17,864	8,90,070
22. Guest House Expenses	-	2,920	-	**2,920**	2,920	57,021
23. Hiring of Machinery/Equipments	-	-	-	-	-	1,49,320
24. Stationery and Printing Expenses	41,995	2,10,405	-	**2,10,405**	2,52,400	4,62,805
24. Other Misc. Expenses	3,64,375	5,64,893	-	**5,64,893**	9,29,268	35,474
			-	-	-	-
Total	**97,52,754**	**3,04,63,816**	-	**3,04,63,816**	**3,96,16,570**	**3,70,93,938**

Director

Controller of Finance & Accounts

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-16
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Imprtance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Income and Expenditure for the year ended March 31, 2021

Amount Transferred to Reserve or Specific Fund

(Amount in Rupees)

Particulars	2020-2021	2019-2020
Transferred to NID MP Corpus Fund	1,65,49,177	1,49,66,793
Total	**1,65,49,177**	**1,49,66,793**

Director

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts

वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-17
[See sub-rule 1 of rule 4]
NATIONAL INSTITUTE OF DESIGN, MADHYA PRADESH
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet and Income and Expenditure account for the year ended March 31, 2021

Notes Forming Part of Accounts

1. SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES:

a. BASIS FOR PREPARATION Of ACCOUNTS:

The Annual Statement of Accounts and Balance sheet of the Institute are prepared based on the National Institute of Design, Madhya Pradesh (Forms of Annual Statement of Accounts) Rules 2020 notified by the DPIIT, Ministry of Commerce & Industry, Government of India vide Gazette notification no. G.S.R. 822 (E) dated 30.12.2020.

b. ACCOUNTING CONVENTION:

The Financial statements are prepared on the basis of historical cost convention, unless otherwise stated and on the accrual method of accounting except for fee collection and liability towards privileged leave and gratuity.

c. INVESTMENTS:

Long Term Investments are stated at cost.

d. FIXED ASSETS:

(i) Fixed Assets are stated at the Cost. The cost includes invoice value, freight, octroi, and other incidental expenses relating acquisition.

(ii) The land allotted on lease, by the Government of Madhya Pradesh at 'Nil' Cost, has been shown at nominal value of ₹ 1/- in Annual Accounts for the year 2020-21.

(iii) During previous year, the Fixed Assets were stated at net value under the Asset side of Form 'A' Balance Sheet and consequently, a Depreciation fund was shown as 'Nil' under the Liabilities side of Form 'A' Balance Sheet. For the current year, the Fixed Assets are stated at Cost and Accumulated Depreciation on fixed Asset is shown under the head Depreciation fund for amounting ₹ 2,44,18,220/- under Liabilities side of Form 'A' Balance Sheet as per approved format of accounts conveyed vide GSR 822 (E) dated 30.12.2020.

e. GOVERNMENT GRANTS:

(i) Government grants are accounted on the basis of sanction from Government Department.

(ii) Government grant to the extent utilized towards capital expenditure, are transferred to the Capital Fund.

(iii) Government grants for meeting Revenue expenditure are treated as income of the year to the extent of expenditure incurred.

(iv) Un-Utilized grants are carried forward and exhibited as a Liability in the balance Sheet.

f. DEPRECIATION:

(i) **RATE OF DEPRECIATION**

Depreciation is calculated on Straight Line Method at the following rates:

Item	Rate (%)
Building	2.50
Machinery, Equipment & Tools	10.00
Furniture & Fixtures	10.00
Computers & Peripherals	20.00
Vehicles	20.00
Library Books	10.00

(ii) Depreciation on addition has been provided for the full year irrespective of date of acquisition.

(iii) An amount from Capital Fund account was transferred to Income and Expenditure account to the extent of depreciation provided on assets acquired out of capital grant.

(iv) Depreciation is not provided on assets sold during the year.

(v) Depreciation amounting ₹ 64,208/- on Building, undercharged during the previous year, has been additionally charged to the same extent during the current year in schedule 6 'Fixed Assets' in compliance of comments raised vide SAR on the annual account for the year 2019-20.

(vi) During previous year, the Fixed Assets were stated at net value under the Asset side of Form 'A' Balance Sheet and consequently, Depreciation fund was shown as 'Nil' under the Liabilities side of Form 'A' Balance Sheet. For the current year, the Fixed Assets are stated at Cost and Depreciation fund, for amounting ₹ 2,44,18,220/- (inclusive of Accumulated Depreciation of ₹ 1,13,33,340/- up to 2019-20), has been created under Liabilities side of Form 'A' Balance Sheet as per approved format of accounts conveyed vide GSR 822 (E) dated 30.12.2020.

g. FOREIGN CURRENCY TRANSACTION:

Transactions denominated in foreign currency are accounted for at the exchange rate prevailing on the date of transaction. The bank balance held in foreign currency is converted into Rupee at RBI rate prevailing on the closing day of the financial year.

h. CURRENT ASSETS, LOANS AND ADVANCES:

In the opinion of the Management, the current assets, loans and advances have a value on realization in the ordinary course of business, equal at least to the aggregate amount shown in the Balance Sheet.

i. INCOME TAX:

The income of the Institute is exempt under Income-tax Act 1961. No provision for Income Tax is therefore made in the accounts.

j. RETIREMENT/TERMINAL BENEFIT

Terminal leave encashment benefit and Death cum Retirement Gratuity (DCRG) to the employees are accounted for on cash basis.

k. Revenue Income

(i) Various fees from Students are treated as income for the year, as and when, these are realized.

(ii) Interest on STDR is taken on accrual basis for the year.

(iii) The revenue utilized towards the recurring expenditure incurred during the year has been shown at Sch 14 & 15 under the column "Non-Plan recurring expenditure".

l. CORPUS FUND

NID MP Corpus fund has been credited with the excess of revenue earned over and above the expenditure incurred from revenue, so earned, during the year. The portion of expenditure for the year, over and above the Govt. Grant (recurring) was incurred from the revenue earned and difference has been transferred to Corpus Fund as shown in Sch 2 through Sch 16.

2. Contingent Liabilities for the year is ₹ Nil (Previous year ₹. 66,48,907/-)

3. Estimated amount of contract remaining to be executed on capital account and not provided for ₹ 1,95,52,028/- (₹ 7,68,52,028 less ₹ 5,73,00,000/-) (Previous year ₹ 1,95,52,028/-).

4. Deficit for the year 2019-20 of ₹ 20,69,496/- (For the previous year 2018-19 ₹ Nil) has been debited to misc. exps, as there is no specific govt. grant received for the same during the year.

5. Corresponding figures for the previous year have been re-grouped/rearranged wherever necessary.

6. Figures in the Final accounts have been rounded off to the nearest rupee.

7. New minor/sub head under various schedules have been included for better presentation of the Schedules and Annual Account.

8. Annexures to the Schedules has been attached for better understanding of the concerned schedules.

Director

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Controller of Finance & Accounts

वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

NOTE

Compiled by:
Shri. Parshant, Assistant Administrative Officer
Lt. Col. Manish K Bahuguna (Retd.), Registrar

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान
National Institute of Design
मध्यप्रदेश Madhya Pradesh

National Institute of Design, Madhya Pradesh
Acharpura, Eint Khedi, Post Arwaliya,
Bhopal, Madhya Pradesh – 462038.
https://nidmp.ac.in

Anupam Mudran # 9425025574